RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 44
नई दिल्ली, सोमवार, 16 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

फिल्म उद्योग में आप दूसरे की ईमानदारी का ठेका नहीं ले सकते

राष्ट्रीय-11

दक्षिणी दिल्ली में भारी हिंसा-आगजनी

तीन डीटीसी बसें और अग्निशमन की गाड़ी फूंकी, पुलिस लाठीचार्ज में 35 छात्र व दो पुलिसकर्मी घायल

- जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के वीसी व छात्रों ने हिंसा से खुद को अलग किया, केजरीवाल ने शरारती तत्वों को चेताया
- एक दर्जन से अधिक मेट्रो स्टेशन के गेट किए गए बंद, आधी दिल्ली रही जाम की शिकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन रविवार को हिंसा और आगजनी में तब्दील हो गया। प्रदर्शनकारियों ने मथुरा रोड पर न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में तीन डीटीसी बसों और एक अग्निशमन गाड़ी में आग लगा दी। हालात को काबू करने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया और छुपने के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में घुसे असामाजिक तत्वों को बाहर निकाला। हिंसक झड़प में कई छात्रों के साथ-साथ एक पुलिसकर्मी और दो दमकलकर्मी भी जख्मी हो गए। घायल 35 छात्रों को होली फैमिली अस्पताल लाया गया जिनमें से 11 को भर्ती किया गया।

जामिया वीसी और छात्रों ने हिंसा में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में कुछ तत्व शामिल हो गए और उन्होंने इसे बाधित किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी तरह की हिंसा अस्वीकार्य है और प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छात्र मथुरा रोड पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान भारी संख्या में स्थानीय लोग और शरारती तत्व प्रदर्शनकारियों में शामिल हो गए और भारी हंगामा करने लगे। मथुरा रोड पर भारी जाम लग गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने की कोशिश की तो किसी ने मोटरसाइकिल से पेट्रोल निकाला और बसों पर फेंक कर आग लगा दी। आग को काबू करने पहुंचे अग्निशमन की गाड़ियों को भी निशाना बनाया गया। बवाल बढ़ता देख जामिया मिल्लिया इस्लामिया, ओखला विहार, जसोला विहार, शाहीन बाग मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश एवं निकास द्वार बंद कर दिए गए। दिल्ली यातायात पुलिस ने ओखला अंडरपास से सरिता विहार तक यातायात रोक दिया। जाम के कारण बदरपुर और आश्रम चौक से आने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों की तरफ भेजा गया। प्रदर्शनकारियों के बवाल के मद्देनजर शाम को जीटीबी नगर, शिवाजी स्टेडियम, पटेल चौक और विश्वविद्यालय समेत कई मेट्रो स्टेशनों के द्वार भी बंद कर दिए। इससे सड़कों पर ट्रैफिक बढ़ गया और आधी से ज्यादा दिल्ली जाम में फंस गई। देर शाम जामिया के छात्रों के समर्थन में जेएनयू के छात्रों ने आईटीओ स्थित पुलिस मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। मथुरा रोड पर भारी हिंसा के तुरंत बाद पुलिस जामिया मिल्लिया इस्लामिया के परिसर में घुस गई और विश्वविद्यालय के गेट बंद कर दिए। दक्षिण पूर्व दिल्ली के पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिस्वाल ने बताया कि अब स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के भीतर से पुलिस पर पत्थरबाजी की गई जिसके बाद उन्हें भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। बिस्वाल ने बताया कि कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

जामिया के चीफ प्रॉक्टर वसीम अहमद खान ने दावा किया कि दिल्ली पुलिस के कर्मी बिना अनुमति जबरन विश्वविद्यालय में घुस गए और कर्मचारियों तथा छात्रों को पीटा तथा उन्हें परिसर से जाने को मजबूर किया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय ने कहा कि दक्षिणी दिल्ली में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ आसपास के लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई, छात्रों के आंदोलन के दौरान नहीं। विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को पुलिस और छात्रों के बीच झड़प के बाद उसने पहले ही सर्दियों की छुट्टी घोषित कर दी है और सेमेस्टर परीक्षा टाल दी है। विश्वविद्यालय की कुलपति नजमा अख्तर ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। (शेष पेज 10)

नागरिकता कानून का विरोध

नई दिल्ली में रविवार को मथुरा रोड पर संशोधित नागरिकता कानून के विरोधियों ने एक बस को आग के हवाले कर दिया

पूर्वोत्तर में तीसरे दिन भी जारी रहा विरोध प्रदर्शन

असम में दो अन्य की मौत

- पश्चिम बंगाल के छह जिलों में इंटरनेट सेवा पर रोक

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता/गुवाहाटी/नई दिल्ली

नागरिकता (संशोधन) कानून को लेकर असम और पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में रविवार को लगातार तीसरे दिन विरोध प्रदर्शन जारी रहा। वहीं देश के अन्य हिस्सों से भी छुटपुट प्रदर्शनों के समाचार हैं। असम के गुवाहाटी में गोली लगने से दो और लोगों की मौत हो गई, जिससे संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन में मरने वालों की कुल संख्या चार हो गई है।

गौहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अधीक्षक रमन तालुकदार ने कहा कि एक व्यक्ति की मौत शनिवार की रात हुई जबकि दूसरे व्यक्ति की रविवार की सुबह हुई। उन्होंने कहा, ईश्वर नायक की कल रात मौत हुई जबकि अब्दुल अलीम की आज सुबह मौत हुई। उन्होंने कहा कि बुधवार से गोली लगने के कारण 27 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बहरहाल, प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि विवादास्पद कानून के खिलाफ आंदोलन के दौरान पुलिस गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हुई है। गुवाहाटी में बृहस्पतिवार को सैम स्टैफोर्ड और दीपांजल दाव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहां हर गली- चौराहे पर सेना, अर्द्धसैनिक बल और राज्य पुलिस के जवान तैनात हैं। बहरहाल प्रदर्शनकारी और अखिल असम छात्र संघ (आसू) का दावा है कि उस दिन गोली लगने से तीन लोगों की मौत हुई थी। आसू अध्यक्ष दीपांक कुमार नाथ ने कहा, उन्होंने (सरकार) लोगों का दमन करने के लिए अपने तंत्र को खुली छूट दे रखी है, जिसमें पांच नाबालिग छात्र मारे गए हैं और गोलियों से कई अन्य जख्मी हुए हैं। यह स्पष्ट है कि सर्वानंद सोनोवाल की सरकार को गिरा दिया जाएगा।

दूसरी ओर ममता सरकार ने प्रदेश के छह जिलों में इंटरनेट सेवा पर रोक लगा दी है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मालदा, उत्तर दिनाजपुर, मुर्शिदाबाद, हावड़ा, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिले के कुछ हिस्सों में इंटरनेट सेवा पर रोक लगा दी गई है जिससे खासतौर पर सोशल मीडिया पर अफवाह और गलत खबरें प्रसारित करने वालों को (शेष पेज 10)

नागरिकता कानून पर हिंसा को तूल दे रही कांग्रेस: मोदी

- कहा-विपक्ष की हरकतों से यह साबित हो गया है कि इस विधेयक को पारित करना हजार प्रतिशत सही था

पायनियर समाचार सेवा। दुमका (झारखंड)

नागरिकता संशोधन कानून के मुद्दे पर हिंसा को तूल देने का कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि विपक्ष की हरकतों से यह साबित हो गया है कि इस विधेयक को पारित करना हजार प्रतिशत सही था और आगजनी में शामिल लोगों की पहचान उनके कपड़ों से की जाए। मोदी ने यहां एक चुनावी रैली में कहा, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल नागरिकता कानून को लेकर आग भड़का रहे हैं लेकिन पूर्वोत्तर के लोगों ने हिंसा को खारिज कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, देश देख रहा है कि विधेयक को संसद की मंजूरी मिलने के बाद मोदी में लोगों की आस्था और मजबूत हुई है। उनकी (विपक्ष की) हरकतों से प्रदर्शित होता है कि नागरिकता (संशोधन) विधेयक को संसद में पारित करने का फैसला 1,000 प्रतिशत सही था। दरअसल, इस कानून के खिलाफ पूर्वोत्तर और पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन हो रहे हैं, जहां कई रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और बसों को भीड़ ने पिछले दो दिनों में आग के हवाले कर दिया। मोदी ने किसी पार्टी या समुदाय का जिक्र किए बगैर कहा, जो लोग आगजनी (संपत्ति में) कर रहे हैं उन्हें टीवी पर देखा जा सकता है...उनकी पहचान उनके द्वारा पहने गए कपड़ों से की जा सकती है। कांग्रेस द्वारा विदेशों में किए गए प्रदर्शनों की निंदा करते हुए उन्होंने कहा, पहली बार कांग्रेस ने वह किया है जो पाकिस्तानी लंबे समय से करते आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर बड़ी संख्या में लोग नागरिकता (संशोधन) कानून के खिलाफ (शेष पेज 10)

गृह मंत्री ने दिए नागरिकता कानून में बदलाव के संकेत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून पर पूर्वोत्तर राज्यों में हिंसा और प्रदर्शनों के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने पहली बार यह बात कही है कि नागरिकता कानून में कुछ बदलाव किया जा सकता है। धनबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस कानून को लेकर पूर्वोत्तर के लोगों में कुछ संदेह है। इसे लेकर मेघालय के मुख्यमंत्री से उनकी बात हुई है। मैंने उन्हें भरोसा दिया है कि क्रिसमस के बाद इसका कोई हल जरूर निकाला जाएगा। शाह ने कहा कि (शेष पेज 10)

नागरिकता (संशोधन) कानून के बारे में जागरूकता अभियान चलाएगी भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नागरिकता (संशोधन) कानून के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों के बीच भाजपा ने रविवार को घोषणा की कि वह इस कानून के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगी। पार्टी ने कहा कि यह मुसलमानों या किसी अन्य समुदाय के खिलाफ भेदभावपूर्ण नहीं है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी के उपाध्यक्ष दुष्यंत गौतम के साथ संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा कार्यकर्ता देश भर में लोगों को इस कानून के बारे में बताएंगे, जिसका उद्देश्य तीन पड़ोसी देशों में धार्मिक प्रताड़ना झेलने के बाद भारत आए वहां के अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है। पात्रा ने कहा, इस कानून में ऐसा कोई भी प्रावधान नहीं है कि हमारे मुस्लिम भाइयों या बहनों के एक भी अधिकार छीने जाएंगे। इसके बजाए उन लोगों को अधिकार दिए जाएंगे जो बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में धार्मिक प्रताड़ना झेलने के बाद भारत आने पर बिना किसी अधिकार के रह रहे थे। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़ और दिल्ली समेत 11 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में पार्टी पदाधिकारियों को राष्ट्रीय नेतृत्व ने रविवार को यहां इस कानून के प्रावधानों के बारे में बताया है, ताकि वे अपने-अपने राज्यों में अभियान शुरू कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि पार्टी नेताओं ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और सभी को नए कानून पर एक पुस्तिका भी दी। पात्रा ने कहा, हमें विपक्ष, खासतौर से कांग्रेस की गैर जिम्मेदाराना भूमिका से भाजपा के जिम्मेदाराना व्यवहार की तुलना करनी होगी। भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं से तथ्यों के साथ बात की है जबकि विपक्ष लोगों को गुमराह कर रहा है। वे दंगा या आगजनी करना चाहते हैं। (शेष पेज 10)

मौसम

अधिकतम	19.8°C (-3)
न्यूनतम	09.6°C (+1)

बाजार

सेंसेक्स	41,009	
निफ्टी	12,086	
सोना	38,486	/10g
चांदी	45,189	/kg

क्विक न्यूज

लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान का विकास कर रहा है इसरो

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) का विकास कर रहा है और इस परियोजना के लिए सरकार को संसद से 11.97 करोड़ रुपए के प्रस्ताव पर मंजूरी मिल गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश 2019-20 की अनुदान की पूरक मांगों के पहले बैच के दस्तावेज के अनुसार, एसएसएलवी के विकास के लिए 11.97 करोड़ रुपए का प्रस्ताव किया गया है। संसद में अनुदान की पूरक मांगों पर चर्चा के बाद इसे मंजूरी मिल गई। एसएसएलवी का विकास छोटे वाणिज्यिक उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के मकसद से किया जा रहा है।

बंदूक का लाइसेंस चाहिए तो गौशाला में देने होंगे 10 कंबल

- कलेक्टर चौधरी ने छह महीने पहले आदेश दिया था कि बंदूक का लाइसेंस चाहने वालों को 10 पौधे लगाने होंगे और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने के साथ पौधों के फोटो आवेदन के साथ देने होंगे

पायनियर समाचार सेवा। ग्वालियर

ग्वालियर जिले में बंदूक का लाइसेंस लेने के इच्छुक लोगों के लिए जिला कलेक्टर ने शर्त रखी है कि लाइसेंस चाहने वालों को ग्वालियर की सरकारी गौशाला के लिए 10 कंबल देने होंगे। कलेक्टर अनुराग चौधरी ने शनिवार को ग्वालियर की लाल टिपारा और गोला का मंदिर स्थित गौशाला का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद कलेक्टर चौधरी ने बताया कि गौशाला में गायों को ठंड से बचाने के लिए यह तय किया गया है कि यदि किसी को बंदूक का लाइसेंस चाहिए तो उसे गौशाला को 10 कंबल देने होंगे। संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस संबंधी निर्देश दे दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर चौधरी ने छह महीने पहले आदेश दिया था कि बंदूक का लाइसेंस चाहने वालों को 10 पौधे लगाने होंगे और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने के साथ पौधों के फोटो आवेदन के साथ देने होंगे। कलेक्टर ने इस अवधि में बंदूकों के करीब 147 लाइसेंस जारी किए और इस दौरान करीब 1700 पौधे भी लगाए गए। गोला का मंदिर स्थित गौशाला में पिछले हफ्ते ठंड से छह गायों की मौत हुई थी।

इसके बाद कलेक्टर चौधरी ने वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करके रेड क्रॉस की ओर से तीन लाख रुपए की धनराशि गौशाला को दी थी। इस समय ग्वालियर में नगर निगम की दो गौशालाएं, गोला का मंदिर और लाल टिपारा में हैं और इनमें करीब 8,000 गाएं हैं।

जलवायु परिवर्तन से बदल रही है जीवों की प्रजनन प्रक्रिया

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन के कारण गर्म हो रही धरती का वन्यजीव जंतुओं पर गंभीर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कुछ जीव-जंतु ठंडे इलाकों की ओर कूच कर रहे हैं तो कुछ लुप्त होने के कगार पर हैं जबकि कछुओं जैसे कुछ जीवों की जनन प्रक्रिया में बदलाव आ रहा है। हालांकि, स्कॉटलैंड के रेड डियर (लाल हिरन) ने ग्लोबल वार्मिंग के अनुकूल होना ज्यादा मुफीद समझा और उसने समय के साथ अपने जन्म के तरीके में ही बदलाव कर लिया।

वैज्ञानिकों ने पीएलओएस (पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ साइंस) जीव विज्ञान पत्रिका के हाल के संस्करण में प्रकाशित नए अध्ययन में यह तथ्य उभर कर सामने आए हैं। इसमें वैज्ञानिक कहते हैं कि ये लाल हिरनचार्ल्स डार्विन द्वारा विकसित विकास के सिद्धांत का पालन कर रहे हैं और उनके जन्म पैटर्न में यह बदलाव सदियों से नहीं है, बल्कि हाल के दशकों में ही आया है। वैज्ञानिक यह दावा स्कॉटलैंड के आइल ऑफ रम में 1972 से लगभग 45 साल की अवधि में किए गए स्थलीय शोध और जैनेटिक आंकड़ों के आधार पर किया है।

एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और सेंट एंड्रयूज और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने कहा है कि जंगली जानवरों के विकास प्रक्रिया से गुजरने की यह पहले नमूनों में से एक घटना है।

शोध के नेतृत्व करने वाले ऑस्ट्रेलियाई नेशनल यूनिवर्सिटी के डॉ. टिमोथी बोनेट ने कहा कि गर्म जलवायु हिरन को न केवल साल के शुरू में जन्म देने के लिए प्रोत्साहित करता है, बल्कि इसका मतलब है कि जीन पहले प्रजनन के लिए रम हिरन में अब आम हो गया है। उन्होंने समझाया कि जो हिरण पहले जन्म देते हैं, उनके जीवनकाल में अधिक बछड़े होते हैं। इसका मतलब यह है कि प्रजनन में उन्हें अधिक सफलता हासिल हुई है। शोध के बारे में उन्होंने कहा कि इतनी कम अवधि में प्रजनन विकास प्रक्रिया देखना दुर्लभ है।

आंकड़े शोध स्थल स्वीडन के हाइलैंड के लिहाज से विशिष्ट हैं, लेकिन वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि जानवरों में इस तरह का प्रजनन प्रक्रिया विकास दुनिया में कहीं और भी हो रहा होगा। देहरादून स्थित वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. के. शिवकुमार कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन का वन्यजीवों की दुनिया पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि लाल हिरणों द्वारा किए गए नए अनुकूलन से उनकी आबादी को पनपने में बहुत मदद मिल सकती है। उन्होंने यूके की एक्सेटर विश्वविद्यालय और द मैरिन एंड इनविरोन्मेंट साइंस सेंटर पुर्तगाल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अन्य तरीकों से भी हो रहा है। उदाहरण के लिए, सन 2100 तक हरे रंग के कछुए की 93 प्रतिशत आबादी मादा हो सकती है।

क्योंकि जलवायु परिवर्तन इस प्रजाति के जीवों में स्त्रीत्व का कारण बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, यदि हम अपने कार्बन उत्सर्जन को कम नहीं करते हैं और वैश्विक तापमान 4.5 सेल्सियस तक बढ़ने देते हैं तो दुनिया के आधे से अधिक जीव-जंतु और पौधे सन 2100 तक विलुप्त हो सकते हैं।

उन्नाव बलात्कार कांड में सेंगर पर फैसला आज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा से निष्कासित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर पर 2017 में लगे अपहरण और बलात्कार के आरोप के मामले में दिल्ली की एक अदालत सोमवार को फैसला सुनाएगी। कैमरे के सामने चलने वाली कार्यवाही में जिला न्यायाधीश धर्मेश शर्मा ने कहा था कि वह मुकदमे में सीबीआई और आरोपी पक्ष की दलीलें सुनने के बाद 16 दिसंबर को फैसला सुना सकते हैं। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर मुकदमे को लखनऊ से दिल्ली स्थानांतरित किए जाने के बाद न्यायाधीश ने पांच अगस्त से प्रतिदिन मुकदमे की सुनवाई की थी। सेंगर पर महिला को 2017 में नाबालिग रहते हुए कथित रूप से अगवा कर उसके साथ बलात्कार करने का आरोप है। अदालत ने सह आरोपी शशि सिंह पर भी आरोप तय किए हैं। चार बार विधायक रहे सेंगर को अगस्त 2019 में भाजपा ने निष्कासित कर दिया गया था।

यमुना विकास प्राधिकरण के पूर्व उप-महाप्रबंधक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में वर्ष 2013- 14 में हुए 126 करोड़ के भूमि घोटाले के सिलसिले में रविवार को थाना बीटा-2 पुलिस ने यमुना विकास प्राधिकरण के पूर्व उप-महाप्रबंधक को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पूर्व में 12 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक (देहात) रणविजय सिंह ने बताया कि वर्ष 2018 तीन जून को यमुना विकास प्राधिकरण में तैनात निरीक्षक गजेंद्र सिंह ने थाना बीटा-2 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, कि यमुना विकास प्राधिकरण के तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी पी सी गुप्ता द्वारा अपने सहयोगी अधिकारियों के साथ मिलकर अपने रिश्तेदारों व मित्रों के माध्यम से ऐसी भूमि सस्ते में खरीद करवाई गई जो प्राधिकरण के किसी प्रयोग में आने योग्य नहीं थी, और उसी जमीन को चिन्हित कर प्राधिकरण की तरफ से उसका दोगुना मुआवजा देकर उसे अधिग्रहित कर लिया गया। इसमें प्राधिकरण को करीब 126 करोड रुपए की हानि हुई।

पुलिस गिरफ्त में यमुना विकास प्राधिकरण के पूर्व उप-महाप्रबंधक सतीश कुमार।

भूमि घोटाला

सिंह ने बताया कि विवेचना के दौरान पुलिस ने पूर्व प्रशासनिक अधिकारी पी सी गुप्ता, संजीव कुमार, सतेंद्र चौहान, सतेंद्र सिंह और रमेश बंसल को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि सोनिया बंसल, अनिल कुमार, मनोज कुमार, गौरव कुमार, जोगेश, बृजेश, रणवीर सिंह ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारी ने बताया कि रविवार को इस मामले में फरार चल रहे सतीश कुमार पुत्र रामेश्वर प्रसाद निवासी झींझाना जनपद शामली को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह यमुना विकास प्राधिकरण में उप-महाप्रबंधक के रूप में घोटाले के समय कार्यरत थे।

उन्होंने बताया कि घोटाले से संबंधित जो जमीन खरीदी गई थी, उसका क्रय- विक्रय व चिन्ही करण से संबंधित पत्रावलियां अभियुक्त के हस्ताक्षर से ही अग्रसारित की गई थी।

गाजियाबाद मेरठ हाईवे पर लगा भयंकर जाम

गाजियाबाद। सुबह के समय दिल्ली-मेरठ हाईवे पर जबरदस्त जाम लग गया। जाम की मुख्य वजह रविवार को होने वाली पीसीएस की परीक्षा को बताया जा रहा था। लोगों का कहना था कि हाईवे पर वाहनों का दबाव इतना था कि उम्मीद नहीं लग रही थी कि शाम तक भी जाम से निजात मिलेगी। फिलहाल मौके पर पहुंचे पुलिस दल ने किसी तरह स्थिति को काबू में किया।

इससे पहले भेड़ों के झुंड ने शनिवार सुबह दिल्ली-मेरठ हाईवे की रफ्तार रोक दी थी। गाजियाबाद से मेरठ की तरफ करीब आठ किलोमीटर की दूरी में लोगों को भीषण जाम झेलना पड़ा। सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर तक जाम में फंसकर लोग बेहाल हो गए। इस दौरान पुलिस भी व्यवस्था बनाने में नाकाम रही।

राजस्थान के रहने वाले लोग शनिवार को हजारों भेड़ लेकर हाईवे के रास्ते मेरठ की तरफ जा रहे थे। सुबह साढ़े सात बजे के आसपास वे दुहाई से मुरादनगर की तरफ चले। भेड़ों ने सड़क पर पूरी तरह कब्जा कर लिया था। देखते ही देखते हाईवे पर वाहनों की रफ्तार पर पूरी तरह विराम लग गया था।

बिरयानी बेच रहे युवक की बेरहमी से पिटाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में तीन दबंगों द्वारा एक बिरयानी विक्रेता को कथित तौर पर पीटे जाने और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सभी तीनों आरोपियों को बुलंदशहर से गिरफ्तार कर लिया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आ गई।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) रणविजय सिंह ने बताया कि जब वीडियो की जांच की गई तो पता चला कि यह घटना शुक्रवार को थाना रबूपुरा क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे के पास खेड़ा अंडरपास के नजदीक हुई। दर्ज मामले के अनुसार यमुना एक्सप्रेसवे के खेड़ा अंडरपास के नजदीक वेव बिरयानी की रेहड़ी लगाने वाले लोकेश के साथ उसी के गांव के दबंग सोनू, आनंद और बीरम उर्फ बीजू ने शुक्रवार को बिरयानी खाने को लेकर मारपीट की तथा यमुना एक्सप्रेसवे के पास उसे बिरयानी का ठेला लगाने से मना किया। दबंगों ने दलित युवक के साथ जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया।

● तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

पेड़ से बांधकर शख्स ने पीटा

नोएडा। सेक्टर 39 थाना क्षेत्र में बीती रात एक युवक को पेड़ से बांधकर पीटा गया। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सेक्टर 99 में जनता फ्लैट निवासी सुमित यादव बीती रात सोसाइटी के बाहर ही फोन पर बात कर रहे थे उस दौरान ही उनके साथ यह घटना हुई। सुमित का कहना है कि रात में उनके पास एक स्कार्पियों कार आकर रुकी, जिसमें बैठे युवक ने उनसे नाम पूछा और कहा कि रात में यहां क्या कर रहा है। इसके बाद पूछा कि कहां का है, तो उसने बताया कि वह कन्नौज का रहने वाला है। इस पर कार में बैठा युवक अपने साथियों के साथ नीचे उतर आया और कहा कि स्थानीय लोगों से कैसे बात की जाती है, तुझे नहीं पता, और उसके बाद उसके साथ मारपीट की और उसे पेड़ से बांधकर भी पीटा गया। इस मामले में पुलिस ने सूचना दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वच्छ पर्यावरण संदेश देने के लिए बच्चों और बुजुर्गों ने लगाई दौड़

गाजियाबाद। वसुंधरा क्षेत्र में आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठनों की ओर से रविवार सुबह लोगों को स्वास्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश देने के लिए रन फॉर ब्रीथ का आयोजन किया गया। इसमें नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मदद की। इस दौरान दूर-दराज से आए डेढ़ हजार से भी ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। इसके बाद रन फॉर ब्रीथ के विजेताओं को पौधे देकर सम्मानित किया गया।

वसुंधरा में विभिन्न आरडब्ल्यूए व सामाजिक संगठनों द्वारा रविवार को 2.5 से लेकर 21 किलोमीटर तक की दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय लोगों के अलावा दूर-दराज से पहुंचे लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। धावकों ने इस दौड़ के जरिए लोगों को हरियाली का संदेश दिया। इस दौरान दौड़ शामिल बच्चों ने कहा कि एनसीआर में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय है। इसकी रोकथाम के लिए सरकार के साथ ही लोगों को भी जागरूक होने की जरूरत है। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले 5 साल से इस मुहिम को चलाया जा रहा है।

हमलावरों पर रासुका की मांग, धरने पर बैठे अभियंता

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी के ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के अगरौला गांव में ग्रामीणों द्वारा बिजली विभाग के एसडीओ व दो अवर अभियंताओं पर कातिलाना हमले के बाद पुलिस ने जहां तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है वहीं, पश्चिम उत्तर प्रदेश के 14 जिलों के अभियंता रविवार को बिजली निगम के आरडीसी स्थित मुख्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई नहीं हुई तो वे लोग आंदोलन को और तेज करेंगे जिसमें सभी मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर लेंगे और पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की विद्युत आपूर्ति उप कर दी जाएगी। बता दें कि शनिवार को अगरौला गांव में ग्रामीणों ने उस समय बिजली निगम के एसडीओ इंद्रभानु सिंह, अवर अभियंता दीपेश शर्मा व रणजीत शर्मा पर लाठी डंडों से हमला कर दिया था जब वे एकमुश्त जमा योजना के तहत शिविर लगाकर बिजली बिल वसूल कर रहे थे।

मुख्यालय परिसर में धरने पर बैठे विद्युत विभाग के अभियंता।

● अगरौला में बिजली कर्मियों पर हमले का मामला

एसडीओ इन्द्रभानु सिंह ने बताया कि हिंसक भीड़ के पास अवैध तमंचा और लाठी-डंडे थे। इस हमले के विरोध में रात में ही सैकड़ों की तादाद में बिजली कर्मियों ने थाने पर प्रदर्शन किया था और 20 ग्रामीणों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गयी थी। इसके बाद पुलिस ने अगरौला गांव निवासी दीपक, विशम्भर व पंकज को गिरफ्तार कर लिया था लेकिन, विद्युत कर्मी इस गिरफ्तारी से संतुष्ट नहीं हुए और वे आरोपियों पर रासुका लगाने की मांग पर अड़े हैं।

शिविर में 280 मरीजों का हुआ सफल ऑपरेशन

हापुड़। एनटीपीसी में चल रहे नेत्र शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि इलोरा घोष ने आयोजन के लिए एनटीपीसी की सराहना की। इस पांच दिवसीय शिविर में कुल 740 मरीजों का पंजीकरण किया गया जिनकी जांच करने के उपरांत डॉक्टरों द्वारा कुल 280 मरीजों की आंखों के लैंस प्रत्यारोपण विधि से सफल आपरेशन किए गए।

साथ ही शिविर में लोगों से नेत्रदान करने के लिए भी अपील की गई। इस अवसर पर इलोरा घोष ने शिविर में मरीजों के लिए की गई उचित व्यवस्था और उनके सफल आपरेशन के लिए डाक्टरों के प्रयासों की सराहना भी की।

नगर आयुक्त ने पार्षद पर लगाया जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिंडन नदी से सटे अर्थला स्थित पूर्वांचल भवन के भूमि पूजन में एक पार्षद को नगर आयुक्त दिनेश चंद को बतौर अतिथि आमंत्रित करना उस समय भारी पड़ गया जब वहां प्रतिबंधित प्लास्टिक की पॉलीथिन व अन्य प्लास्टिक निर्मित सामान को देखकर वह नाराज हो गए। देखते ही देखते पार्षद पर 100 रुपए का जुर्माना लगा दिया और रसीद काटकर हाथ में दे दी।

नगर आयुक्त ने पार्षद पिंटू सिंह को अवगत कराया कि पूरे उत्तर प्रदेश में प्लास्टिक और कूड़ा कचरा अधिनियम-2018 के नियमों के तहत प्लास्टिक का प्रयोग प्रतिबंधित है इसके बावजूद आप जनप्रतिनिधि होते हुए नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं जो जनभावनाओं की मर्यादाओं के खिलाफ है। इसके बाद उन्होंने पार्षद पर 100 रुपए का जुर्माना कर दिया।

जुर्माने की रसीद काटते नगर आयुक्त दिनेश चंद्र

● कार्यक्रम में प्लास्टिक प्रयोग देख हुए नाराज

इसके बाद पार्षद ने पूजन समारोह में माफी मांगकर प्राश्चित करते हुए मौके पर ही जुर्माना भी जमा करा दिया। इस अवसर पर नगर आयुक्त ने शहर के लोगों से अपील भी की कि वे पॉलीथिन का प्रयोग बिल्कुल भी ना करें। बता दें कि पूर्व में नगर आयुक्त ने प्लास्टिक का विजिटिंग कार्ड इस्तेमाल करने पर शहर के एक चिकित्सक पर 500 रुपए का जुर्माना ठोका था।

संक्षिप्त समाचार

वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देते छात्र

डीडीपीएस स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न

गाजियाबाद। गोविंदपुरम स्थित देहरादून पब्लिक स्कूल (डीडीपीएस) का 37वां वार्षिकोत्सव 'ऐस्पैरेशन 2019' रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हो गया। इस मौके पर इस स्कूल की विभिन्न शाखाओं के लगभग 12सौ विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और जोश के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह में कार्यक्रम का शुभारंभ व विद्यालय की निदेशिका मृगांका सिंह, प्रधानाचार्य रेणुका शर्मा व मेधावी विद्यार्थियों के अभिभावकों ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए सबसे पहले गणपति महाराज की स्तुति की गई इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुत दी। शिक्षक लौ, सीमा राज, हिमांशु सिंह, रश्मि नय्यर, संजय राणा, संगीता त्यागी आदि का इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा। वार्षिकोत्सव में मंच संचालन अलका अग्रवाल ने किया ।

जरूरतमंदों को गर्म कपड़े देते संस्था के सदस्य।

कड़ाके की सर्दी में संस्था ने बांटे गर्म कपड़े

नोएडा। बढ़ती ठंड को देखते हुए नव ऊर्जा युवा संस्था के युवाओं ने रविवार को सेक्टर 45 पुलिस चौकी के पास गरीब तबके के 100 बच्चों व महिलाओं को गर्म कपड़ों का वितरण किया। इस दौरान रंग-बिरंगे गर्म कपड़े पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। संस्था की तरफ से अतुल चौधरी ने कहा कि समाज में किया गया अच्छा कार्य दूसरों को भी अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है। इस कार्य से अन्य लोग भी गरीबों और असहायों की मदद के लिए आगे आएंगे। सचिव अंकुश प्रजापति ने कहा कि ठंड में लगातार वृद्धि हो रही है। गरीब तबके के लोगों को ठंड से बचाने के लिए संस्था की ओर से गर्म कपड़ों का वितरण किया गया है। इस मौके पर ध्रुव घोष, दीपक कनोजिया, अतुल चौधरी, डॉली कुमारी, राज मंडल, शेखर चंद्रा, सचिन गुप्ता, अर्पित अग्निहोत्री, मोहन साह, सत्यवान खिलार, अजय चौहान के अलावा कई युवा साथी मौजूद रहे।

'बलिदानियों की माटी' कार्यक्रम 22 को

नोएडा। सेक्टर 12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में हिन्दू जागरण मंच की बैठक 22 दिसंबर को गाजियाबाद में होने वाले बलिदानियों की माटी को नमन कार्यक्रम के लिए योजना बैठक हुई। इसमें प्रान्त संगठन मंत्री गोपाल जी, विभाग संचचालक आरएसएस सुशील जैन, प्रान्त उपाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, सह प्रान्त प्रचार प्रमुख चन्द्रपाल प्रजापति, महानगर संरक्षक इंद्रजीत वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। गोपाल जी ने कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों को कार्यक्रम में लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जो जवान विपरीत परिस्थितियों में भी हमारी रक्षा करते हैं उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए।

सरदार पटेल को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भारतीय जनता पार्टी की महानगर इकाई ने रविवार को मोहनगर चौराहा स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्य तिथि मनाई।

इस अवसर पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद विभिन्न रियासतों में बनते भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम सरदार पटेल ने बखूबी किया और उसके बाद ही उन्हें लौह पुरुष की संज्ञा दी गई। इस अवसर पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पितकर उन्हें नमन किया ।

संजीव शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका थी और भारत की आजादी के बाद वो देश के प्रथम गृहमंत्री व उप प्रधानमंत्री बने थे। बारदौली कस्बे में ज़ोरदार व सशक्त सत्याग्रह करने के बाद उन्हें सरदार कहा जाने लगा और इस तरह वो सरदार पटेल बनें।

आज हम सबको उनके बताये रास्तों पर चलकर देश को मजबूती देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश उन्हें नमन कर रहा है और उनके मजबूत भारत के सपने को देश के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पूरा होता देख रहा है। इस अवसर पर पार्षद यशपाल पहलवान, पार्षद चतर सिंह प्रजापति,पूर्व पार्षद पप्पू पहलवान, संजीव झा, सिमल शर्मा, संदीप त्यागी आदि मौजूद रहे।

अचार और चटनी ने ले ली साहित्य की जगह : नीरव

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मीडिया 36 लिट्रेरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'कथा संवाद' को संबोधित करते हुए प्रख्यात लेखक सुभाष नीरव ने कहा कि ऐसी कार्यशाला ही लेखक गढ़ने का काम करती हैं।

उन्होंने कहा कि वे लोग बधाई के पात्र हैं जिन्होंने साहित्य से लौ लगाई है और इस कार्यशाला में निरंतर हिस्सेदारी कर रहे हैं। नीरव ने कहा कि हम ऐसे कठिन समय से गुजर रहे हैं जहां साहित्य को परिदृश्य से धकेला जा रहा है। मुख्य अतिथि नीरव ने कहा कि अधिकांश साहित्यिक पत्रिकाएं बंद हो चुकी हैं। हिंदी की जो पत्रिकाएं बची भी हैं उनमें साहित्यिक पृष्ठों की जगह अचार, मुरब्बा की रेसिपी या फिल्मी नायिकाओं की तस्वीरें छपी मिलती हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. नवीन लोहनी ने 'कथा संवाद' के तीसरे वर्ष में प्रवेश को एक सुखद संकेत बताया।

ध्वस्तीकरण का नोटिस मिलने पर महापंचायत

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण द्वारा किसानों को ध्वस्तीकरण नोटिस देने के खिलाफ बोडा महादेव के निकट स्थित सराय कॉलोनी सेक्टर 100 में सर्वदलीय किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित हरिश्चन्द्र शर्मा ने की और संचालन सपा जिला प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने किया।

इस अवसर पर किसानों ने एक स्वर में प्राधिकरण की किसान विरोधी नीतियों का विरोध किया और कहा कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा तब तक धरना जारी रहेगा।

विदेश में नौकरी दिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन दबोचे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● कम पढ़े लिखे लोगों को बनाते थे अपना शिकार

भोजपुर थाना पुलिस ने रविवार को देश के विभिन्न हिस्सों से सऊदी अरब में मानव तस्करी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया। पुलिस ने गिरोह से जुड़े तीन शातिर युवकों को गिरफ्तार किया है।

तीनों आरोपी बड़े ही शातिराना तरीके से विदेश में नौकरी दिलवाने के नाम पर कम पढ़े लिखे बेरोजगार नवयुवकों को ठगा करते थे साथ ही मानव तस्करी भी किया करते थे। सऊदी अरब से वापस आए एक पीड़ित युवक ने पुलिस से इस पूरे खेल का राज खोल दिया।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नीरज कुमार जादौन ने बताया कि भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव तयोड़ी के रहने वाले सफायत नामक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि उसके भाई को गांव के कुछ लोगों ने नौकरी दिलाने के लिए सऊदी अरब भेजा था, लेकिन वहां पर उसे नौकरी नहीं मिली और उस पर जुल्म किया जा रहा है और वह वहां से वापस नहीं आ पा रहा है। उसने बताया कि गांव के ही अमीरुद्दीन ने दो लाख 60 हजार रुपए लेकर सऊदी अरब में भेजा था। जांच-पड़ताल के दौरान पुलिस ने गिरोह से जुड़े गांव के ही अमीरुद्दीन, मशरूफ व मेरठ निवासी यामीन को धर-दबोचा।

मामले में पीड़ित अरशद ने बताया कि सऊदी अरब में नौकरी लगवाने के नाम पर अमीरुद्दीन ने उससे 2 लाख 60 हजार रुपये लिए थे लेकिन, जब वह सऊदी अरब एयरपोर्ट पर पहुंचा तो उतरते ही परेशानियों ने उसे जकड़ लिया। अरशद को ना तो वहां काम ही मिला और पुलिस ने कई दिनों तक शौचालय में बंधक बनाकर भी रखा।

जादौन ने बताया कि जांच में सामने आया कि विदेश भेजने के नाम पर दिल्ली एवं मुंबई की ट्रेवल कंपनियों में अमीरुद्दीन एवं उसके साथी बतौर एजेंट काम करते हैं और इसी तरह लोगों को अपने चंगुल में फंसा लेते हैं। अब तक ये सैंकड़ों लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं।

शातिरों की गिरफ्तार के बाद मीडिया को जानकारी देते एसपी ग्रामीण।

दुकान की संकल तोड़कर चोर ले गए प्याज और लहसून

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर देश में मारामारी मची हुई है। वहीं चोरों में भी प्याज को लेकर उत्सुकता बढ़ने लगी है। बीती रात थाना धौलाना कि सपनावत चौकी के ठीक सामने सब्जी की दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करने वाले दुकानदार कल्लन पुत्र विशंभर की दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने दुकान के भीतर रखी प्याज और लहसुन चोरी कर ली।

वारदात की जानकारी सुबह उस दौरान हुई जब कल्लन अपनी दुकान पर पहुंचा तो देखा कि दुकान की संकल टूटी पड़ी है। घटना की

जानकारी देते हुए उसने पुलिस को बताया कि बीती रात वह अपनी दुकान सही तरीके से बंद कर घर गया था। दुकान में रखी 20 किलो प्याज और 10 किलो लहसुन को चोर चुरा कर ले गए हैं । इस संबंध में उसने शिकायत करते हुए थाने में तहरीर दी है।

बाल स्वास्थ्य पोषण माह का दूसरा चरण 18 दिसंबर से

विटामिन ए की खुराक से बच्चों में बढ़ती है रोगों से लड़ने की क्षमता

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बाल स्वास्थ्य पोषण माह का दूसरा चरण 18 दिसंबर से शुरू हो रहा है। इस दौरान नौ माह से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई जाएगी। एकीकृत बाल विकास सेवा योजना (आईसीडीएस) और स्वास्थ्य विभाग इस अभियान को मिलकर अंजाम देंगे।

महानिदेशक (परिवार कल्याण) डा. उमाकांत द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भेजे गये पत्र में 18 दिसंबर से बाल स्वास्थ्य पोषण माह का दूसरा चरण शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। बाल स्वास्थ्य पोषण माह का पहला चरण जुलाई माह में आयोजित किया गया था।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनके गुप्ता ने बताया कि उप-केंद्रों पर विलेज हेल्थ एंड न्यूट्रीशियन डे (वीएचएसएनडी) के मौके पर एएनएम विटामिन ए की खुराक बच्चों को पिलाएंगी। विटामिन ए से जहां बच्चों की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है वहीं इसकी कमी से बच्चों में रतौंधी, खसरा और हड्डियों के कमजोर होने का डर रहता है।

उन्होंने बताया किबच्चे को विटामिन ए की खुराक देना टीकाकरण का ही हिस्सा है। इसका पहला चरण 3 जुलाई से 3 अगस्त तक सूबे के सभी जिलों में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों में विटामिन-ए की कवरेज बढ़ाना है। इस विशेष माह के दौरान सभी कुपोषित बच्चों का वजन किया जाएगा। कुपोषित बच्चों की पहचान के बाद उन्हें बेहतर पोषण देकर सुपोषित किया जाएगा।

साथ ही इस अभियान के दौरान टीकाकरण से छूटे बच्चों का टीकाकरण भी किया जाएगा। इसके साथ ही बच्चों के अभिभावकों को एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आयोडीन युक्त नमक का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी और बच्चों को रोगों से बचाने के लिए काउंसिलिंग करते हुए स्तनपान और ऊपरी आहार के संबंध में भी चर्चा करेंगी।

शासन से जनपद को मिले कार्यक्रम के मुताबिक आज (16 दिसंबर को) मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग और आईसीडीएस की बैठक होगी। इसके बाद 17 दिसंबर को ब्लॉक स्तर पर अभियान की तैयारी की समीक्षा बैठक होगी।

इस बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी एएनएम को अभियान के लिए प्रचार सामग्री के अलावा विटामिन ए की खुराक उपलब्ध हो गईं है या नहीं। 18 दिसंबर को बाल स्वास्थ्य पोषण माह का उदघाटन जिलाधिकारी या जन प्रतिनिधि के द्वारा किया जाएगा। बाल स्वास्थ्य एवं पोषण माह 18 जनवरी तक संचालित किया जाएगा और फिर 25 जनवरी, 2020 को शासन को रिपोर्ट दी जाएगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मिश्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मिश्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

Umasanka

विकास के लिए धर्म-जाति या पार्टी में पक्षपात नहीं किया : मुख्यमंत्री

● बोले- बगैर भेदभाव काम करने के कारण ही दूसरी पार्टी के लोग भी कर रहे समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पांच साल पूरी दिल्ली के लिए काम किया है। उसमें वोट देने या नहीं देने वाले भी शामिल है। वह चाहें किसी जाति, धर्म, आप, भाजपा व कांग्रेस या किसी अन्य पार्टी का हो। इसी कारण आज विपक्षी पार्टी के लोग भी आप को वोट दे रहे हैं। गत वर्षों में यही कमाया है। यह कहना है मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह बात रविवार को कैंट क्षेत्र में पानी की नई पाइप लाईन बिछाने की योजना का उद्घाटन अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि कई सारे इलाके हैं जहां पर पहले कम पानी आता था। अब वहीं पर ज्यादा पानी आने लगा है। कई सारे इलाके हैं। जहां पहले बिल्कुल पानी नहीं आता था। अब वहाँ पर गंगा का पानी पहुंचा है और कई इलाकों में अगले कुछ दिनों में पाइप लाइन डालने का काम शुरू हो जाएगा। जो बचे हुए इलाके हैं वहाँ पर भी पाइप लाइन डालने का काम शुरू हो गया है। उन लोगों को भी बहुत जल्द पीने के लिए गंगा का पानी मिलने लगेगा।

विकास कार्य कराने में कई फौज के अधिकरियों ने सहयोग किया। उनके सहयोग से यह सब संभव हो पाया। यह पूरा फौजी इलाका है और यहाँ पर काम करना बहुत मुश्किल होता। लेकिन कोई समस्या नहीं आई। यहाँ पर दो झुग्गी बस्ती है जहां पर किसी कारणवश बिजली का कनेक्शन नहीं दिये जा पा रहे थे। वे लोग बहुत दुखी थे। इक्कीशवीं सदी में किसी का भी बिना बिजली के काम नहीं चल सकता है। दिल्ली सरकार ने इसका समाधान निकाल लिया है और उन दोनों झुग्गियों में अब सरकार सौर ऊर्जा संयंत्रे लगवाने जा रही है। अगले कुछ दिनों में दोनों झुग्गियों सौर ऊर्जा से जगमग करने लगेंगे। आने वाले पाँच साल में यमुना को साफ करना है। उसकी योजना बना ली है।

कैंट क्षेत्र में पानी की नई पाइप लाइन बिछाने की योजना का उद्घाटन करते सीएम।

फौजियों को भी मिलेगी सस्ती बिजली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अनुसार उनकी सरकार ने 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त कर दी है और 400 यूनिट तक बिजली का इस्तेमाल करने पर 50 प्रतिशत कम शुल्क देना होता है। यह सुविधा कैंट क्षेत्र में नहीं मिल रही थी। लेकिन अब उसका भी समाधान निकाल लिया गया है। अगले कुछ दिनों के अदंर फौजयों को भी सस्ती बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी।

भ्रष्टाचार रोककर बचे पैसे से मुफ्त सुविधाएं

डीडीसी बसों में महिलाओं का सफर मुफ्त किया। आरोप लगाया कि केजरीवाल पैसे लूटा रहा है। वह विपक्षी पार्टियों को कहना चाहते हैं कि केजरीवाल आम लोगों पर पैसे लूटा रहा अपने ऊपर नहीं। अभी एक राज्य के मुख्यमंत्री ने निजी इस्तेमाल के लिए 190 करोड़ रुपये का हवाई जहाज खरीदा है। उन्होंने अपने लिए हवाई जहाज नहीं खरीदा। हमने अपने माँ बहनों के लिए बसों में सफर मुफ्त किया। फिजूलखर्जी और भ्रष्टाचार बंद कर दिया। उससे जो पैसा बचा उससे दिल्ली वालों को बिजली-पानी और महिलाओं के लिए सफर मुफ्त कर दिया।

भाजपा की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने अनाज मंडी का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। अनाज मंडी अग्निकांड के एक सप्ताह बाद प्रदेश भाजपा की फैक्ट फाईंडिंग कमेटी के सदस्यों ने इलाके का निरीक्षण किया। पूर्व न्यायधीश मूलचंद गर्ग, पूर्व लॉ सचिव पी के मल्होत्रा, पूर्व संयुक्त सचिव यशपाल चंद्र डांगे, पूर्व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भैरों सिंह गुर्जर व अन्य ने आसपास की सभी इमारतों में जाकर वहां चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही इलाके के लोगों के बयान दर्ज किए।

महापौर अवतार सिंह व निगम के नेता व अधिकारी, अपराध शाखा व मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष अर्जुन कुमार भी मौजूद थे। भाजपा का दावा है कि इस घटना के हर बिंदु पर जांच के बाद सच आम लोगों के सामने आएगा। घटना के लिए जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कोर्ट से सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी, कमेटी इसका प्रयास कर रही है।

हरदीप व मनोज तिवारी का आप पर हमला

● दिल्ली को सरकार के झूठे वादों से छुटकारा चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली विधानसभा चुनाव करीब आते ही चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई है। राजनीति दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। पुरी ने कहा कि अब दिल्ली वालों को केजरीवाल सरकार के झूठे और खोखले वादों से छुटकारा चाहिए। अब समय आ गया है कि करोड़ों के विज्ञापनों से हटकर जमीनी स्तर पर सभी इलाकों का विकास हो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक देने के फैसले से दिल्लीभर के अनधिकृत कालोनियों के निवासी 22 दिसंबर को रामलीला मैदान में पीएम मोदी को धन्यवाद देने पहुंचेंगे। इसी कड़ी में प्रदेश भाजपा ने दो विधानसभाओं महरौली और मुंडका में विशाल जनसभाओं का आयोजन किया। जिसको केंद्रीय मंत्री व दिल्ली चुनाव सहप्रभारी हरदीप सिंह पुरी, मनोज तिवारी एवं सांसद रमेश बिधूड़ी ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहले अपने घोषणापत्र में लोकलुभावन वादे करके और अब रोजाना नए-नए ऐलानों के जरिए दिल्ली वालों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन वह भूल गए हैं कि जो जनता सत्ता दिलाती है।

वही चुनावी वादे पूरे नहीं करने पर सत्ता से बाहर भी कर देती है। आने वाले विधानसभा चुनाव में ऐसा ही होने वाला है क्योंकि लोगों ने तय कर लिया है केजरीवाल सरकार को सबक सिखना है और भाजपा को जिताना है। इस बार राजधानी में विकास और प्रगति की भाजपा सरकार बनेगी। मनोज तिवारी के अनुसार भाजपा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए समर्पित है क्योंकि पार्टी उन लोगों की पीड़ा को समझती है और उनकी परेशानियों और पीड़ा को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा जो कहती है वो करती है चाहे जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाने की बात हो या अयोध्या में राम मंदिर पर फैसले की। भाजपा अपने वादे से नहीं हटी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने बहुत कोशिश की भाजपा सरकार द्वारा किए गए फैसलों को लोगों के सामने गलत ढ़ंग पेश करने की लेकिन ऐसा करने में वो असफल रहे।

फोटो: रंजन डिमरी

पूर्वोत्तर के छात्रों का प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वोत्तर राज्यों के विद्यार्थियों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम को संविधान विरोधी और क्षेत्र के मूल लोगों के लिए खतरा करार देते हुए रविवार को यहां जंतर मंतर पर उसके खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने नागरिकता अधिनियम को निरस्त करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि यह कानून 1985 की असम संधि की भावना के विरूद्ध है। दिल्ली विश्वविद्यालय के असम के एक विद्यार्थी ने कहा, हम कैग के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए यहां इकट्ठा हुए हैं क्योंकि यह क्षेत्र में मूल पहचान पर खतरा है।

वहीं दिल्ली आईआईटी के असम के जोरहाट के विद्यार्थी ऋतुपूर्णा कौशिक ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य दशकों से अवैध प्रवासन के मुद्दे से जूझ रहे हैं। उसने कहा, हमने 1971 तक अवैध प्रवासन को स्वीकार कर ही लिया। अब हम और इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते, हम सीमित संसाधन वाले गरीब राज्य हैं। यह कानून असमिया लोगों की पहचान पर खतरा उत्पन्न करता है।

विधानसभा की 12 सुरक्षित सीटों पर है भाजपा की नजर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की सत्ता से आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को बेदखल कर दो दशक बाद सत्ता में वापसी के कठिन लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास कर रही भाजपा 12 सुरक्षित सीटों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

दिल्ली भाजपा का अनुसूचित जाति मोर्चा अगले साल होने वाले चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं में पैठ बढ़ाने के मकसद से नवंबर से ही अलग-अलग अनुसूचित जातियों के साथ सामाजिक सम्मेलन कर रहा है।

दिल्ली भाजपा अनुसचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष मनोहर लाल गिहरा ने बताया, हम पहले ही वाल्मीकि, जाटव, खटीक, धनुक और मल्लाह सहित 13 अनुसूचित जातियों के साथ बैठक कर चुके हैं। आने वाले दिनों में कुछ और बैठकें करने की योजना है। दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी 1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर हुई थी और उन 20 सीटों पर प्रदर्शन दयनीय था जहां अनुसूचित जाति और मुस्लिम मतदाता नतीजे तय करते हैं। उन्होंने कहा, इन 20 सीटों में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, अम्बेडकर नगर, देवली, करोल बाग, पटेल नगर, गोकलपुर सहित 12 सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं जिनके नतीजों का असर विधानसभा चुनाव में भाजपा के जीतने की संभावनाओं पर पड़ेगा।

गिहरा ने कहा कि विभिन्न अनुसूचित जातियों ने उन तक पहुंचने के लिए भाजपा की पहल पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, अनुसूचित जाति के लोग सम्मान चाहते हैं जो हमने समाज में उनकी भूमिका स्वीकार करके और सामाजिक सम्मेलन करके दिया है। यह भी तथ्य है कि मोदी सरकार उज्ज्वला योजना और पीएम आवास योजना के अधिकांश लाभार्थी अनुसूचित समुदाय के सदस्य हैं। अनुसूचित जाति मोर्चा ने भाजपा के संबंध को मजबूत करने के लिए आरक्षित विस क्षेत्रों में स्वाभिमान सम्मेलन आयोजित किया।

अनशन के 13वें दिन मालीवाल हुई बेहोश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बलात्कारियों को छह महीने के भीतर मृत्युदंड की मांग को लेकर अनशन कर रहीं दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल रविवार सुबह बेहोश हो गईं जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मालीवाल की तबीयत शनिवार रात खराब होने पर चिकित्सकों ने उन्हें अस्पताल जाने की सलाह दी थी लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया था।

मालीवाल रविवार सुबह बेहोश हो गई जिसके बाद उन्हें एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया। दिल्ली महिला आयोग की एक सदस्य के अनुसार मालीवाल को शुरू में अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में ले जाया गया क्योंकि वह बेहोश थी। बाद में होश में आने पर मालीवाल ने चिकित्सकों को इंट्रावेनस फ्लूएड्स नहीं चढ़ाने दिया। उन्होंने बताया कि मालीवाल को एक विशेष वार्ड में स्थानांतरित किया गया जहां उन्हें इंट्रावेनस फ्लूएड्स चढ़ाया गया।

उनकी स्थिति स्थिर बताई गई है। उन्होंने बताया कि डीसीडब्ल्यू प्रमुख के समर्थक अस्पताल के बाहर जुटे हुए थे। मालीवाल करीब 10 दिनों से राजघाट के पास समता स्थल पर अनशन पर थीं।

मालीवाल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने को कहा कि दिशा विधेयक पूरे देश में लागू किया जाए जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों का निस्तारण 21 दिनों में करने और दोषियों को फांसी की सजा का प्रावधान है। हालांकि सरकार की तरफ से अभी तक उन्हें कोई आश्वसान नहीं मिला है।

जिंदा बच्चे को बताया मृत पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

नई दिल्ली। शालीमार बाग स्थित निजी अस्पताल में एक शिशु के जन्म के बाद गलती से उसे मृत घोषित किए जाने के मामले में लगभग दो वर्ष बाद दिल्ली पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट दायर की है।

अस्पताल द्वारा बच्चे को 30 नवंबर को उसके जन्म के बाद गलती से मृत घोषित किया गया था। बच्चे के माता पिता उसे मृत जानकर अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे तब उन्होंने पाया कि वह जीवित है। अपराध शाखा ने दिल्ली चिकित्सा परिषद से चिकित्सकीय राय मांगी थी। डीएमसी की जाँच के अनुसार किसी भी प्रकार की चिकित्सकीय लापरवाही सामने नहीं आई थी।

निर्भया की मौत के सात साल पूरे माता-पिता को न्याय का इंतजार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्भया की मौत को सात साल बीत गए लेकिन उसके माता-पिता को अब भी अपनी बेटी के लिए न्याय का इंतजार है। निर्भया कांड के बाद दिल्ली को रेप कैपिटल तक कहा जाने लगा लेकिन उसके माता-पिता का कहना है कि यह समस्या देशभर में है।

इस घटना की वजह से दिल्ली को लेकर उनके दिल में कोई नफरत नहीं है जहां उन्होंने अपनी बेटी को खोया। निर्भया की मां ने कहा, दिल्ली ने सबकुछ छीन लिया। लेकिन हम दिल्ली से नफरत नहीं कर सकते क्योंकि हमारे राज्य उत्तर प्रदेश में भी ऐसी घटनाएं देखी जा रही हैं। दुनिया में ऐसी कोई जगह नहीं जहां हम जा सकें और जहां ऐसी घटनाएं न होती हों। आप पूरी दुनिया से नफरत नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि वह उम्मीद और प्रार्थना करती हैं कि स्थिति में सुधार हो। बीते कुछ दिनों में उन्हें उम्मीद की किरण नजर आई है, खासतौर पर ऐसी खबरें आने से कि मामले के चारों दोषियों को जल्द ही फांसी दी जा सकती है।

निर्भया की मां ने कहा, हमें उम्मीद है। हम इसका इंतजार कर रहे हैं। जब तक हमें उनका (दोषियों) मृत्यु वारंट और तारीख नहीं मिल जाती तब तक यह आसान नहीं है। तमाम मुश्किलें झेलने के बावजूद 23 वर्षीय पैरामेडिकल छात्रा के माता-पिता ने भगवान पर भरोसा नहीं छोड़ा है। पीड़िता के पिता ने कहा, मैं बीते सात साल से कर्म में विश्वास रखता हूं। मेरे साथ भगवान है। मैंने उस पर भरोसा नहीं छोड़ा है। स्वाभाविक है कि ये सवाल भी पूछते हैं कि हमें इन सबका सामना क्यों करना पड़ रहा है?

दोषियों के परिवार को अब भी माफी की उम्मीद

नई दिल्ली। दोषियों को फांसी के फंदे पर जल्द से जल्द लटकाए जाने की मांग जहां जोर पकड़ रही है, वहीं एक दोषी की मां पीड़िता के साथ हुई भयावहता एवं निर्ममता पर तो बात नहीं करना चाहतीं, लेकिन अपने बेटे की सजा माफ होने की आस लगाए बैठी हैं। विनय शर्मा की मां ने कहा, मुझे विनय शर्मा की मां कहिए। आप लोग सब जानते हैं, मेरे पास कुछ कहने को नहीं है।

कोई हमारी याचिका प्राधिकारियों तक नहीं ले जाना चाहता। आप जो चाहे, वह लिख सकते हैं। कोई फर्क नहीं पड़ेगा। विनय की मां ने उम्मीद जताई कि उसके परिवार की अपील प्राधिकारियों तक पहुंचेगी और मृत्युदंड माफ कर दिया जाएगा। भाइयों राम सिंह और मुकेश सिंह की विधवा मां यहां रहेंगे अपना घर छोड़कर राजस्थान चली गई है, लेकिन विनय और पवन गुप्ता का परिवार अब भी यहीं झुग्गी बस्ती में रहता है। ऐसे में रविदास कॉलोनी में दोषियों के परिवारों के घर के बाहर मीडिया का तांता लगा है।

महिला सुरक्षा के लिए किए कई उपाय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महानगर में 2012 के निर्भया सामूहिक बलात्कार और हत्या मामले के बाद दिल्ली सरकार ने महिला सुरक्षा के लिए सीसीटीवी लगाने सहित कई उपाय किए हैं।

दिल्ली में करीब 1.3 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार की एक परियोजना के तहत 1.7 लाख और कैमरे लगाने की प्रक्रिया जारी है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में तीन लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग यह काम करेगा।

वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल में घोषणा की थी कि सरकार 5500 डीटीसी और क्लस्टर बसों में से प्रत्येक में तीन सीसीटीवी कैमरा, दस पैनिक बटन और जीपीएस लगाएगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं को सुरक्षित करने के उद्देश्य से ये उपाय किए जाएंगे।

'परख' ऐप को लांच करते पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक

द्वारका में कियोस्क की सुविधा

नई दिल्ली। आयुक्त अमूल्य पटनाक ने द्वारका उप नगर में पब्लिक फैसिलिटेशन कियोस्क का उद्घाटन किया। सामुदायिक पुलिसिंग वाहन में डिजिटल सत्यापन ऐप परख, नेबरहुड वॉच स्कीम सुविधाओं से लैस है। यह कियोस्क दिल्ली पुलिस के मुख्य सर्वर से जुड़ा है। सुविधाओं से लैस इस गाड़ी के आगे और पीछे सीसीटीवी/आईपी कैमरा लगे हैं। स्क्रीन पर पुलिस द्वारा शुरू की गई।

लोस में हारे आप प्रत्याशियों को मिलेगा विस टिकट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में हारे अपने चार प्रत्याशियों पर एक बार फिर आम आदमी पार्टी दांव लगाने जा रही है। इन उम्मीदवारों में पार्टी प्रवक्ता आतिशी भी शामिल हैं।

सूत्रों ने बताया कि पार्टी जहां एक तरफ 2015 के अपने ज्यादातर प्रत्याशियों को फिर से इन चुनावों में उतार सकती हैं, वहीं लोकसभा चुनाव लड़ चुके चार उम्मीदवारों को भी अगले साल की शुरुआत में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में उतारे जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में आगामी चुनावों में, युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं पार्टी के प्रवक्ता, राघव चढ्ढा दक्षिणी दिल्ली के कालकाजी या मध्य दिल्ली के राजेंद्र नगर से चुनाव लड़ सकते हैं। चढ्ढा दक्षिणी दिल्ली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

उन्होंने बताया कि पार्टी की एक अन्य प्रवक्ता और दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षा प्रणाली में क्रांति का श्रेय हासिल कर चुकी आतिशी को पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर या दक्षिणी दिल्ली के जंगपुरा से चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है। उन्होंने पूर्वी दिल्ली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इसके अलावा लोकसभा चुनाव में उत्तर पश्चिम सीट से लड़ चुके गुग्गन सिंह को बवाना से उतारा जा सकता है जबकि उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से आम चुनाल लड़ चुके दिलीप पांडे को तिमारपुर से टिकट दी जा सकती है।

हालांकि इन नामों पर पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है मगर प्रत्याशी अपने इलाकों में काफी सक्रिय है।

दिल्ली पुलिस के स्वच्छता पखवाड़े में एनजीओ व स्वयंसेवी सम्मानित

बच्चों को प्रोत्साहित करते उपराज्यपाल अनिल बैजल, साथ में अमूल्य पटनायक।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी जिला पुलिस द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा रविवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन उपराज्यपाल और दिल्ली पुलिस के कमिश्नर समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वच्छता अभियान से जुड़े स्वयंसेवियों को सम्मानित किया।

यह कार्यक्रम दिल्ली के पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक द्वारा भी निर्देशित किया गया था। दिल्ली पुलिस की सभी इकाइयों द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उन्होंने इस दौरान कहा कि सभी कार्यक्रमों में दिल्ली पुलिस के सभी कर्मियों की भागीदारी रही और पूरे अभियान को सफल बनाया, अब इसे आगे ले जाने की जरूरत है। राजधानी में लाल बहादुर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि और दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने अपने संबोधन में कहा कि यह वक्त स्वच्छता पर ध्यान देना का है। साथ ही उन्होंने लोगों को पानी बचाने के सुझाव दिए।

उन्होंने कहा कि लोगों को पानी की बर्बादी नहीं करनी चाहिए, बच्चों, घरों और स्कूलों में जल संरक्षण के महत्व को बताये जाने की जरूरत है।

वहीं पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय सचिव परमेस्वरन अय्यर ने कहा कि स्वछता एक दिन की बात नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन में व्यक्तियों को आदत के रूप में अपनाना चाहिए।

सड़क हादसों के पीछे यातायात प्रबंधन में तकनीकी खामी

दिल्ली में ट्रैफिक की बिगड़ती स्थिति पर संसदीय समिति की रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

0यातायात व्यवस्था की बदहाली और इस कारण होने वाले हादसों के पीछे सड़कों की डिजाइन में खामी तथा यातायात प्रबंधन में तकनीक का अपर्याप्त इस्तेमाल मुख्य वजह है।

दिल्ली में यातायात की बिगड़ती स्थिति पर संसदीय समिति की रिपोर्ट में इस बात को उजागर किया गया है कि दिल्ली में न तो अभी तक तकनीक आधारित यातायात प्रबंधन की क्षमता हासिल की जा सकी है और न ही पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत यातायात प्रबंधन को लागू किया गया।

इस सप्ताह समाप्त हुए संसद के शीतकालीन सत्र में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में यातायात प्रबंधन क्षमता की दयनीय स्थिति ने यातायात की समस्या को गहरा दिया है। समिति ने केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) सहित अन्य संगठनों से प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर दिल्ली की बदहाल यातायात व्यवस्था के कारणों और प्रभावों का जिक्र करते हुए कहा कि अपर्याप्त तकनीक के इस्तेमाल के कारण सड़कों पर यातायात दबाव के मुताबिक ट्रैफिक सिग्नल का समय भी निर्धारित नहीं किया गया है जिसके कारण सड़कों पर यातायात वितरण भी असमान है। समिति ने इसकी वजह कंप्यूटर आधारित प्रणाली के माध्यम से प्रभावी तकनीक के न होने को वजह बताते हुए कहा है कि इससे भी यातायात की समस्याओं में इजाफा हुआ है।

सीआरआरआई के अनुसार दिल्ली में कुल 3300 किमी सड़कों का जाल है, जो कि दिल्ली के 21 प्रतिशत क्षेत्रफल के बराबर है। साथ ही प्रति 100 वर्ग किमी क्षेत्रफल में 1794 किमी सड़कों की मौजूदगी के कारण दिल्ली देश के सबसे सघन सड़क नेटवर्क वाला शहर है।

हालांकि दिल्ली में वाहनों की बढ़ती संख्या के मुताबिक सड़कों के विस्तार की धीमी गति के कारण सड़कों पर वाहनों का अत्यधिक बोझ है। समिति ने सीआरआरआई के एक अध्ययन के हवाले से कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर ट्रैफिक जाम अब दिल्ली वालों की जिंदगी का हिस्सा बन गया है और इसने जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित किया है। गत 22 अक्टूबर को समिति की बैठक में सीआरआरआई की ओर से बताया गया कि व्यस्त घंटों में दिल्ली की मुख्य सड़कों पर वाहनों की औसत गति पांच से 10 किमी प्रति घंटा रह गई है। इससे न सिर्फ समय की बर्बादी होने से मानव श्रम की क्षति होती है बल्कि ईंधन की बर्बादी से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है।

समिति ने दिल्ली की यातायात व्यवस्था पर आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय समिति के हवाले से सड़कों के डिजाइन को तकनीकी खामियों वाला बताया है। इसे सड़क सुरक्षा के लिहाज से गंभीर बताते हुए समिति ने सड़कों की डिजाइन में खामियों के कारण सड़क हादसों में देशव्यापी स्तर पर इजाफे के मद्देनजर सरकार से इसे तत्काल दुरुस्त करने की जरूरत पर बल दिया है।

छोटे वाहनों के लिए बने अलग लेन

समिति ने दिल्ली की सड़कों पर दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन और साइकिल एवं रिक्शा सहित अन्य गैर मोटर वाहनों की अधिकता को देखते हुए विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए पृथक लेन बनाने की भी सिफारिश की है। साथ ही समिति ने लुटियन दिल्ली में महत्वपूर्ण व्यक्तियों के आवागमन के लिए पृथक लेन की जरूरत पर बल देते हुए कहा, लुटियन क्षेत्र में अधिकांश महत्वपूर्ण व्यक्ति निवास करते हैं, लेकिन इस क्षेत्र में सुगम यातायात के लिए अलग लेन का कोई प्रावधान नहीं है जिसके कारण ट्रैफिक जाम हो जाता है जिससे इनकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। समिति ने इसके मद्देनजर सिफारिश की है कि गृह मंत्रालय को दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए ।

बगावत के जुर्म में अंग्रेजों ने अब्बू सिंह को दी फांसी, शव तक नहीं दिया

सोहना के पहाड़ पर 16 दिसम्बर 1857 को दी गई थी फांसी

156 वर्ष के बाद रखी गई थी स्मारक की आधारशिला

पुण्यतिथि पर विशेष

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव बोहड़ाकलां में शहीद अब्बू सिंह की प्रतिमा पर उनके हाथ से गायब है खड़ग।

जांबाजी के लिए राजपूत योद्धा 1857 के शहीद ठाकुर अब्बू सिंह का नाम ही काफी है। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ खुलकर बगावत की थी। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ मिलकर उन्होंने 1857 में अंग्रेजी हुकूमत के दांत खट्टे किये थे। सोमवार को उनकी 162वीं पुण्यतिथि है। गुरुग्राम जिला के सबसे बड़े गांव बोहड़ाकलां में जन्में अब्बू सिंह बचपन से ही क्रांतिकारी की तरह सक्रिय रहते थे। उनमें अंग्रेजी हुकूमत से आजादी का जज्बा कुट-कुट कर भरा हुआ था। ठाकुर अब्बू सिंह का विवाह राठौवास ठेठर की झिम्माबाई के साथ हुआ था। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ 1857 में अब्बू सिंह ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ाये। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफबगावत के जुर्म के आरोप का मुकदमें में फांसी की सजा सुना दी गई। अंग्रेजी हुकूमत से बगावत के जुर्म में मजिस्ट्रेट लार्ड क्रिनिंग की अदालत के निर्देश पर विलियम फोर्ट मजिस्ट्रेट के सामने सोहना के पहाड़ पर सरेआम 16 दिसम्बर 1857 में ठाकुर अब्बू सिंह को फांसी दी गई। फांसी के बाद अब्बू सिंह का शव भी परिजनों को नहीं सौंपा गया था। गांव बिनौला में ठाकुर अब्बू सिंह की जमीन को अंग्रेजी हुकूमत ने जब्त कर लिया और फांसी दिए जाने के करीब आठ साल बाद अंग्रेजी हुकूमत ने जमीन को नीलाम कर दिया।

मंथन जन सेवा समिति ने बनवाया शहीद स्मारक

शहीद अब्बू सिंह के वशंज देशराज के देहावसान के बाद में मंथन जन सेवा समिति के अध्यक्ष आरपी सिंह चौहान ने अब्बू सिंह के शहीद स्मारक बनवाने के साथ ही प्रतिमा, सरकार के द्वारा उपलब्ध कराई गई जमीन पर स्थापित करने का बीड़ा उठाया। स्मारक का शिलान्यास पूर्व मंत्री आफताब अहमद के हाथों कराया गया। मंथन जन सेवा समिति ने अपने संसाधनों सहित समाज के सहयोग से वर्ष 2014 में शहीद अब्बू सिंह की प्रतिमा स्थापित करके राजपूताना शौर्य, जीवट, राष्ट्रभक्ति सहित स्वयं के बलिदान के गौरव को पुन: जिंदा कर दिखाया। तमाम राजनेताओं, सरकार और राष्ट्रप्रेमियों के साथ-साथ शहीदों के सम्मान की हितकारी संस्थाओं के सामने शहीदों के सम्मान की चुनौती भी है कि अहीरवाल में आखिर राजपूत शहीद अब्बू सिंह की उपेक्षा क्यों होती आ रही है।

शहीद अब्बू सिंह की प्रतिमा से खड़ग गायब

इतने लंबे अंतराल के बाद एक तो किसी ने उनकी प्रतिमा बनवाने का बीड़ा उठाया और बेहतरीन प्रतिमा बनवाकर शहीद स्मारक का निर्माण कराया। अब शरारती तत्वों ने इस प्रतिमा को क्षति पहुंचाई है। शहीद अब्बू सिंह के घोड़े पर बैठे की इस प्रतिमा में से शहीद अब्बू सिंह के हाथ से खड़ग गायब है। यानी उसे किसी ने तोड़ दिया है। यह शहीद का अपमान है। क्षेत्र के लोगों में इससे रोष भी है।

शहीद स्मारक में नहीं दिखाई किसी ने दिलचस्पी

बोहड़ाकला में बिनौला के सबसे बड़े बिस्वेदार रहे अब्बू सिंह की पांचवीं पीढ़ी के वंशज ठाकुर देशराज ने अपने जीते जी शहीद अब्बू सिंह के स्मारक के लिए देश के पीएम रहे वीपी सिंह से लेकर हालिया राजनेताओं सहित शासन-प्रशासन की चौखट पर गुहार लगाई। लेकिन किसी ने भी यहां स्मारक का निर्माण नहीं कराया। अब्बू सिंह के शहीद स्मारक की तमाम फाईलें धूल के गर्त और आश्वासनों के बोझ तले दबकर दम तोड़ चुकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहगीरी कार्यक्रम में दिया बिजली बचाओ का संदेश

नूंह। पुलिस व जिला प्रशासन द्वारा रविवार को तावडू में राहगीरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें में तावडू, सोहना के विधायक कंवर संजय सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक संजय सिंह ने कहा कि प्रशासन आम आदमी को जोड़ने के लिए राहगीरी कार्यक्रम का आयोजन पुलिस विभाग के माध्यम से जिले में करवाए जाते हैं । जिससे समाज व प्रशासन एक दूसरे को समझ सकें और इसमें सांस्कृतिक वह अन्य खेल और मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित हो सकें। कार्यक्रम में बड़े बूढ़े और बच्चों ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य पुलिस व आम आदमी के बीच बढ़ती दूरियों को कम करना है। इस तरह के कार्यक्रम का मकसद एक तरफ लोगों को किसी सामाजिक मुद्दे पर जागरुक करना है। वहीं इस मौके पर विधायक कंवर संजय सिंह ने लोगों को बिजली बचाने का भी संदेश दिया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बच्चे मोबाइल का कम इस्तेमाल करें और अपनी पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दें।

सड़क हादसे में युवक की मौत

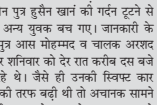

नूंह। नूंह जिले के गांव चांदड़ाका के समीप फिरोजपुर-पुन्हाना सड़क पर शनिवार की रात करीब दस बजे नीलगाय को बचाने के चक्कर में एक स्विफ्ट कार का संतुलन बिगड़ गया, जिसके कारण कार सड़क से उतर कर गड्ढों में जा गिरी। जिसमें निजामुद्दीन पुत्र हुसैन खां की गर्दन टूटने से मौत हो गई। जबकि चालक व एक अन्य युवक बच गए। जानकारी के अनुसार मृतक निजामुददीन, इरफान पुत्र आस मोहम्मद व चालक अरशद पुत्र रुजदार स्विफ्ट कार में सवार होकर शनिवार को देर रात करीब दस बजे चांदडाका से पुन्हाना की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी स्विफ्ट कार चांदडाका से कुछ ही दूरी पर पुन्हाना की तरफ बढ़ी थी तो अचानक सामने से एक नीलगाय आ गई। चालक ने नील गाय से कार को बचाना चाहा तो कार असंतुलित होकर सड़क से उतर कर गड्ढों में जा गिरी। हादसे में कार में सवार निजामुददीन निवासी डूंगेजा ने दम तोड़ दिया। रात्रि को गस्त में घूम रही चांदडाका चौकी की पीसीआर भी आनन फानन में घटना स्थल पर पहुंच गई, जिसके बाद पुलिस ने मृतक व चोटिलों को मांडीखेड़ा अस्पताल भिजवाया। वहीं चांदडाका चौकी ईचार्ज जितेंद्र ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के हवाले कर दिया है, मामला दर्ज कर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

यादव सभा की बैठक में हुई कार्यकारिणी गठन पर चर्चा

पलवल। शिव कॉलोनी में रविवार को यादव सभा की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उदयबीर यादव व सुरेश यादव ने की। इसमें जिसमें आगामी वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी के गठन पर विचार-विमर्श किया। बैठक में समाज को राजनैतिक व सामाजिक तौर पर जागरूक होने का आह्वान किया। समाज में फैली सामाजिक कुरीतियों व बुराईयों को जड़ से खत्म करने के लिए विचार विमर्श किया गया। उपस्थित लोगों ने समाजहित में कार्य करने, गरीब असहाय परिवार के लड़कियों की शादी, उनकी समस्याओं का निदान व शहर में समाज हित में कार्य करने का निर्णय लिया। बैठक में मुख्य रूप से अशोक यादव, अजय यादव, पृथ्वी सिंह यादव, सुरेंद्र यादव, राजेंद्र यादव, देवेंद्र यादव, बिट्टू यादव, चंद्रपाल यादव, प्रवेंद्र कुमार यादव तथा नवाब सिंह मौजूद थे।

लोक अदालतों में न किसी की जीत होती न किसी की हार

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी ने कहा कि लोक अदालतों में लोगों को सस्ता व शीघ्र न्याय मिल जाता है। लोक अदालत में लिये गये फैसले में न किसी की जीत होती न किसी की हार। यह बात उन्होंने यहां जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से लगाई गई राष्ट्रीय लोक अदालत में कही। उन्होंने कहा कि लोक अदालतों में दोनों पक्षों की रजामंदी से फैसला लिया जाता है। इस कारण लोक अदालतें लोगों के समय और धन की बचत करने की दिशा में कारगर साबित हो रही हैं। इसके साथ-साथ समाज में भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के 6130 मामले समाधान के लिए रखे गये, जिनमें से 3726 मामलों का निपटारा किया गया। विभिन्न मामलों में 146338573 रुपये की राशि का सैटलमेंट किया गया। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के अनुसार जिला मुख्यालय पर इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक विवादों का निपटारा करने के लिए गुरुग्राम जिला के सभी न्यायालयों में लोक अदालत लगाई गई।

राहगिरी : गुरुग्रामवासियों ने सर्दी में पसीना बहाकर उठाया लुत्फ

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में रविवार की सुबह जब लोग अपने बिस्तर से उठने को तैयार नहीं थे, उस दौरान सैकड़ों बच्चे और बड़े सर्दी को बाय-बाय करके राहगिरी कार्यक्रम में सड़कों पर पहुंच चुके थे। बड़ों ने एक्सरसाइज के जरिये खुद को फिट रखने का प्रयास शुरू किया तो बच्चों ने ऊर्जा की बचत पर पेंटिंग प्रतियोगिता में अपने दिमाग का कमाल दिखाया। इस बार राहगिरी की थीम भी रही-ऊर्जा बचाओ देश बचाओ।जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किया गया राहगीरी कार्यक्रम रविवार की सुबह तनावमुक्त माहौल प्रदान करते हुए लोगों में नई ऊर्जा का संचार कर गया। सेक्टर 4/7 चौक पर आयोजित राहगीरी कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों व महिलाओं की सराहनीय भागीदारी रही। लोगों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए राहगीरी कार्यक्रम स्थल पर बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसके अलावा राहगीरी कार्यक्रम में बच्चों ने ऊर्जा संरक्षण पर आधारित नाट्य प्रस्तुति भी दर्शकों के समक्ष की जिसे सभी लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में बच्चों ने साइकिलिंग करते हुए भी भरपूर मौज मस्ती की। राहगीरी कार्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण पर आधारित रैली व मैराथन भी करवाई गई। लोगों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए आज नवीं एवं नवीनीकरण ऊर्जा विभाग द्वारा मंच के आसपास ऊर्जा संरक्षण व सोलर पैनल लगवाने संबंधी जानकारी के स्टैंडी लगाए गए थे।

नगर निगम आपके द्वार कार्यक्रम में सुनीं गईं जन समस्याएं

गुरुग्राम। नगर निगम आपके द्वार कार्यक्रम के तहत रविवार को नगर निगम अधिकारी चार वार्डों में पहुंचे। इन कार्यक्रमों में गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद ने शिरकत की। निगम पार्षदों की मौजूदगी में निगम अधिकारियों ने वार्ड निवासियों से शिकायतों के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्राप्त शिकायतों का समाधान सप्ताह के बाकी दिनों में किया जाएगा।

वार्ड नम्बर-4 में निगम पार्षद वीरेंद्र राज यादव की मौजूदगी में सयुंक्त आयुक्त गौरव अंतिल ने, वार्ड नम्बर-24 में निगम पार्षद सुनील कुमार की मौजूदगी में संयुक्त आयुक्त मुकेश सोलंकी ने, वार्ड नम्बर-26 में निगम पार्षद प्रवीणलता की मौजूदगी में अतिरिक्त निगमायुक्त सुरेंद्र सिंह ने तथा वार्ड नम्बर-31 में निगम पार्षद कुलदीप बोहरा की मौजूदगी में अधीक्षक अभियंता सत्यवान शर्मा ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान बारे निर्देश दिए। इस अवसर पर मेयर ने कहा कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं के समाधान बारे एक दिसम्बर से 25 जनवरी तक प्रत्येक रविवार को वार्ड वाइज अभियान चल रहा है। रविवार को चार वार्डों की समस्याएं प्राप्त करके सप्ताह के बाकी दिनों में उनका समाधान करने के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा जल्द हल हो सकने वाली समस्याओं का तुरन्त समाधान किया जाएगा, जबकि समय लगने वाले कार्यों बारे एस्टीमेट आदि तैयार करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से करें। नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं तुरन्त मुहैया करवाएं।

बाल भवन के निर्माणाधीन भवनों की जांच कर सकता है एचआरडी मंत्रालय

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

नूंह में निर्माणाधीन बाल भवन के तीन भवनों की कार्यप्रगति और गुणवत्ता की जांच मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एचआरडी मिनिस्ट्री) द्वारा की जा सकती है। दरअसल, इन तीनों भवनों का निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि से लेट चल रहा है। हाल ही में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर जिला उपायुक्त पंकज कुमार को भी एक अधिकारी ने शिकायत की थी। जिले से संबद्ध एक स्वयंसेवी संगठन ने 17 दिसंबर को हरियाणा भवन दिल्ली में होने वाली प्रेस वार्ता में यह मुद्दा उठाने की बात कही है। शिकायतकर्ता इसकी जांच एचआरडी मिनिस्ट्री के किसी बड़े अधिकारी से कराने की मांग करेंगे।

1.5 करोड़ का ठेका हुआ रिलीज

नूंह जिले में विभिन्न स्तर पर बच्चों में सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बाल भवन की तीन बिल्डिंग बनाई जा रही है। राज्य सरकार ने इनके निर्माण के लिए 1.5 करोड़ रुपए का बजट पास किया था। इसका ठेका गुप्ता कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया है। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि ठेकेदार इन दिनों बीमार चल रहे हैं, इसीलिए वे साइट पर आ नहीं पा रहे हैं। इसका फायदा ठेकेदार के अधीन कार्यरत कारिंदे उठाने का प्रयास कर रहे हैं। जिला उपायुक्त पंकज कुमार को जब शिकायत दी गई थी, तब उन्हें न केवल भवन निर्माण में देरी की बात कही गई थी, बल्कि निर्माण सामग्री लगाने में लापरवाही बरतने का भी आरोप लगाया था।

परिषद महासचिव के समक्ष भी रखी शिकायत

शनिवार को गुरुग्राम के लोक निर्माण विश्राम गृह में आयोजित प्रेस वार्ता में बाल भवन की निर्माणाधीन भवन की जांच कराए जाने की मांग एक पत्रकार द्वारा रखी गई थी। हालांकि यह प्रेस वार्ता प्रदेश भर में 19 से 23 दिसंबर तक होने वाले राज्य स्तरीय बाल महोत्सव की तैयारियों को लेकर आयोजित की गई थी। प्रेस वार्ता में जिस वक्त हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के मानद महासचिव कृष्ण दुल महोत्सव के संबंध में अपनी बात रख रहे थे, तब एक पत्रकार द्वारा सवाल किए जाने पर उन्होंने लिखित शिकायत मांगी, ताकि पूरे मामले की गहराई से जांच पड़ताल की जिम्मेदारी सौंपी जा सके।

> “ **नूंह** जब से जिला बना है, तब से यहां बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं। सरकार का उद्देश्य यहां शिक्षा, रोजगार व कौशल विकास को बढ़ावा देने का है, ताकि मेवात क्षेत्र मुख्यधारा में आकर हरियाणा मे समग्र विकास का भागीदार बनें। नूंह, पिनगवां और फिरोजपुर झिरका में बाल भवन की तीन ईमारतों का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसे लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन जगभूषण देख रहे हैं। मुझे अलग-अलग समय पर स्थानीय पत्रकारों द्वारा ही शिकायत दी गई थी। मैंने स्वयं संज्ञान लेकर निर्माणाधीन भवनों का निरीक्षण भी किया था, तब सबकुछ ठीक चल रहा था। ज्यादा जानकारी एक्सईएन जगभूषण ही दे सकते हैं। ”
>
> **कमलेश शास्त्री, जिला बाल कल्याण अधिकारी।**

बेबी शो में रैंप पर थिरके नन्हे मुन्ने

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एयरफोर्स रोड स्थित मॉडर्न एपी कान्वेंट स्कूल में बेबी शो का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अग्रवाल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य आरएस गोयल मुख्य अतिथि थे।

स्व. लाला श्याम सुंदर अग्रवाल की स्मृति में हर वर्ष की भांति आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के चेयरमैन नरेश अग्रवाल ने की।

स्कूल के को-चेयरमैन मनीष अग्रवाल ने बताया कि बेबी शो का आयोजन इसीलिए किया जाता है, ताकि बच्चे शुरुआत से ही स्वयं के भीतर दृढ़ता का भाव पैदा करें। कई मनोरंजक प्रतियोगिताएं में भी बच्चों ने हिस्सा लिया। इनमें स्पून रेस, कॉमेडी, चेयर रेस आदि शामिल रही। स्कूल की प्रबंधक राधा ने पूरे इवेंट की जिम्मेदारी बखूबी निभाई।

सीएनडी वेस्ट प्लांट का संचालन हुआ तेज

300 टन प्रतिदिन की क्षमता को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जाएगा 1500 टन प्रतिदिन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव बसई के पास लगा सीएनडी वेस्ट प्लांट।

गुरुग्राम में निर्माण एवं तोड़फोड़ (सीएंडडी) कचरे की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा बसई में सीएंडडी वेस्ट प्रबंधन का कार्य तेजी से चल रहा है। प्लांट के संचालन के बारे में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सहमति दी जा चुकी है।

बसई में प्रतिदिन 300 टन सीएंडडी वेस्ट निस्तारण क्षमता का प्लांट चल रहा है, जिसे जरूरत अनुसार 1500 टन प्रतिदिन क्षमता तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आईएलएंडएफएस द्वारा संचालित इस प्लांट में सीएंडडी वेस्ट से टाइल, कंक्रीट सहित अन्य निर्माण सामग्री बनाने की व्यवस्था है। इसके अलावा बसई रोड स्थित ऑटो मार्किट साइट पर पड़े सीएंडडी वेस्ट के निस्तारण के लिए 200-200 टन प्रतिदिन क्षमता की दो मोबाइल यूनिट स्थापित की जाएंगी, जो उसी स्थान पर मलबे का निस्तारण करेंगी।

घर-घर से मलबा उठाने की व्यवस्था

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त एवं जिला उपायुक्त अमित खत्री ने बताया कि नगर निगम द्वारा घरों से मलबा एकत्रित करने के लिए दो एजेंसियों को इम्पैनल किया गया है। कोई भी व्यक्ति मोबाइल नम्बर 9466726263 तथा 7005674475 पर कॉल करके मलबे को उठवा सकता है। मलबा उठान के लिए नगर निगम द्वारा दरें निर्धारित की गई हैं। गुरुग्राम में मलबा डंपिंग के लिए 15 स्थान निर्धारित किए गए हैं, जिनकी सूची गूगल कॉर्डिनेट्स सहित नगर निगम गुरुग्राम की वेबसाइट पर उपलब्ध है। निर्धारित स्थानों के अलावा अन्य किसी स्थान पर मलबा डालना दण्डनीय अपराध है और उल्लंघन करने वालों के वाहनों को जब्त करके उनके खिलाफ विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अपहरण व हत्या के प्रयास के आरोपियों को उम्रकैद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

युवक का अपहरण कर गोली मारकर घायल कर देने व 50 हजार रुपए की फिरौती मांगने के मामले की सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अश्विनी कुमार की अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद व डेढ़ लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार 17 मई 2018 को टिहरी गढ़वाल के उपेंद्र सिंह ने सेक्टर-18 पुलिस थाना को शिकायत दी थी कि उसका भतीजा प्रदीप एमजी रोड स्थित एक होटल में नौकरी करता है। देर रात वह कैब में सवार होकर सेक्टर 10 स्थित अपने आवास के लिए चला था। इसी दौरान उसे फोन पर कॉल आई कि प्रदीप को बचाना है तो 50 हजार रुपए लेकर महाराणा प्रताप चौक आ जाओ, नहीं तो उसे मार देंगे। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसने किसी तरह से 20 हजार रुपए का इंतजाम कर लिया था। युवकों द्वारा पैसा लेने की जगह बदली गई। आखिर में हीरो होण्डा चौक पर 20 हजार रुपए लेकर बदमाशों ने उपेंद्र से कहा कि प्रदीप के पैर में गोली मारकर भौंडसी क्षेत्र में फेंक दिया है। पुलिस ने घायल युवक को वहां से तलाश कर अस्पताल में भर्ती कराया था और अज्ञात आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इस मामले के आरोपी किसी अन्य मामले में पुलिस द्वारा पकड़े गए थे। उन्होंने पूछताछ में इस घटना का भी खुलासा किया था। सेक्टर 18 थाना पुलिस ने अदालत से दोनों आरोपियों के प्रोडक्शन वांरट लेकर उनसे गहन पूछताछ भी की थी। इन आरोपियों की पहचान यूपी मूल के मऊ क्षेत्र के अजय उर्फ श्याम देव व दिल्ली रोहिणी के अमित राणा उर्फ मीता के रूप में हुई थी।

फर्रूखनगर की हवेली में तांत्रिक क्रिया देख पुलिस हुई दंग

पुलिस ने सूचना मिलने पर मौके पर की जांच

हवेली के अंदर से विभिन्न तरह का तांत्रिक क्रिया का सामान बरामद

पायांनयर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के खंड फर्रूकनगर में भूतले ही हवेली में हो रही तांत्रिक क्रिया की सूचना पर जांच करने पहुंची पुलिस व हवेली का दृश्य।

जिला के खंड फर्रूखनगर के वार्ड तीन के मध्य एक विरान पड़ी और खंडहर हो चुकी भूतले की हवेली में तांत्रिक क्रिया की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि पिछले तीन-चार दिनों से आगजनी से उठ रही दुर्गंध से स्थानीय लोगों में भय व्याप्त था। इस सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मुआयना किया तो वहां की हालत देखकर पुलिस भी दंग रह गई।

थाना प्रभारी ने कहा कि हवेली पर नजर रखी जायेगी, ताकि कोई इस तरह का काम ना कर सके। फर्रूखनगर में भूतले की हवेली में दर्जन भर गहरे गड्ढे खुदे मिले। तांत्रिक क्रिया के दौरान की गई पूजा-अर्चना के अवशेष और दो कमरों में आग लगी हुई थी। जैसे ही क्षेत्र के लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में यह सब देखा तो वे हैरान रह गये।

पुलिस ने खंडहर हवेली के मालिकों से सम्पर्क करके पानी की व्यवस्था करके आग पर काबू पाया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है कि आखिर कौन व्यक्ति है जो इस तरह का कृत्य कर रहा है। चर्चा है कि जमीन में गड्ढे धन की लालसा में इस प्रकार की घटना को अंजाम दे रहे हैं।

क्या कहते हैं क्षेत्र के लोग

स्थानीय निवासी मांगेराम सैनी, बीरबल, अजय कुमार, नरेश कुमार, जितेंद्र यादव आदि का कहना है कि पिछले चार दिनों से विरान खंडर भूतले की हवेली से मांस के जलने की तेज दुर्गंध आ रही थी। जिसके कारण लोगों का जीना दुभर हो रहा था। विरान हवेली में बंदरों का जमावड़ा होने के कारण किसी ने अंदर जाने का साहस नहीं जुटाया। मामले की पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो देख कर दंग रह गई कि किसी अज्ञात व्यक्तियों ने हवेली में धन होने की आशंका के कारण धन निकालने के लिए न केवल गहरे गड्ढे खोद रखे है। बल्कि वहां धूप, अगरबती, दीपक, चाकू, घी आदि तांत्रिक क्रिया की सामग्री के अवशेष पड़े है। हवेली के कमरों में लग रही आग से निकल रही दुर्गंध कारण वहां ठहर पाना भी मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने दो दिन की मसक के बाद आग पर काबू पाया और बुझी हुई राख की गहनता से जांच की गई।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

थाना प्रभारी राव राजेंद्र सिंह कौंसलिया का कहना है कि हवेली काफी खंडहर व डेंजर भी है। उसमें की गई खुदाई से प्रतीत होता है कि किसी ने गड्ढे कर रखे हैं। आग को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बुझा दिया है। हवेली में किसी प्रकार की तांत्रिक क्रिया न हो इसके लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।

महिलाओं ने मटका दौड़ पुरुषों ने खेला गुल्ली-डंडा

राहगीरी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव की अनाज मंडी में सुबह आयोजित राहगीरी कार्यक्रम की थीम ऊर्जा संरक्षण रही, जिसमें तीन हजार से अधिक लोगों को बिजली निगम के अधिकारियों ने ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इसमें अनेक खेलकूद गतिविधियां रस्साकशी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कबड्डी, गुल्ली-डंडा, नींबू-चम्मच रेस, मटका रेस, रन फॉर फन आदि का आयोजन किया गया।

राहगीरी में मुख्य अतिथित एवं भाजपा विधायक राजेश नागर ने भी लोगों को संदेश देते हुए स्वयं साइकिलिंग की। विधायक नागर ने कहा कि राहगीरी वास्तव में लोगों की सेहत और समाज में बदलाव का आधार बन सकता है। लोगों को इसमें भागीदारी करनी चाहिए। राहगीरी लोगों को एक दूसरे के नजदीक लाने और अपनी सेहत के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े आयोजन में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की देख-रेख में सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी का मिलना सरकार के जनता के द्वार आने जैसा है। जिसका लाभ लोगों को उठाना चाहिए। लोगों में विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए उत्साह देखते ही बनता था। कईयों ने खेल प्रतियोगिताओं में स्वयं हिस्सा लिया और बहुतेरों ने उनका हौसला बढ़ाया। राहगीरी में ग्रामीण महिलाओं की भी खासी भागेदारी रही। कुछ महिलाओं ने घूंघट की ओट से प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। बिजली निगम की ओर से सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को एलईडी के बल्ब उपहार स्वरूप दिए गए।

लोगों को सर्दियों में जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए पुराने कपड़े एकत्रित किए गए और लोगों को रक्तदान के बारे में भी जागरूक किया गया। राहगीरी के नोडल अधिकारी एवं पुलिस उपायुक्त एनआईटी डॉ. अर्पित जैन के अलावा नगराधीश बलिना राणा, एसीपी सेंट्रल महेंद्र वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी सतिंदर कौर, एसई बिजली निगम प्रदीप चौहान सहित अनेक अधिकारी व अनेक गांवों के सरपंच भी मौजूद रहे।

अज्ञात लोगों ने रंजिशन दो कारों को आग लगाई

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

यहां के आर्य नगर स्थित सामुदायिक भवन के पास खड़ी दो कारों को अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया। पीड़ित व्यक्ति ने मौके पर पहुंच कर किसी तरह आग को बुझाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना शहर में दर्ज मामले के मुताबिक आर्य नगर निवासी संचित कुमार शर्मा ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह अपनी कार घर के पास स्थित सामुदायिक भवन के पास खाली मैदान में खड़ी करता है। 12 दिसंबर को उसने अपनी कार को सामुदायिक भवन के पास मैदान में खड़ा कर दिया था। दो दिन कोई काम नहीं होने पर कार वहीं पर खड़ी थी। शनिवार की रात वह अपने घर सोया हुआ था, तभी पड़ोसियों ने कार में आग लगी होने की सूचना दी। सूचना पाकर वह कार के पास पहुंचा और पानी डालकर आग बुझानी शुरू कर दी। उनकी कार के पास पड़ोसी सचिन की कार भी खड़ी हुई थी। उस कार में भी ड्राइवर साइड की ओर आग लगी थी। दोनों कारों में लगी आग पर पानी डालकर उसे बुझा दिया गया। आरोप है कि किसी ने रंजिश के कारण दोनों कारों में आग लगाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन साल से जवाब नहीं, 2020 में सुनवाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

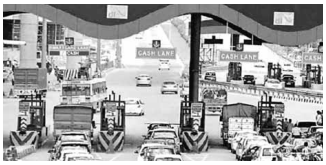

नगर निगम ने मेट्रो स्टेशन, टोल प्लाजा व नवनिर्मित सिक्स लेन हाईवे में पानी निकासी की क्या सुविधा है, पेयजल के कितने कनेक्शन लिए हुए हैं और नए बने पुल व बिल्डिंग के कंपलीशन के दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी के लिए गत 2017 में 'एक संघर्ष संस्था' के अध्यक्ष अजय बहल ने एक आरटीआई लगाई थी, लेकिन नगर निगम द्वारा तीन साल बाद भी इसकी डिटेल उपलब्ध नहीं कराई गई। इसलिए राज्य सूचना आयोग ने 22 नवंबर को नगर निगम को नए निर्देश जारी किए, जिस पर गत छह दिसंबर को एक बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें फिर कुछ निर्देश जारी किए गए।

आरटीआई एक्टिविस्ट अजय बहल ने बताया कि नगर निगम ने 22 नवंबर, 2019 को राज्य सूचना आयोग के आदेश के बाद छह दिसंबर 2019 को एक उनके साथ एक बैठक में यह निर्णय लिया कि सभी एसपीआईओ कम एक्सईएन अपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाले मेट्रो स्टेशन व बदरपुर टोल प्लाजा को उनके द्वारा लगाए गए सीवर पानी के कनेक्शनों को नोटिस जारी करेंगे। इसी प्रकार सभी असिस्टेंट इंजीनियर ओल्ड फरीदाबाद व बल्लभगढ़ मेट्रो स्टेशनों के नक्शे और कंपलीशन के लिए नोटिस जारी करेंगे। सभी एसपीओ एक्सईएन अपने अपने क्षेत्र में पड़ने वाले नेशनल हाईवे को नोटिस जारी करेंगे कि नेशनल हाईवे पर बरसाती पानी के डिस्पोजल का क्या जरिया है।

अजय बहल का कहना है कि तीन साल बीत जाने पर भी नगर निगम यह जानकारी उपलब्ध नहीं करवा पाया था। राज्य सूचना आयोग के आदेश पर नगर निगम के ओल्ड फरीदाबाद कार्यालय में हुई मीटिंग के दौरान यह फैसला लिया गया कि अब नगर निगम सूचीबद्ध तरीके से नेशनल हाईवे और दिल्ली मेट्रो को नोटिस जारी करेगा और किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर आगामी कार्यवाही करेगा। मामले की अगली सुनवाई राज्य सूचना आयोग के समक्ष आठ जनवरी, 2020 को होनी है।

कांग्रेसियों ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पूर्व विधायक आनंद कौशिक और हरियाणा कांग्रेस के महासचिव बलजीत कौशिक ने सेक्टर नौ स्थित कार्यालय पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ सरदार वल्लभ भाई की 69वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आनंद कौशिक ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल स्वतंत्र विशाल भारत के निर्माण में उन महानायकों में है, जिन्हें हमारा इतिहास बड़े ही गर्व के साथ याद करता है। सरदार पटेल ने तमाम रियासतों को एकसूत्र में बांधने का काम किया। इसमें कई प्रकार की परेशानियां आईं, लेकिन उनकी परवाह किए बिना उन्होंने इस कार्य को अंजाम दिया। तभी से उन्हें लौह पुरुष कहा जाने लगा। सरदार पटेल कई रियासतों के एकीकरण के लिए देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में सदा अंकित रहेंगे। सभी को लौह पुरुष के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। सरदार पटेल वास्तव में अखंड भारत के निर्माता थे। सरदार पटेल के बताए रास्तों पर चलकर देश की एकता और अखंडता को कायम रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल शांति प्रिय थे, लेकिन देश की आजादी के लिए वह कठोर फैसले लेने से भी नहीं चूके। इस मौके पर भगत राम शर्मा, आरडी पराशर, जय भगवान भारद्वाज, जगदीश शक्ति शर्मा, रतन सिंह, सुंदर सिंह, किशन लाल शर्मा, अशोक शर्मा, सुशील, वीरपाल सिंह, शेर सिंह, विकास महाजन आदि दर्जनों कांग्रेसी मौजूद थे।

नशेड़ियों ने ईंट-पत्थरों से तोड़ी कार, मारपीट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पीड़ित ने पुलिस को दी मामले की शिकायत

तिकोना पार्क स्थित वैष्णो देवी मंदिर के पास शराब के नशे में धुत्त दो लोगों ने एक युवक की कार को टक्कर मार दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करते हुए ईंट पत्थरों से कार को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को दे दी है।

एनएच दो में रहने वाले हिमांशु ने बताया कि वह रेफ्रीजरेटर का काम करता है। वह हर शनिवार को अपने दोस्तों के साथ वैष्णो देवी मंदिर में माथा टेकने के लिए जाता है। हर बार की तरह बीती रात भी करीब साढ़े नौ बजे वह मंदिर गया था। मंदिर में माथा टेकने के बाद उसके दोस्त पैदल काली मंदिर की तरफ चले गए। जबकि वह कार को मंदिर की दीवार के साथ स्थित पतली गली से ऑटो मार्केट की तरफ ले जा रहा था। तभी शराब के नशे में धुत्त दो युवकों ने पतली गली से बाइक को जबरन निकालने के चक्कर में कार को टक्कर मार दी और गिर गए। वह उन्हें उठाने के लिए बाहर निकला, तो दोनों नशे में गाली-गलौच करने लगे।

इस बीच आस-पास की दुकानों में मौजूद आरोपियों के करीब 15-20 साथी भी वहां पहुंच गए। इन लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस बीच उसके दोस्तों ने वहां आकर उसे बचाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उनकी भी पिटाई कर दी। आरोपियों से पीछा छुड़ा कर वे मंदिर आ गए और परिजनों को सूचना दे दी। इस दौरान आरोपियों ने ईंट पत्थरों से उनकी कार को तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। थोड़ी ही देर में परिजन पुलिस को लेकर मौके पर पहुंच गए। तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। उन्होंने मेडिकल जांच करवाने के बाद पुलिस को लिखित शिकायत दे दी है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ है।

'आरक्षण बढ़ाने वाले सांसदों को वोट नहीं'

फरीदाबाद। भगवान परशुराम आर्मी संगठन की मीटिंग हथीन के कुटी मंदिर में धूमधाम से संपन्न हुई, उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने विचार और संगठन के एजेंडे पर चर्चा की। भगवान परसुराम आर्मी समाज पर हो रहे आरक्षण के अत्याचारों और एससी एसटी एक्ट के अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएगी और समाज के जरुरतमंदो को यथासंभव सहायता हेतु प्रयासरत रहेगी। बैठक में हाल ही संसद में एससीएसटी आरक्षण को दस साल बढ़ाने वाले सांसदों को समाज का वोट ने देने की शपथ भी ली गई।

परशुराम आर्मी के संयोजक दीपक गौड़ ने कहा कि ब्राह्मण समाज के योग्य व प्रतिभाशाली युवा आरक्षण के कारण 90 प्रतिशत अंक लाकर भी नौकरी में चयनित नहीं हो पा रहे हैं। इसलिए सवर्णों के लिए अलग से 50 प्रतिशत आरक्षण और सवर्ण आयोग के गठन की मांग की गई है। दीपक गौड़ ने कहा कि संगठन का विस्तार पूरे भारत में किया जाएगा। समाज का अगर कोई भाई या परिवार झूठे एससी एसटी के मुकदमे में फंस जाता है, तो संगठन उसकी यथासंभव मदद व वकील आदि की व्यवस्था करेगा। इस बैठक में सर्वसम्मति से परशुराम आर्मी की अगली मीटिंग जिला पलवल पेलक गांव में 22 दिसंबर को सुबह 11 बजे होनी तय हुई है। बैठक में वेद प्रकाश पाराशर, अंकित पंडित, जय भारद्वाज कुशलीपुर, तरुण मित्तल, रवि भारद्वाज, पवन शर्मा, संजय सहाय, मुकेश मुदगल, विकाश कौशिक हथीन, संदीप भारद्वाज धौलागढ़, आनंद जीवन वत्स, हरीष शर्मा मौजूद रहे।

रेडक्रॉस शिविर में 172 दिव्यांगों की हुई जांच

फरीदाबाद। पन्हेड़ा खुर्द स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यामिक विद्यालय में रेडक्रॉस सोसायटी और एम्मिको की तरफ से माप-जांच शिविर का आयोजन किया गया। दोपहर चार बजे तक शिविर में 172 दिव्यांगों की जांच हुई।

पुनर्वास केंद्र के प्रभारी डॉ. जयपाल ने बताया कि पन्हेड़ा खुर्द में लगे शिविर का उद्घाटन बल्लभगढ़ के एसडीएम त्रिलोक चंद ने किया। रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार, विरेन्द्र गौड़, डॉ. वृतिकांत, युवा सेवा संगठन से गोपाल शास्त्री एवं एल्मिकों टीम मौजूद रही। शिविर में 172 लोगों की जांच हुई और 02 लोगों का चयन किया गया। इसके अलावा ट्राई साईकिल के लिए 12, व्हील चेयर के लिए 12, सुनने की मशीन 50, छड़ी के लिए 66, स्पेक्स के लिए 23, डेंचर के लिए 29, लिंब के लिए चार, कैलीपर के लिए तीन दिव्यांगों को चुना गया।

42 स्कूलों में होगा टेलेंट सर्च एग्जाम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राह ग्रुप फाउंडेशन की बहुप्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा एचबीटीएसई (हरियाणा बिगेस्ट टेलेंट सर्च एग्जाम) में फरीदाबाद जिले के 42 स्कूलों के चार हजार से अधिक विद्यार्थी भाग लेंगे। इसके लिए मंगलवार से सभी स्कूलों में ओएमआर शीट व पत्र-पत्र बुकलैट सामग्री निशुल्क रूप से संस्था की तरफ से वितरित की जाएगी। ये बुकलैट व ओएमआर शीट व अन्य सामग्री स्कूलों के विद्यार्थियों के एक चौथाई अनुपात में वितरित की जाएगी।

राह ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ व फरीदाबाद जिले के परीक्षा संयोजक सतीश फोगाट ने बताया कि बहु विकल्पीय प्रश्नों पर आधारित यह परीक्षा शरदकालीन अवकाश के बाद 16 से 20 जनवरी के मध्यम प्रदेश के सभी स्कूलों में एक साथ होगी, जिसमें सरकारी व प्राईवेट स्कूलों के विद्यार्थी भाग लेंगे। इसकी 70 फीसदी सामग्री स्कूली पाठयक्रम व 30 फीसदी सामग्री प्रतियोगी परीक्षाओं के पैटर्न पर आधारित होगी। इसमें 100 प्रश्नों को हल करने के लिए विद्यार्थियों को महज 60 मिनट का ही समय दिया जाएगा। साथ ही परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग होगी, जिसमें चार गलत जवाब देने पर एक अंक कट जाएगा।

चार वर्गों में प्रतियोगिता : ओएमआर पैटर्न पर आधारित राह ग्रुप फाउंडेशन की इस प्रतियोगिता में कक्षा तीन, चार व पांच (एक समान पेपर-सब जूनियर वर्ग-ए), कक्षा छठी, सातवीं व आठवीं (सब जूनियर वर्ग-बी), नौवीं व दसवीं कक्षा को जूनियर व दस जमा एक व दस जमा दो को सीनियर वर्ग में रखा गया है।

परीक्षा के विषय : कक्षा तीन से लेकर दस जमा दो कक्षाओं वाली इस प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में हिन्दी व्याकरण-15 अंक, अंग्रेजी ग्रामर-15 अंक, बेसिक साईंस-15 अंक, गणित-15 अंक, कम्प्यूटर ज्ञान-05 अंक व सामान्य ज्ञान-35 अंक शामिल किया जाएगा, जिसमें सामान्य ज्ञान में कक्षाओं के स्तर के अनुरुप भारतीय संविधान, इतिहास, भूगोल, सामाजिक विज्ञान, राजनीतिक विज्ञान, समाज शास्त्र, शारीरिक शिक्षा, स्वतंत्रता संग्राम व आजादी के नायक, मानसिक दक्षता/लॉजीकल रीजनिंग, करंट अफेयर व हरियाणा सामान्य ज्ञान जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा।

सड़क दुर्घटनाओं में गार्ड समेत दो लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केजीपी पर गांव शाहजहांपुर के निकट एक गोदाम की सुरक्षा में तैनात एक गार्ड को बीती रात किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे सुरक्षा कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा कैली फ्लाईओवर पर किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

थाना छांयसा में दर्ज मामले के मुताबिक गांव फज्जूपुर में रहने वाले एक व्यक्ति ने केजीपी पर इनवर्टर बेट्री का गोदाम बनाया हुआ है। गोदाम की सुरक्षा के लिए उन्होंने गांव के ही रहने वाले 60 वर्षीय छत्तरपाल को गार्ड रूप में काम पर रखा हुआ था। बीती रात भी छत्तरपाल अपनी ड्यूटी पर तैनात था। रविवार तड़के तेज रफ्तार से दौड़ रहे किसी वाहन ने छत्तरपाल को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक अन्य मामले में गांव हरफला निवासी नील कमल ने थाना सदर पुलिस को बताया कि उसके पिता राधेश्याम शहर में ही स्थित एक कंपनी में काम करते हैं। बीती रात करीब दस बजे वे ड्यूटी से घर लौट रहे थे। उसी दौरान कैली फ्लाईओवर पर किसी अज्ञात वाहन ने उनके पिता को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचा, तो पता चला कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि उनकी मौत हो गई है। दोनों शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए है। पुलिस ने आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ मामले दर्ज कर लिए हैं।

वाहन चालक रिफ्लेक्टर जरूर लगाएं

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा है कि सर्दी के साथ साथ जैसे-जैसे कोहरा बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सड़क पर वाहन चलाने में भी लोगों को परेशानी होती है। सावधानी में ही सुरक्षा है। इसलिए उनकी अपील है कि सभी लोग अपने वाहनों पर रिफ्लेक्टर जरूर लगाएं, ताकि अनचाही दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

मंत्री मूलचंद शर्मा बल्लभगढ़ प्रेस क्लब द्वारा आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में शिरकत करने से पूर्व मंत्री ने दोपहिया और बड़ी गाड़ियों पर रिफ्लेक्टर लगाए। स्वास्थ्य जांच शिविर में मंत्री ने अपना ब्लड प्रेशर भी चेक करवाया और इस कार्यक्रम के लिए बल्लभगढ़ प्रेस क्लब को बधाई भी दी। कार्यक्रम में पहुंचने पर प्रेस क्लब के सभी साथियों ने उनका यहां पहुंचने पर स्वागत किया।

मूलचंद शर्मा ने कहा कि ऐसे शिविरों में बुजुर्ग और अन्य लोग स्वास्थ्य की जांच करवाकर और डॉक्टरों से परामर्श कर अपने स्वास्थ्य के बारे में सचेत रहते हैं। स्वास्थ्य को अच्छा बनाने के लिए सुबह उठकर व्यायाम भी जरूर करें। जांच शिविर में 250 से ज्यादा लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करा कर शिविर का फायदा उठाया। इस मौके पर व्यापार संगठन के प्रधान प्रेम खट्टर, व्यापार मंडल के प्रधान आरडी गुप्ता, पूर्व पार्षद दया चंद यादव, भाजपा नेता बिट्टू पंजाबी, प्रेस क्लब के संरक्षक अशोक जैन, प्रधान जोगिंदर रावत, महासचिव विनोद मित्तल, पूजा शर्मा, सुभाष शर्मा, ओम देव शर्मा, राजेंद्र दहिया, अमित चौधरी, बिजेन्दर फौजदार, जेपी शर्मा, दीपक मुखी, शकुन रघुवंशी, प्रेम खान, नितिन बंसल, गोपाल अरोड़ा, श्यामसुंदर मित्तल, योगेश अग्रवाल, शिवम शर्मा, संजय शर्मा, संजय कुमार, सनी दत्ता, पूजा भारद्वाज आदि मौजूद रहीं।

बदरपुर टोल पर वाहन चालकों को हुई परेशानी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रोजाना 30 हजार से ज्यादा गुजरते हैं वाहन

बदरपुर- सराय खाजा टोल प्लाजा पर फास्टैग सिस्टम शुरू हो गया, लेकिन वाहन चालकों को दिनभर परेशानी का सामना करना पड़ा। सराय टोल पर कुल 20 लाइनों में से 14 पर फास्टैग मशीनें काम कर रही थीं।

बाकी छह कैश लाइनें रखी गईं। वाहन चालकों की सहूलियत के लिए बिना जुर्माने के साथ 30 दिन और सफर करने की मोहलत भी मिल गई है। यही कारण रहा कि आने व जाने के 3-3 लाइनों पर सबसे अधिक वाहन देखे गए। सराय टोल से केवल 13 हजार फास्टैग बिक सके हैं। जबकि यहां से रोजाना गुजरने वाले वाहनों की संख्या 40 हजार से अधिक है।

सराय टोल पर कुल 20 लेन हैं। 10 लेन दिल्ली की ओर जाने और बाकी 10 वापस आने की हैं। 14 दिसंबर आधी रात से सराय टोल पर आने व जाने वाली 7-7 लेन पर फास्टैग मशीनें लगा दी गई हैं। अधिकतर वाहन चालक इस बात को लेकर शिकायत कर रहे थे कि काफी देर तक फास्टैग को मशीन स्कैन नहीं कर पाती हैं, जिसकी वजह से थोड़ा इंतजार करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं जिनकी गाड़ियों पर फास्टैग नहीं था, वह भी फास्टैग मशीन वाली लाइन में घुस गए थे। इस वजह से भी वाहन चालकों को परेशानी हुई।

ईको फेस्ट : हजारों दर्शकों ने सीखे पर्यावरण संरक्षण के गुर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सफल रहा ईको फेस्ट

ईको फेस्ट को सफल बनाने में क्लब की अध्यक्ष पूजा बहल, उपाध्यक्ष ममता श्रीवास्तव, सचिव नीता गुप्ता, उप-सचिव सोनाली सरश्वत, कोषाध्यक्ष शालिनी अग्रवाल, आईटी व मीडिया हेड पल्लवी सचन, मार्गदर्शक चमन कौल, फरीदाबाद एक्शन ग्रुप से सचिव उज्वल कुमार जैन व अन्य सदस्य, वीमेन एंड चाइल्ड कोऑर्डिनेटर पूजा गुप्ता, रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद ट्यूलिप्स की अध्यक्ष प्रियंका मदान ने अहम भूमिका निभाई।

इंद्रप्रस्थ कालोनी की दुर्गा पूजा साइट पर रविवार को ईको क्लब एवं फरीदाबाद एक्शन ग्रुप द्वारा इंडियन ऑयल और वीएल इंजीनियर के सहयोग से ईको फेस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अर्थ सेवियर फाउंडेशन के संस्थापक रवि कालरा ने दीप जलाकर फेस्ट का शुभारम्भ किया। इस फेस्ट का हजारों लोगों ने जमकर आनंद उठाया।

फेस्ट के माध्यम से किया जागरूक : ईको क्लब की अध्यक्ष पूजा बहल ने बताया कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उदेश्य से ईको फेस्ट का आयोजन किया गया है। जागरूकता के अभाव में लोग अंजाने में पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर बैठते हैं। इस मेले के माध्यमय से लोगों को समझाने का प्रयास किया गया कि घरों से निकलने वाले कूड़े को कैसे कम किया जा सकता है। बताया गया कि कोई भी व्यक्ति अपने स्तर पर कैसे शहर को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दे सकता है। पूजा बहल ने बताया कि फेस्ट में सभी ईको फ्रेंडली स्टॉल्स लगाए गए हैं। फेस्ट में महिलाओं को भी मौका दिया गया है, क्योंकि महिलाएं पर्यावरण को बचाने के लिए अहम योगदान दे सकती हैं।

मनोरंजक कार्यक्रम से जागरूकता : ईको फेस्ट के आयोजकों की तरफ से मेले में आने वाले दर्शकों के लिए मनोरंजन का भी इंतजाम किया गया था। इंद्रप्रस्थ कालोनी में रहने वाले बच्चों की तरफ से फेस्ट में नुक्कड़ नाटक, नृत्य और गीतों के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। ये सभी कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश दे रहे थे। कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चे संदेश दे रहे थे कि पर्यावरण संरक्षण किस तरह से किया जा सकता है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए शानदार रंगारंग कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए कई तरह के खेलों का भी आयोजन किया गया।

खान-पान के स्टॉल : मेले में मनोरंजन के साथ खानपान के लिए भी कई तरह के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉल में राजस्थान की मशहूर दाल-बाटी-चूरमा, बिहार का लिट्टी-चरेखा और अन्य कई तरह की मिठाईयां और लजीज व्यंजन दर्शकों को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे थे। मेले में ऑरगेनिक अनाज, सब्जियों और मसालों के स्टॉल पर भी दर्शकों की भीड़ लगी हुई थी। मेला परिसर में घरेलू उपयोग की कई चीजों के स्टॉल भी लगाए गए थे।

सत्ता या सावरकर में किसी एक को चुने शिवसेना, भाजपा ने की मांग

● सावरकर पर राहुल के बयान के विरोध में भाजपा ने मुंबई में निकाला जुलूस

भाषा। मुंबई

भाजपा ने रविवार को कहा कि वीर सावरकर का अपमान करने के लिए देश कभी भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को माफ नहीं करेगा। उन्होंने शिवसेना को सत्ता या स्वतंत्रता सेनानी में से किसी को एक को चुनने की मांग की। पार्टी प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन यहां पर पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस नेता पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सावरकर की राहुल गांधी से कोई तुलना नहीं है, जिन्होंने उपनाम भी उधार में लिया है। उन्होंने कहा, (राहुल) गांधी द्वारा सावरकर के अपमान पर विरोध के लिए ट्वीट करने से कुछ नहीं होगा। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को अपना रुख तय करना होगा कि उन्हें कांग्रेस के साथ सत्ता में साझेदारी करनी है जिसने राष्ट्रीय नायक का अपमान किया या वह स्वतंत्रता सेनानी के साथ हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार को कांग्रेस द्वारा दिल्ली में आयोजित भारत बचाओ रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने रेप इन इंडिया वाले बयान पर भाजपा की ओर से माफी की मांग को खारिज करते हुए कहा था कि उनका नाम राहुल गांधी है, न कि राहुल सावरकर और वह कभी सच कहने पर माफी नहीं मांगेंगे। राहुल के बयान पर टिप्पणी करते हुए शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने शनिवार को ट्वीट किया कि हिंदुत्व की विचारधारा के सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। कांग्रेस पर राष्ट्रवादियों और स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए हुसैन ने कहा कि लोगों ने सोनिया गांधी नीत पार्टी को दोबारा सबक सिखाया और वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का दावा करने के लायक भी नहीं है। उन्होंने कहा, वीर सावरकर को दो बार उम्र कैद की सजा दी गई थी। सवावरकर बनने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी होगी। सावरकर और राहुल में रत्ती भर की भी तुलना नहीं है, जिन्होंने उपनाम उधार में लिया है।

हुसैन ने कहा कि क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने से देश में राहुल के प्रति गुस्सा है। उन्होंने कहा, शिवसेना को सरकार और सावरकर में से एक को चुनना होगा। पार्टी को अपना रुख साफ करना होगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने संशोधित नागरिकता कानून का कांग्रेस द्वारा विरोध किए जाने की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह लोगों खासतौर पर अल्पसंख्यकों को भ्रमित कर रही है। हुसैन ने कहा, भारतीय नागरिकों को डरने की जरूरत नहीं है। नए संशोधित कानून से मुस्लिम सहित किसी की भी नागरिकता वापस नहीं ली जाएगी। उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर राज्यों की सभी पार्टियों ने संसद में इस विधेयक का समर्थन किया था, लेकिन कांग्रेस वहां के लोगों को भ्रमित कर रही है।

दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गाँधी द्वारा सावरकर पर दिए गए बयान के विरोध में भाजपा की मुंबई इकाई ने रविवार को जुलूस निकाला। गांधी ने शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस की भारत बचाओ रैली को संबोधित करते हुए रेप इन इण्डिया वाले अपने बयान पर माf39ffी मांगने की भाजपा की मांग को ठुकरा दिया था। भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख मंगल प्रभात लोढ़ा समेत पार्टी के कई नेताओं ने बोरीवली में शाम चार बजे शुरू हुए जुलुस में हिस्सा लिया। भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी और मनोज कोटक ने भी जुलुस में हिस्सा लिया।

नागपुर में एक रैली के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का सम्मान करते शिवसेना कार्यकर्ता

नागरिकता कानून सावरकर के विचारों के खिलाफ : उद्धव

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि नया नागरिकता कानून हिंदुत्व विचारक वी डी सावरकर के विचारों के खिलाफ है। प्रदेश विधानसभा के शीत सत्र की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि संशोधित नागरिकता अधिनियम दरअसल महिला सुरक्षा, बेरोजगारी और कृषि संकट जैसे असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए उठाया जा रहा है। उन्होंने पूछा, क्या कैब विचारधारा पर आधारित है? इसे लेकर हो रही हिंसा के बारे में क्या कहेंगे?

सावरकर पर टिप्पणी के लिए माफी मांगें राहुल गांधी : फडणवीस

नागपुर। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपनी मेरा नाम राहुल सावरकर नहीं वाली टिप्पणी के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। संवाददाताओं से बात करते हुए फडणवीस ने यहां यह घोषणा भी की कि भाजपा प्रदेश विधानसभा के शीत सत्र की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा रविवार को दी गई चाय पार्टी का भी बहिष्कार करेगी। फडणवीस ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सावरकर पर टिप्पणी के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। ऐसा लगता है कि उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के भारतीय इतिहास का अध्ययन नहीं किया है। दिल्ली में कांग्रेस की रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने अपनी रेप इन इंडिया वाली टिप्पणी के लिए माफी मांगने की भाजपा की मांग को खारिज करते हुए कहा कि उनका नाम राहुल गांधी है, राहुल सावरकर नहीं, और वह सच बोलने के लिए कभी माफी नहीं मांगेंगे। फडणवीस ने शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत की उस टिप्पणी के लिए शिवसेना को आड़े हाथों लिया कि उनकी पार्टी महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू का सम्मान करती है और कांग्रेस को सावरकर का अपमान नहीं करना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा लगता है कि नेहरू और गांधी का सम्मान करके शिवसेना कांग्रेस के साथ किसी तरह का व्यापार कर रही है।

रोहिंग्या मुसलमानों को भी दी जाए भारत की नागरिकता: अरशद मदनी

भाषा। नई दिल्ली

देश में मुसलमानों के प्रमुख संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना सैयद अरशद मदनी ने कहा है कि संशोधित नागरिकता कानून की मुखालफत कुछ पड़ोसी मुल्कों के अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए नहीं, बल्कि इस कानून में धार्मिक आधार पर नागरिकता देने और इसमें एक समुदाय-- मुसलमानों-- को शामिल नहीं करने के लिए की जा रही है। उन्होंने रोहिंग्या मुस्लिमों को भी भारती की नागरिकता देने की मांग की।

मौलाना मदनी ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि दलित-मुसलमान मजहब की दीवारों से ऊपर उठकर एक मंच बनाएं और इसके लिए उनके संगठन ने पहले भी कई बार कोशिश की है। मौलाना मदनी ने यहां भाषा से खास बातचीत में कहा, किसी खास तबके (मुसलमानों) को किनारे लगाकर कोई कानून बनाया जाए तो उसे न संविधान और न ही मुल्क कबूल करता है। उन्होंने कहा, देश का मुसलमान पड़ोसी मुल्कों से आए अल्पसंख्यकों को यहां की नागरिकता देने का विरोध नहीं करता है, पर इसमें मजहबी बुनियाद पर मुसलमानों को शामिल नहीं किया गया है। इसलिए इसकी मुखालफत की जा रही है। मदनी ने कहा, कानून के अल्फाज़ को दुरुस्त किया जा सकता था और सिर्फ यह कानून बना दिया जाता कि अगर कोई भी शख्स मज़हब की बुनियाद पर सताए जाने की वजह से इस देश में आएगा, हम उसे अपने देश में जगह देंगे, क्योंकि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से कोई मुसलमान मजहब की बुनियाद पर प्रताड़ना का शिकार हो कर भारत नहीं आएगा। जमीयत प्रमुख ने आरोप लगाया, मेरा मानना है कि इनको (भाजपा को) अपने लोगों को यह संदेश देना था कि अगर मुसलमानों को कोई नुकसान पहुंचा सकता है और संवैधानिक तौर पर उन्हें छोड़ सकता है तो यह वे ही कर सकते हैं।

रोहिंग्या मुसलमानों के भी भारतीय नागरिकता देने की मांग करते हुए मौलाना मदनी ने कहा, बर्मा (म्यांमा) भी पहले भारत का ही हिस्सा था और अगर आप इन तीन मुल्कों के गैर मुस्लिमों को भारत में रहने की इजाजत दे सकते हैं तो आप रोहिंग्या को भी इजाजत दे सकते हैं। मगर आप ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आप की नागरिकता देने की बुनियाद मजहब पर आधारित है। उन्होंने दावा किया, हमारी फिक्र एनआरसी को लेकर है। असम में एनआरसी के लिए मुसलमानों के सबूत स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं और इस कानून के बन जाने से उनके लिए हिन्दुस्तान की सरजमीं और तंग हो जाएगी। उन्होंने कहा, देश में ऐसे लोगों की बड़ी तादाद है जिसमें हिन्दू और मुस्लिम दोनों शामिल हैं, जो सिर्फ रोजी-रोटी कमाने में मशगूल रहते हैं और उनके लिए पुराने दस्तावेज इकट्ठा करना बहुत मुश्किल होगा। आपने (सरकार ने) महजब की बुनियाद पर एक तबके को इससे पूरी तरह से बाहर कर दिया है। इस कानून के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में जाने का ऐलान करते हुए मौलाना मदनी ने कहा हमने बार बार शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है और अब भी उच्चतम न्यायालय जाएंगे। मुसलमानों से सड़कों पर प्रदर्शन नहीं करने की अपील करते हुए मौलाना मदनी ने कहा, हम मुसलमानों से सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन नहीं करने को कहते हैं।

भारतीय मुसलमानों को पाकिस्तान, बांग्लादेश के मुसलमानों से क्या लेना देना : रिजवी

● राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख ने संशोधित नागरिकता कानून पर कहाकि यह मुस्लिम विरोधी नही है और भारतीय मुसलमानो को डरने की जरूरत नहीं

भाषा। नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून को लेकर खड़े हुए सियासी बवाल के बीच राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख सैयद गयूस्ल हसन रिजवी ने शनिवार के दौरान दिव्यांगजनों और कुछ विशेष बीमारियों से ग्रसित लोगों को टिकट में छूट का प्रावधान है। आरोपी कृष्णा महाले ने यहाँ स्थित कल्याण उपनगर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जाने के लिए नौ दिसंबर को यात्रा करने का टिकट बुक कराया था।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार से अपेक्षा है कि राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लाने पर वह इस बात का ध्यान रखेगी कि भारतीय मुसलमानों को कोई परेशानी नहीं हो। रिजवी ने कहा, यह कानून अल्पसंख्यक विरोधी नहीं है। पारसी, ईसाई, सिख, जैन और बौद्ध भी अल्पसंख्यक हैं। कुछ राजनीतिक लोग कह रहे हैं कि यह मुस्लिम विरोधी है लेकिन यह मुस्लिम विरोधी नहीं है। भारत के मुसलमानों के बारे में इस विधेयक में कुछ नहीं कहा गया है। उन्होंने कहा, यहां के मुसलमानों को पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के मुसलमानों से क्या लेना देना है? हम तो भारतीय मुसलमान हैं। भारतीय मुसलमान को डरने और घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय मुसलमानों को इससे कोई खतरा नहीं है।

अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख ने कहा, यहां के मुसलमान घुसपैठिए नहीं हैं। यहां का मुसलमान सम्मानित नागरिक है और इसको यहां से निकालने का कोई सवाल नहीं है। गृह मंत्री ने भी यही बात कही है। एनआरसी को लेकर मुस्लिम समाज में भय होने के सवाल पर रिजवी ने कहा, निश्चित तौर पर जब एनआरसी आएगी तो सरकार से अपेक्षा है कि वह इस पर जरूर ध्यान देगी कि भारतीय मुसलमानों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। नागरिकता संशोधन कानून के अनुसार हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के जो सदस्य 31 दिसंबर 2014 तक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए हैं और जिन्हें अपने देश में धार्मिक उत्पीड़न का सामना पड़ा है, उन्हें भारतीय नागरिकता दी जाएगी।

आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने दिया संकेत, किसी भी पार्टी के साथ चुनाव बाद कर सकते हैं गठबंधन

नई दिल्ली। झारखंड में भाजपा की पूर्व सहयोगी आजसू पार्टी ने रविवार को संकेत दिया कि वह ऐसी किसी भी पार्टी के साथ चुनाव बाद गठबंधन के लिए तैयार है जो उसके बेहतर एवं समावेशी शासन के एजेंडे को पूरा करती हो। आजसू पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो ने कहा कि पार्टी के लिए उसका मिशन अबकी बार गांव की सरकार सर्वोपरि है जो गांवों को शासन प्रणाली का मूलभूत हिस्सा बनाने के लिए है। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों राष्ट्रीय पार्टियां एक जैसी हैं और दोनों ने राज्य को नजरंदाज किया। यह पूछे जाने पर कि राज्य में खंडित जनादेश आने पर उनकी पार्टी किसका समर्थन करेगी, उन्होंने पीटीआई से फोन पर कहा, मैं किसी पार्टी या व्यक्ति की सरकार नहीं बनाना चाहता। मैं झारखंड के लोगों की सरकार चाहता हूं जो लोगों के समग्र विकास के लिए काम करे. मेरे लिए कांग्रेस और भाजपा एक जैसी हैं। उन्होंने कहा, हमारे लिए हमारा एजेंडा अबकी बार, गांव की सरकार सबसे महत्वपूर्ण है।

क्विक न्यूज

बलात्कार दोषसिद्धि दर 32 प्रतिशत : एनसीआरबी

नई दिल्ली। पूरे देश के हिलाकर रखने वाले निर्भया सामूहिक बलात्कार के सात साल बाद देश में बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि दर 32.2 प्रतिशत है। इस घटना के बाद यौन उत्पीड़न से निपटने के लिए कानूनों को सख्त बनाए जाने के बावजूद बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि दर कम है। वर्ष 2017 के लिए उपलब्ध राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार उस वर्ष बलात्कार के मामलों की कुल संख्या 1,46,201 थी, लेकिन उनमें से केवल 5,822 लोगों की दोषसिद्धि हुई। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि 2017 में बलात्कार के मामलों में आरोप पत्र की दर घटकर 86.4 प्रतिशत रह गई जो 2013 में 95.4 प्रतिशत थी। अल्पर बलात्कार मामले में बचाव पक्ष की वकील शिल्पी जैन ने कहा कि बलात्कार मामलों की जांच करने वाले पुलिस के क्षेत्र-स्तरीय कर्मचारियों को अधिक कुशल बनाने की आवश्यकता है।

भारतीय मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना ने खदेड़ा

रामेश्वरम। रव्वाविवि के गजदीक तमिलनाडु के करीब 3000 मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना ने कथित तौर पर खदेड़ दिया। नौसेना ने 50 नावों ने उनके मछली मारने के उपकरणों को भी नष्ट कर दिया। इस द्वीपीय राज्य के मछुआरे रविवार को समुद्र में गए थे और आज सुबह जब वह वापस लौट रहे थे तो श्रीलंका के नौसेना की एक टीम ने उनके घेर लिया। रामेश्वरम मछुआरा संगठन के अध्यक्ष पी. सेसुराजा ने आरोप लगाए कि नौसेना के कर्मियों ने बंदूक दिखाकर उन्हें धमकी दी और दल से लौटने को कहा और मछलियां भी छीन लीं। उन्होंने कहा कि नौसेना के जवानों ने 50 नावों ने उनके मछली मारने वाले उपकरणों को भी नष्ट कर दिया। मछुआरों ने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की है कि उनकी समस्याओं को हल करने के लिए कदम उठाएं।

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने वैष्णो देवी के दर्शन किए

जम्मू। केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी के स्थान ने दर्शन किए। वह हेलीकॉप्टर से बर्फ से घिरे वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचे। दर्शन के बाद वह दोपहर बाद करीब पौने दो बजे जम्मू लौट आए। खराब मौसम की वजह से दो दिनों तक बंद रहने के बाद रविवार को हेलीकॉप्टर और रोप-वे सेवा को फिर से शुरू किया गया। गोयल के निर्माणाधीन उधमपुर-बनिहाल रेल सुरंग परियोजना की समीक्षा करने की उम्मीद है। पूरी होने पर यह रेल लाइन के जरिए कश्मीर को देश के दूसरे हिस्सों से जोड़ेगी। प्रधानमंत्री ने छह नवंबर को इस परियोजना को अगले साल तक पूरा करने के व्यापक निर्देश दिए थे।

सावरकर के पोते ने उद्धव से कहा-वह राहुल की सार्वजनिक रूप से पिटाई करें

मुंबई। विनायक दामोदर सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने उद्धव ठाकरे से अपील की कि वह हिंदुत्व के दिवंगत नायक का अपमान करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सार्वजनिक रूप से पिटाई करें। राहुल ने रैली में रेप इन इंडिया वाले बयान पर भाजपा की ओर से माफी की मांग खारिज करते हुए कहा था कि उनका नाम राहुल गांधी है न कि राहुल सावरकर और वह कभी भी सच बोलने के लिए माफी नहीं मांगेंगे। रंजीत ने उद्धव को उनके पहले दिए बयान की याद दिलाई जिसमें उन्होंने कहा था कि वीर सावरकर का अपमान करने वाले को सार्वजनिक रूप से चौराहे पर पिटाई की जानी चाहिए। रंजीत ने कहा, राहुल गांधी लगातार आरोप लगा रहे हैं कि मेरे दादा ने अंग्रेजों से माफी मांगी थी जो सच नहीं है। मेरे दादा ने जेल से रिहा करने के लिए ब्रिटिश सरकार की ओर से रखी शर्तों को स्वीकार किया था। उन्होंने कभी भी ब्रिटिश की अधीनता स्वीकार नहीं की थी।

फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर रेल किराए में छूट लेने वाले पर केस दर्ज

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक 43 वर्षीय व्यक्ति पर कथित रूप से फर्जी चिकित्सा दस्तावेज के आधार पर रेलयात्रा में छूट लेने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। रेलयात्रा के दौरान दिव्यांगजनों और कुछ विशेष बीमारियों से ग्रसित लोगों को टिकट में छूट का प्रावधान है। आरोपी कृष्णा महाले ने यहाँ स्थित कल्याण उपनगर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जाने के लिए नौ दिसंबर को यात्रा करने का टिकट बुक कराया था।

लालू की बहू ने सास राबड़ी देवी पर मारपीट कर घर से बाहर निकालने का आरोप लगाया

भाषा। पटना

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय ने रविवार को अपनी सास और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर मारपीट कर अपने घर से बाहर निकाल देने का आरोप लगाया है।पटना के दस सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी के आवास के बाहर रविवार को देर शाम एक कुर्सी पर बैठीं ऐश्वर्या ने राबड़ी पर महिला सुरक्षाकर्मियों के साथ मिलकर उनका बाल खींचकर उनके साथ मारपीट कर घर से बाहर निकाल देने का आरोप लगाया।

ऐश्वर्या ने आरोप लगाया, तेज (ऐश्वर्या के पति जिनसे तलाक का मामला कोर्ट में विचाराधीन है) के उनके मातापिता को लेकर आपत्तिजनक पोस्टर (पटना के बीएन कालेज में लगाया गया पोस्टर) लगाए जाने के बारे में जब मैंने अपनी सास से पूछा तो अपनी महिला सुरक्षाकर्मी के साथ मिलकर मेरा बाल खींचकर मेरे साथ मारपीट की गई तथा मेरा मोबाइल फोन छीन लिया गया, जिसमें इस घटना को लेकर साक्ष्य थे। मेरा सारा सामान स्वकर सुरक्षाकर्मियों की मदद से मुझे घसीटते हुए अपने घर से बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले की जानकारी उनके देवर (बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता और लालू के छोटे पुत्र) तेजस्वी प्रसाद यादव को है पर वे भी कुछ नहीं करते।

ऐश्वर्या ने राबड़ी पर उन्हें भोजन नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे पूर्व गत सितंबर महीने में भारी बारिश के दौरान भी मुझे घर से निकाल दिया था पर अदालत के हस्तक्षेप के बाद वे अपने घर में वापस लौट पाई थीं। उल्लेखनीय है कि इस घटना के बाद ऐश्वर्या के राबड़ी के घर के सामने बैठे होने के समय उनके आवास के फाटक पर बाहर से ताला लगा हुआ था और इस मामले पर न तो तेजप्रताप यादव और न ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का कोई बयान सामने आया है। ऐश्वर्या के पिता चंद्रिका राय ने अपने दामाद तेजप्रताप यादव को एक पागल लड़का बताया। उन्होंने अपनी बेटी के साथ राबड़ी देवी के सुलूक की ओर इशारा करते हुए कहा कि हम राजनीतिक लड़ाई तो लडेंगे ही राबड़ी को एक्सपोज भी करेंगे। जो घर की महिला को सुरक्षा नहीं दे सकती है वह बाहर की महिलाओं को क्या सुरक्षा देगी। ऐश्वर्या की मां पूर्णिमा राय ने आरोप लगाया कि ऐश्वर्या को घर में खाना नहीं दिया जाता था। वे अपने घर से खाना उसे भेजती थीं।बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने मामले पर मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि यह वर्तमान के ज्वलंत मुद्दों जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार घिरते नजर आ रहे हैं, लोगों का उससे ध्यान हटाने के लिए यह सारा क्रियाकलाप वहीं से हो रहा है।

संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ रविवार को हैदराबाद में प्रदर्शन करतीं मुस्लिम समुदाय के लोग

संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं है नागरिकता कानून : सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति धींगरा

भाषा। नई दिल्ली

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में सताए हुए गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के प्रावधान वाले विवादास्पद नागरिकता संशोधन कानून को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दिए जाने की अटकलें हैं। इन्हीं अटकलों के बीच वरिष्ठ कानूनविद और दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस एन धींगरा ने इसके प्रावधानों को संविधान सम्मत बताते हुए कहा है कि यह कानून तो आजादी के बाद ही लागू किया जाना चाहिए था।

सवाल: नागरिकता संशोधन कानून को देश की मौजूदा परिस्थितियों के लिहाज से कितना प्रासंगिक मानते हैं, क्या यह उचित समय पर लाया गया उचित कानून है?

जवाब: जो भी परिस्थितियां आज देश में बनी हैं वे इस कानून के पारित होने के बाद बनीं, इसलिए परिस्थितियों की बुनियाद पर कानून बनाने के समय के औचित्य पर सवाल उठाना जायज नहीं है। मेरा तो मानना है कि यह कानून बहुत देर से उठाया गया एक ऐसा कदम है जिसे आजादी के तुरंत बाद लागू किया जाना चाहिए था। मैं सोचता हूं कि आजादी के बाद 1950 में हुए नेहरू लियाकत समझौते का पाकिस्तान द्वारा पालन नहीं किए जाने के बाद ही इस प्रकार का कानून लागू किया जाना चाहिए था। ऐसा करने में बहुत देर हो गई।

सवाल : कानून में धर्म के आधार पर भेदभाव करने के प्रावधानों को शामिल करने के कारण इसे संविधान के अनुच्छेद 14 और 25 के विरुद्ध बताए जाने की दलील कितनी सही है?

जवाब : जो लोग ए दलील दे रहे हैं, शायद उन्हें यह मालूम ही नहीं है कि संविधान धर्म और जाति दोनों के आधार पर भेदभाव करना स्वीकार करता है। विभिन्न जातियों को दिया गया आरक्षण, जाति के आधार पर दी गई विशेष सुविधा है जबकि संविधान में लिखा है कि जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। यह भेदभाव इसलिए किया गया, क्योंकि ए जातियां प्रताड़ना की शिकार थीं। उन्हें एक समान पायदान पर लाने के लिए ही स्वयं संविधान ने यह भेदभाव करने की छूट दी। दरअसल हम यह मानते हैं कि यह भेदभाव नहीं है बल्कि इसे संविधान द्वारा धर्म और जाति सहित विभिन्न आधारों पर किया गया वर्गीकरण कहते है। इसीलिए कुछ राज्यों ने संविधान के तहत ही धर्म के आधार पर पांच प्रतिशत तक आरक्षण की व्यवस्था की है। संविधान स्वयं कहता है कि असमान लोगों को समान नहीं माना जा सकता है। इसलिए कानून के नजरिए से मैं नागरिकता संशोधन कानून को संविधान विरुद्ध नहीं मानता हूं।

सवाल: नागरिकता कानून में एक खास समुदाय को नागरिकता की सुविधा से बाहर कर देने पर सवाल उठ रहे हैं और इसी को भेदभाव का आधार बताते हुए पूर्वोत्तर सहित अन्य इलाकों में अशांति पनपने की वजह बताना कितना सही है?

जवाब : जिसे आप समुदाय कह रहे हैं वह समुदाय नहीं धर्म है और उस धर्म को कानून से क्यों बाहर रखा गया उसकी वजह कानून में ही स्पष्ट की गई है कि इसमें निर्दिष्ट तीनों देशों में उस धर्म के लोग प्रताड़ना के शिकार नहीं हैं। आपका आशय मुस्लिम धर्म से है और यह भी सही है कि इस धर्म के लोग इन देशों से धार्मिक प्रताड़ना के कारण भारत नहीं आते हैं बल्कि रोजगार सहित अन्य आर्थिक कारणों या किसी अन्य वजह से आते हैं।

सवाल : इस कानून में नागरिकता के लिए शरणार्थी के तौर पर भारत में रहने की समय सीमा को 11 साल से घटाकर पांच साल करने का प्रावधान क्या नागरिकता के मामले में धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता है?

जवाब : कानून में स्पष्ट प्रावधान है कि यह नागरिकता सिर्फ निर्दिष्ट तीन देशों के छह धर्मों के लोगों को ही मिलेगी जो धार्मिक प्रताड़ना के कारण भारत आकर पांच साल से रह रहे हैं। इन देशों में मुसलमानों के साथ भेदभाव की गुंजाइश जब है ही नहीं तो फिर भेदभाव का प्रश्न ही नहीं उठता है। हां अगर, नेपाल, म्यामां या किसी अन्य देश से आने वाले हिंदू या किसी अन्य धर्म के व्यक्ति को नागरिकता दी जाती है और मुसलमान को नहीं, तब यह बेशक भेदभाव के ही दायरे में आता है।

सवाल: कानून की संवैधानिकता को न्यायालय में चुनौती देने की संभावना को देखते हुए क्या यह न्यायिक पुनरावलोकन के परीक्षण पर खरा उतर सकेगा?

जवाब: कानून की मेरी समझ के मुताबिक यह पूरी तरह से संवैधानिक है। अब उच्चतम न्यायालय का इस बारे में क्या नजरिया होगा, इस पर मैं कुछ नहीं बोल सकता हूं। यह मामले को सुनने वाले न्यायाधीशों के नजरिए पर निर्भर करता है कि वे इसके प्रावधानों की किस प्रकार व्याख्या करते हैं। मैं सिर्फ यही कहूंगा कि अगर उच्चतम न्यायालय धर्म के नाम पर प्रताड़ना को प्रताड़ना नहीं मानता है तो फिर उसे अपने पुराने फैसलों पर भी पुनर्विचार करना पड़ेगा।

बलात्कार मामलों में बिना देरी के न्याय सुनिश्चित हो: नायडू

गांधीनगर। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने पुलिस द्वारा त्वरित जांच के साथ बलात्कार के अपराध को रोके जाने की आवश्यकता पर रविवार को जोर दिया। यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका का कर्तव्य है कि न्याय लगातार देरी के बिना दिया जाए, हालांकि त्वरित न्याय नहीं हो सकता। बलात्कार के अपराध को बिना किसी भेदभाव के रोका जाना चाहिए या इसे राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए। उपराष्ट्रपति का यह बयान 16 दिसम्बर, 2012 को निर्भया सामूहिक बलात्कार-हत्या मामले के सात साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर आया है। हालांकि उन्होंने अपने भाषण में इस घटना का उल्लेख नहीं किया।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने हाल में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को दिल्ली सरकार की उस सिफारिश को भेजा है जिसमें सामूहिक बलात्कार मामले के दोषियों में से एक की दया याचिका खारिज किए जाने की बात कही गई है। नायडू गुजरात में गांधीनगर के कराई गांव में राज्य पुलिस अकादमी में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ, विशेषकर जघन्य अपराधों की बढी संख्या मुझे परेशान करती है। हम देशभर में यहां-वहां इस तरह की घटनाओं को सुन रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं देश के राजनीतिक दलों से चाहता हूं कि इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाए और इसे राजनीतिक रंग न दे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध को बिना किसी भेदभाव के खत्म किया जाना चाहिए। पुलिस का रवैया लोगों और महिलाओं के साथ सहयोगपूर्ण होना चाहिए और महिलाओं के खिलाफ अपराधों से दक्षता के साथ निपटा जाना चाहिए। पुलिस को हर शिकायत को बिना किसी भेदभाव के दर्ज करना चाहिए, जांच जल्द से जल्द पूरी जांच करनी चाहिए और जल्द से जल्द मुकदमा शुरू करना चाहिए।

न्यायपालिका से अपील करते हुए नायडू ने कहा कि न्यायिक जांच जल्द से जल्द पूरी की जानी चाहिए और इस तरह की आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए जल्द से जल्द दोषियों को सजा दी जानी चाहिए। हाल में हैदराबाद और उन्नाव में बलात्कार और हत्या की घटनाओं से देशभर में लोगों के बीच आक्रोश देखा गया था। उन्होंने कहा कि पुलिस को तेजी से जांच करनी चाहिए और इस तरह के अपराधों में जल्द से जल्द आरोप पत्र दायर करना चाहिए। साथ ही न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लगातार देरी नहीं हो।

नायडू ने कहा, न्यायपालिका का भी एक कर्तव्य है। आप त्वरित न्याय नहीं कर सकते, लेकिन आपके पास निरंतर देरी नहीं हो सकती। यह सभी को समझना होगा। हाल में हैदराबाद में एक महिला पशु चिकित्सक के बलात्कार और हत्या मामले में गिरफ्तार चार संदिग्ध तेलंगाना पुलिस के साथ हुई एक कथित मुठभेड़ में मारे गए थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि हम ऐसे अपराधों की जांच के लिए पुलिस की एक विशेष टीम का गठन करें और संकट की स्थिति में महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान बनने चाहिए। हर एक पुलिस अधिकारी को ऐसे अपराधों के पीड़ितों के बारे में संवेदनशील होना चाहिए। इस तरह के अपराधों के पीड़ितों के साथ सम्मान और करुणा के साथ पेश आना चाहिए।

दुमका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रैली में मोमेन्टो देती हुई मंत्री लुईस मरांडी। साथ में झारखण्ड के मुख्यमंत्री रघुबर दास

सबरीमाला मंदिर को 28 दिनों में 104 करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रहण

भाषा। सबरीमला

केरल के सबरीमाला में साल में दो महीने तक चलने वाले तीर्थाटन में इस बार पहले 28 दिनों में रविवार को राजस्व संग्रहण 104 करोड़ रुपए को पार कर गया। पिछले साल समान अवधि में 64 करोड़ रुपए राजस्व संग्रहण हुआ था। इस पहाड़ी मंदिर का प्रबंधन संभालने वाले त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) ने बताया कि 17 नवंबर को मंडलम मकरविलाक्कू तीर्थाटन के लिए खुलने के बाद से मंदिर ने 104.72 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है।

बोर्ड के अध्यक्ष एन वासु ने यहां संवाददाताओं से कहा, 17 नवंबर को मंदिर के खुलने से लेकर आज तक उसका कुल राजस्व 104.72 करोड़ रुपए रहा है। पिछले साल इस अवधि में उसका राजस्व संग्रहण 64.16 करोड़ रूपए था। हमें पांच करोड़ रूपए मूल्य के सिक्कों की गिनती करनी है। हम अदालत की अनुमति से सिक्कों का वजन कर उसका मूल्य निर्धारण करेंगे। उन्होंने कहा कि यह राजस्व आनंदम (तीर्थयात्रियों के लिए मुफ्त भोजन) के वास्ते दान, प्रसादम की बिक्री तथा देवता पर चढ़ाए गए सिक्के के रूप में मिला।

पिछले साल मंदिर और टीडीबी को राजस्व का बड़ा नुकसान हुआ था क्योंकि मंदिर और उसके आसपास उन्मत श्रद्धालुओं और दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों ने उच्चतम न्यायालय के 28 सितंबर, 2018 के फैसले को लेकर व्यापक प्रदर्शन किया था। इस फैसले में सभी उम्र की महिलाओं को इस मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

हालांकि शीर्ष अदालत ने इस साल 14 नवंबर को कहा कि सात न्यायाधीशों की उसकी पीठ सबरीमला मंदिर और मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश, दाउदी बोहरा समुदाय में महिलाओं का खतना समेत विभिन्न धार्मिक मुद्दों का पुनर्परीक्षण करेगी। उसके बाद केरल सरकार ने शीर्ष अदालत के 28सितंबर, 2018 के फैसले का क्रियान्वयन रोक दिया। फलस्वरूप बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं।

उद्योग मंडल ने कश्मीर में व्यवसायों के पुनरुद्धार के लिए केंद्र से कदम उठाने की लगाई गुहार

भाषा। श्रीनगर

कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) ने केंद्र सरकार से कश्मीर में व्यवसाय को फिर से खड़ा करने के लिए कदम उठाने का रविवार को आग्रह किया। उद्योग मंडल ने कहा कि अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को हटाने के बाद फैली अशांति की वजह से घाटी की अर्थव्यवस्था को 15,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। केसीसीआई के अध्यक्ष शेख आशिक हुसैन ने सरकार से कश्मीर में इंटरनेट सेवाएं बहाल करने की भी गुहार लगाई है। हुसैन ने अन्य उद्योग निकायों के प्रमुखों के साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। हुसैन ने बैठक के बाद भाषा से कहा कि मैंने उद्योग मंत्री को बताया है कि पिछले चार महीनों में करीब 15,000 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि जम्मू - कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा वापस होने के बाद फैली अव्यवस्था के कारण कारोबार और नौकरियों में हुए नुकसान को लेकर कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने एक रिपोर्ट तैयार की है। हुसैन ने कहाकि हमने केंद्रीय मंत्री को बताया कि सभी कारोबारी क्षेत्र बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं और सभी क्षेत्रों के उद्योग दिगज्जों ने चैंबर को लिखित अभिवेदन दिया है। जल्द ही उप - राज्यपाल को एक विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि गोयल ने व्यापार प्रतिनिधियों की बात को धैर्यपूर्वक सुना और रिपोर्ट की एक प्रति भेजने के लिए कहा है।

जम्मू कश्मीर, लद्दाख भीषण सर्दी की चपेट में

जम्मू। हाल में हिमपात के बाद जम्मू कश्मीर और लद्दाख भीषण सर्दी की चपेट में हैं। हिमपात की वजह से श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग रविवार को लगातार चौथे दिन भी बंद रहा। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकतर हिस्सों में रात के तापमान में गिरावट देखी गई। जम्मू शहर में 5.8 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। उन्होंने बताया कि हालांकि, लद्दाख में द्रास सबसे ठंडा रहा जहां न्यूनतम तापमान शून्य से 19.5 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। इसके बाद लेह में न्यूनतम तापमान शून्य से 13.5 नीचे रहा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस रहा। यातायात विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जवाहर सुरंग के पास और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार की शाम भारी हिमपात के चलते बंद हुआ 270 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग आज लगातार चौथे दिन भी बंद रहा। उन्होंने कहा कि राजमार्ग को खोलने के प्रयास जारी हैं।

नालंदा विवि के निर्माण के लिए सहभागी देशों से तीन वर्षों से नही मिला अंशदान : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। नालंदा विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए भारत, चीन, थाईलैंड, आस्ट्रेलिया, लाओस जैसे देशों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे लेकिन पिछले तीन वर्षों में भारत के अलावा किसी अन्य देश ने कोई योगदान नहीं दिया। विदेश मंत्रालय ने संसद की एक समिति को यह जानकारी दी। समिति ने कहा है कि मंत्रालय को इस कार्य में सहायता के लिए अन्य सहभागी देशों से अंशदान प्राप्त करने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए।

संसद में हाल ही में पेश विदेश मंत्रालय की अनुदान की मांगों पर विचार संबंधी संसदीय समिति की रिपोर्ट में कहा गया है, भारत द्वारा योगदान की आखिरी किस्त जुलाई 2019 में जारी की गई थी। अगस्त 2016 के बाद से किसी अन्य देश से कोई योगदान नहीं मिला। रिपोर्ट में नालंदा विश्वविद्यालय शीर्षक के तहत यह ब्यौरा दिया गया है। विदेश मंत्रालय ने संसद की समिति को बताया कि सिंगापुर ने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के निर्माण के लिए 50 लाख से एक करोड़ डालर का योगदान देने का वादा किया था लेकिन अब तक कोई भुगतान नहीं मिला है। इसमें कहा गया है, चूंकि भारत के अलावा अन्य देशों से नालंदा विश्वविद्यालय के संचालन और पूंजीगत लागत में योगदान स्वैच्छिक प्रकृति का है और पिछले तीन वर्षों के दौरान अन्य देशों से कोई योगदान प्राप्त नहीं हुआ है। इसलिए अन्य देशों से प्राप्त होने वाले योगदान की गुंजाइश सीमित है।

रिपोर्ट के अनुसार, नालंदा विवि के निर्माण के लिए भारत, चीन, थाईलैंड, आस्ट्रेलिया, लाओस जैसे देशों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। भारत ने इस विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए 684.74 करोड़ रूपए का योगदान दिया। चीन ने दस लाख डालर का योगदान दिया जबकि आस्ट्रेलिया ने दस लाख डालर, थाईलैंड ने1,32,000 डालर तथा लाओस ने 50,000 डालर का योगदान दिया। समिति ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2018..19 के बजट में 200 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया था जिसे संशोधित चरण पर घटाकर 190 करोड़ रूपया कर दिया गया। वर्ष 2019..20 के बजट में आवंटन 220 करोड़ रूपए था। समिति ने कहा कि मंत्रालय का यह अनुमान है कि इस परियोजना पर खर्च 400 करोड़ रूपया होगा परंतु 220 करोड़ रूपए का आवंटन जानबूझकर किया गया है।

इस विश्वविद्यालय का वास्तविक निर्माण कार्य मई 2017 में शुरू हुआ। नालंदा विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य 2021-22 तक पूरा होने का अनुमान है। परंतु मंत्रालय ने परियोजना को पूरा करने में लागत वृद्धि के बारे में कोई अनुमान नहीं लगाया है। समिति ने कहा, नालंदा विश्विवद्यालय बौद्धिक, दार्शनिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन करने के लिए उत्कृष्ट संस्था है और उसे पूरा करने में विलंब अत्यधिक निंदनीय है।

कोलकाता में सीएए और एनआरसी बिल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पश्चिम बंगाल मानवाधिकार के सदस्य

उत्तराखंड में बर्फवारी से तीन की मौत

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड में पिछले दो से तीन दिनों में भारी हिमपात के कारण ठंड से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग सहित दर्जनों रास्ते आवाजाही के लिए बंद कर दिए गए हैं। हांलांकि, आज ज्यादातर जगहों पर मौसम साफ रहा और धूप निकली जिससे हवा में ठिठुरन और बढ गई।

चमोली जिले के गैंड गांव में एक व्यक्ति की बर्फ में दबने से मौत हो गई और पुलिस के अनुसार उसकी पहचान मदन मोहन (59) के रूप में की गई है और घर लौटते समय उसकी मौत हो गई। एक अन्य घटना में पौड़ी जिले में काशीपुरखुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक व्यक्ति बर्फ से फिसलकर खाई में गिर गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान नरेंद्र सिंह नेगी (50) के रूप में की गई है। तीसरी घटना में संतोष सुन्दियाल नामक व्यक्ति की भी पौड़ी जिले के बलूड़ी गांव में बर्फ से फिसलकर खाई में गिरने से मौत हो गई।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, बर्फवारी के कारण देहरादून में लोखडीकोटी कनासर राष्ट्रीय राजमार्ग, उत्तरकाशी जिले में ऋषिकेशगंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग बर्फवारी के कारण भैरवघाटी के पास तथा चमोली जिले में ऋषिकेशबदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग हेलंग के पास बंद हो गया। इसके अलावा प्रदेश के कई प्रमुख मार्ग जैसे गोपेश्वरचोपतामंडल मार्ग, तवाघाटनारायण आश्रम मार्ग तथा थलमुनस्यारी मोटर मार्ग भी बर्फवारी के कारण यातायात के लिए अवरूद्ध हो गए हैं।

चमोली जिले की घाट तहसील के आठ गांव, गैरसैंण के 30 गांव, नारायणबगड के 25 गांव, जोशीमठ तथा पोखरी के कई गांव, टिहरी जिले में धनोल्टी एवं थत्यूड के कुछ गांवों में बर्फवारी के कारण बिजली की आपूर्ति भी ठप्प हो गई है जिसे ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल ठंड से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग द्वारा आज यहां जारी पूर्वानुमान में, फिलहाल कहींकहीं विशेषकर उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ जिलों में हल्की वर्षा या बर्फवारी की संभावना व्यक्त की गई है। पूर्वानुमान में कहा गया है कि 2500 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फवारी हो सकती है।

ओडिशा मे महिला से पति के सहकर्मी और दो अन्य ने किया सामूहिक दुष्कर्म

भवानीपाटणा (ओडिशा)। ओडिशा के कालाहांडी जिले में एक महिला (26) से कथित तौर पर उसके पति के सहकर्मी और दो अन्य लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता द्वारा दी गई शिकायत के मुताबिक महिला का पति गोवा में काम करता है और पिता का 27 वर्षीय एक सहकर्मी यहां एक गांव के निकट स्थित उसके आवास पर 11 दिसंबर की शाम को पति द्वारा भेजा गया कुछ सामान देने आया था। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता के साथ रहने वाले उसके सास-ससुर के कहने पर आरोपी सहकर्मी उनके घर पर ही रात में रुक गया। उन्होंने कहा कि 12 दिसंबर को जब महिला एटीएम जा रही थी तब आरोपी सहकर्मी ने उसे मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने की पेशकश की। उसने लेकिन आधे रास्ते में ही मोटरसाइकिल रोककर अपने दो सहयोगियों को बुला लिया और महिला का अपहरण कर उसे सुनसान जगह ले गया, जहां तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी महिला को मौके पर ही छोड़कर वहां से फरार हो गए और जाने से पहले किसी को भी घटना के बारे में नहीं बताने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पीड़िता ने भवानीपाटणा सदर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस दल ने शनिवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक स्कूटर और महिला का एटीएम कार्ड जब्त किया। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों और पीड़िता की चिकित्सकीय जांच कराई गई है और महिला का बयान दर्ज किया गया है।

बादाम को स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उपहार के रूप में प्रोत्साहित कर रहा है अमेरिकी उद्योग

नई दिल्ली। अमेरिकी कृषि विभाग की निगरानी में काम करने वाला उद्योग संगठन कैलिफोर्निया बादाम बोर्ड आगामी क्रिसमस त्योहार के मद्देनजर भारतीय बाजार में बादाम को एक स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उपहार के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। बादाम विटामिन ई, प्रोटीन, आयरन, राइबोफ्लेविन, मैंगनीज और फोलिक एसिड सहित कई अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत है। यह एक पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक भोज्य पदार्थ हैं। अमेरिका के कृषि विभाग की देखरेख में यह बोर्ड 1950 से कैलिफोर्निया के करीब सात हजार बादाम उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं की ओर से विपणन, खेती और उत्पादन के सभी पहलुओं पर अपने शोध-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से बादाम के कारोबार को बढ़ावा दे रहा है। रपटों के अनुसार कैलीफोर्निया विश्व में बादाम की मांग की 80 प्रतिशत आपूर्ति करता है और भारत तथा चीन जैसे देश इसके प्रमुख बाजार हैं। बोर्ड की एक विज्ञप्ति में सिनेमा और स्वास्थ्य क्षेत्र के लोगों के हवाले से बादाम को स्वास्थ्य के लिए एक वरदान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति में मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की डाइट विशेषज्ञ ऋतिका समद्दार ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा है कि रोज 42 ग्राम बादाम खाने से पेट की चर्बी कम होती है और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल में भी उल्लेखनीय रूप से सुधार होता है। बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान तथा मॉडल मिलिंद सोमान ने बादाम को मिठाई का विकल्प और स्वास्थ्य वर्धक उपहार बताया है। विज्ञप्ति में पोषण एवं कल्याण सलाहकार शीला कृष्णास्वामी के हवाले से कहा गया है कि, बादाम एक बहुमुखी घटक है जिसे आसानी से किसी भी मिठाई या व्यंजन में शामिल किया जा सकता है। बोर्ड की बेबसाइट पर कहा गया है, भारत में बादाम के उपभोग की पुरानी और समृद्ध परंपरा है l. यही कारण है कि बोर्ड भारत में बादाम के व्यापार और विपणन अभियान पर निरंतर अपने संसाधन खर्च करता रहता है।

केंद्र से 13,000 करोड़ रुपए का बकाया नही मिलने से डीजल, पेट्रोल पर वैट बढ़ाना पड़ा: मप्र

भोपाल। मध्य प्रदेश के वाणिज्यक कर मंत्री ब्रजेंद्र सिंह राठौड़ ने केंद्र पर राज्य का तेरह हजार करोड़ रुपए का बकाया नहीं चुकाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसके कारण उसे पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर ;वैट: बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। राठौड़ ने रविवार को यहां संवाददाताओं से कहा, केन्द्र सरकार को विभिन्न मदों में लगभग 13,000 करोड़ रुपए मध्य प्रदेश को देने हैं। हमें कल्याणकारी योजनाएं चलानी हैं इसलिए हमें पेट्रोलियम ईंधन पर वैट बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। सितम्बर में पेट्रोल और डीजल पर वैट पांच प्रतिशत वैट बढ़ा दिया था। यह कदम प्रदेश में अतिवृष्टि से हुए नुकसान को पूरा करने का एक अस्थाई उपाय है। केन्द्र को अगस्त और सितम्बर माह के माल और सेवा कर के 1500 करोड़ रुपए के बकाए के साथ कुल मिलाकर अब तक जीएसटी संबंधी मदों में 3008 करोड़ रुपए का बकाया राज्य के लिए जारी करना है।

मप्र के वन क्षेत्रों में पर्यटकों को आसानी से मिल सकेगी मदिरा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने वन क्षेत्र एवं कम आबादी के पर्यटन क्षेत्रों में अवैध शराब की गतिविधियों को रोकने के लिए रिसॉर्ट बार के लाइसेंस की फीस कम कर दी है। इससे प्रदेश के बाघ अभयारण्य और वन क्षेत्रों में आने वाले देश-विदेश के मदिरा के शौकीन पर्यटकों को अब वहां के रिसॉर्ट बार में आसानी से शराब उपलब्ध हो सकेगी। मध्य प्रदेश के वाणिज्यिक कर मंत्री बृजेन्द्र सिंह राठौर ने रविवार को यहां संवाददाताओं से कहा, प्रदेश सरकार ने वन क्षेत्र और कम आबादी के पर्यटन क्षेत्रों में अवैध शराब की गतिविधियों को रोकने के लिए रिसॉर्ट बार (एफ एल-3) के लाइसेंस की फीस कम कर दी है। उन्होंने कहा, बाँधवगढ़, कान्हा और अन्य वन क्षेत्रों में रिसॉर्ट बार खोलने के हाल ही में 13 नए प्रस्ताव राज्य शासन को प्राप्त हुए हैं।

राठौर ने बताया कि इससे वन क्षेत्र और कम आबादी के पर्यटन क्षेत्रों में अवैध शराब की गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा, बाघ अभयारण्य और वन क्षेत्रों में रिसॉर्ट में बार खोलने के लिए अधिक फीस होने के कारण वहां के रिसॉर्ट मालिक अपने रिसॉर्ट में बार नहीं खोलते थे। इससे इन इलाकों में अवैध शराब की गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल रहा था। इसलिए सरकार ने वहां पर अवैध शराब की गतिविधियों को रोकने के लिए हाल ही में रिसॉर्ट बार के लाइसेंस की फीस कम की।

राठौर ने बताया कि इन इलाकों में बड़ी तादाद में विदेशी पर्यटक भी आते हैं और इससे उन्हें वहां पर आसानी से शराब एवं बियर मिल पाएगी। वर्ष 2019-20 में अभी तक आबकारी ठेकेदारों के विरुद्ध अनियमितता के 62,932 और अवैध रूप से मदिरा निर्माण, परिवहन, भंडारण और विक्रय करने वालों के विरुद्ध 61,511 प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाही सुनिश्चित की गई है।

नागरिकता की नोटबंदी के समान है राष्ट्रव्यापी एनआरसी का विचार : प्रशांत किशोर

भाषा। पटना

राजनीतिक रणनीतिकार एवं जद(यू) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) पर रविवार को एक बार फिर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे देश में एनआरसी लागू करना नागरिकता की नोटबंदी के समान है। किशोर ने ट्वीट किया, राष्ट्रव्यापी एनआरसी का विचार नागरिकता की नोटबंदी के समान है.... जब तक आप इसे साबित नहीं करते, तब तक अवैध है। हम अनुभव के आधार पर जानते हैं कि सबसे अधिक परेशानी गरीबों और वंचित तबके को होगी।

किशोर ने शनिवार को यहां जदयू अध्यक्ष तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बंद कमरे में बैठक के बाद कहा था कि वह नए नागरिकता कानून को लेकर अपने रुख पर कायम हैं। गौरतलब है कि किशोर ने नागरिकता कानून का उनकी पार्टी द्वारा समर्थन किए जाने की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी।

किशोर ने कहा था कि संशोधित नागरिकता कानून बड़ी चिंता की बात नहीं है लेकिन यह प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के साथ मिलकर समस्या बन सकता है। उन्होंने शनिवार को नीतीश के साथ लगभग एक घंटे तक विवादित कानून को लेकर चर्चा की थी। जद(यू) उपाध्यक्ष किशोर ने बैठक के बाद कहा था, पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते उन्हें (नीतीश कुमार को) तय करना है कि कौन सही है और कौन नहीं। मैंने जो विचार प्रकट किए, उन पर कायम हूं। मुझे नहीं लगता कि पार्टी में मेरा कोई दुश्मन है।

मुख्यमंत्री के निकटवर्ती सूत्रों ने बताया कि जनवरी 2019 में संसद में पहली बार नागरिकता संशोधन विधेयक पेश किए जाते समय जदयू ने इसका विरोध किया था लेकिन भाजपा ने जब यह तर्क दिया कि इस विधेयक का लक्ष्य और लोगों को नागरिकता देना है तो कुमार ने रुख बदल लिया था। इस कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत में हिंसा ने कुमार को दुविधा में डाल दिया है। सूत्रों ने दावा किया कि कुमार एनआरसी का विरोध करने के अपने पहले रुख पर अडिग रहेंगे।

इंटरनेट में बाधा

हानिकारक हो सकता है प्रतिबंध

जीवन्त लोकतंत्र कहे जाने वाले भारत में आधिकारिक रूप से 2016 से 2018 के बीच इंटरनेट 158 बार बंद हुआ। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार पिछले वर्ष दुनिया में इंटरनेट बंद होने के 67 प्रतिशत मामलों में भारत जिम्मेदार है। इस वर्ष 134 घटनाओं के साथ भारत में इंटरनेट ब्लैकआउट के 89 मामले हुए और केवल कश्मीर में यह चार महीने से बंद है। इसके अलावा मोबाइल नेटवर्क भी बंद होते हैं। अनाधिकारिक रूप से हमें दुनिया की 'इंटरनेट शटडाउन राजधानी' कहा जाता है। दुनिया में तानाशाही सरकारें सूचनाओं पर प्रतिबंध लगा कर अपने खिलाफ भावनायें भड़कने से रोकती हैं। सरकारी नियंत्रण के तरीकों में बाधा डालने के कारण इंटरनेट निशाना बनता है। हालांकि, यह जनता को एक-दूसरे के निकट ला कर उनको निर्णयों में भागीदार बनाता है। मोदी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा तथा फर्जी खबरों के प्रसारण के नाम पर प्रतिबंध को उचित ठहरा सकती है, पर यह सुरक्षा देने के बजाय हानिकारक हो सकता है। जब लोग अपने विचार स्थापित संप्रेषण नेटवर्कों पर नहीं व्यक्त कर पाते हैं तो उनमें गुस्सा पैदा होता है। इससे अवस्थापना को चुनौती देने के लिए हिंसा भड़कती है जो पूर्वोत्तर, खासकर असम में दिखती है। सैनिक कार्रवाइयों तथा शरणार्थियों को धर्माधारित नागरिकता देने संबंधी नए कानून के बारे में स्थानीय बेचैनी की खबरें दबाने से पूर्वोत्तर में हिंसा भड़की है। मूल निवासियों को चिन्ता है कि बाहरी लोग उनके रोजगार तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था पर कब्जा कर लेंगे। असमी बाहरी लोगों को अपने यहां नहीं बसाना चाहते हैं तथा उनकी चिन्ता को संबोधित किया जाना चाहिए। मुख्यभूमि की बात अलग किस्म के भारत के बाहरी हिस्सों में

कारगर नहीं है। वास्तव में, सही सूचनाओं के अभाव में अफवाहों का बाजार गरम है, जैसे कहा जा रहा है कि पांच करोड़ हिंदू आप्रवासियों को नागरिकता दी जा रही है। दूसरे देशों में भारत की बिगड़ती छवि भी बड़ी समस्या है।

शायद सरकार इंटरनेट को खतरे की तरह देख रही है, पर वह इसके सामाजिक परिणामों को अनदेखा कर रही है। चार महीनों की बंदी का अर्थ है कि कश्मीरी वाट्सएप प्रयोग में अक्षम हैं, जबकि यह चैट प्लेटफार्म न केवल उनको व्यक्तिगत बातचीत करने और सूचनायें रखने का अवसर देता था, बल्कि उन समूहों की भी सहायता करता था जो विभिन्न गैर-राजनीतिक मुद्दों पर संगठित थे। इससे छात्रों को सबसे ज्यादा कठिनाई हुई है। वे नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं, पेशेवर पाठ्यक्रमों व नौकरियों के आनलाइन फार्म नहीं भर सकते हैं। घाटी में एग्रीगेटर बिजनेस बंद होने के कगार पर हैं क्योंकि वे सेवा की प्रार्थनायें पूरी नहीं कर सकते हैं। इससे स्थानीय बिजनेस भी प्रभावित हैं क्योंकि आनलाइन लेनदेन संभव नहीं है, फिर चाहे वह टेंडर भरना, टैक्स जमा करना या नेट बैंकिंग हो। खबरें हैं कि समय पर टैक्स न अदा करने के कारण 16,000 व्यापारियों के जीएसटीएन पोर्टल बंद हो गए हैं। टेलीमेडिसिन व दूरस्थ शिक्षा पर इसके भयावह परिणामों का अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता है। घेरेबंदी की स्थिति में मूल आवश्यकतायें पूरी करना ही सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। इससे जीवन को पुन: व्यवस्थित करना पड़ता है। ऐसे में डिजिटल इंडिया या कैशलेस अर्थव्यवस्था जैसी बातें सपना बन जाती हैं। जुलाई, 2016 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने इंटरनेट प्रतिबंध की निन्दा की थी। विडंबना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेट का प्रयोग कर ऐसे लोगों को आश्वासन दिया है जिनका यह अधिकार ही खतरे में है। शायद यह संदेश उनके अपने समर्थकों के लिए था।

अफगानिस्तान में चिंताजनक हालात

अफगानिस्तान में एक अमेरिकी अड्डे पर तालिबान हमले से अनेक सवाल खड़े होते हैं। काबुल पर प्रस्तावित शांति समझौते का व्यापक प्रभाव पड़ेगा और उसे सबसे बुरी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के परामर्शकारी संपादक हैं)

अमेरिका और तालिबान के बीच 7 दिसंबर को शांति वार्ता पुन: शुरू हो गई, जबकि 9 सितंबर, 2019 को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इनको 'मृत' घोषित कर दिया था। उनके बयान के बाद तालिबान का अमेरिकी अड्डे पर हमला हुआ जिसमें एक अमेरिकन सैनिक समेत 12 लोग मारे गए। बुधवार 11 दिसंबर को एक कार बम धमाके में कम से कम दो नागरिक तथा 73 अन्य घायल हुए। इसके बाद तालिबान ने बगराम हवाईअड्डे पर हमला बोला। यहां दो सवाल पैदा होते हैं। क्या बुधवार का हमला तालिबानों ने किया था? तथा अब क्या होगा?

इसके दो त्वरित जवाब संभव हैं। पहला, तालिबान वार्ता में बाधा डालना चाहते थे। दूसरा, वे जमीन पर कब्जा बनाए रखने की अमेरिकी दृढ़ता का परीक्षण करना चाहते थे। तीसरा, वे विभाजित हैं और उनका एक हिस्सा वार्ता बहाल करने के पक्ष में नहीं है। इसी कारण बुधवार का हमला इस उम्मीद से किया गया था कि वाशिंगटन वार्ता से बाहर निकल जाएगा।

पहले अनुमान का विरोध करने वालों का तर्क होगा कि तालिबान उस वार्ता में क्यों बाधा डालता जिसमें वे स्वयं सहभागी थे। यह भी कहा जा सकता है कि 19 नवंबर को कैदियों की अदला-बदली से वार्ता के प्रति उनकी गंभीरता स्पष्ट होती है। इस अदला-बदली में तालिबान ने एक अमेरिकी व एक आस्ट्रेलियाई विद्वान तथा अफगान सुरक्षा बलों के 10 सैनिकों को रिहा किया था, जबकि अफगान सरकार ने तीन तालिबान नेताओं को छोड़ा था।

हालांकि, तालिबानों की इस सोच की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है कि इस बार उकसावे के बावजूद अमेरिकी वार्ता से अलग नहीं होंगे। उनका विश्वास था कि वार्ता बहाली से ट्रंप प्रशासन की गंभीरता स्पष्ट होती है और उसकी निराशा के चलते वार्ता से अधिकतम लाभ प्राप्त हो सकता है। इससे यदि सारे नहीं तो अधिकांश अमेरिकी सैनिक अपने देश लौट जाएंगे। यह निराशा इस कारण और बढ़ जाती है कि ट्रंप महाभियोग प्रक्रियाओं का सामना कर रहे हैं और 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

निकट आ रहे हैं। ऐसे में शांति वार्ता और अमेरिकन सैनिकों की देश वापसी उनकी उपलब्धि मानी जाएगी तथा दूसरे कार्यकाल के लिए बढ़त में सहयोगी होगी। ऐसे में तालिबानों का यह सोचना उचित था कि यदि वे वार्ताओं की गति बनाए रखते हैं तो ट्रंप प्रशासन उनको ऐसा समझौता देगा जो राष्ट्रपति चुनाव निकट आने के साथ ही लागू हो जाएगा।

इससे यह सवाल पैदा होता है कि वे कैसा समझौता चाहते हैं? पहला, उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे वर्तमान अफगान संविधान नहीं स्वीकारेंगे जिसे लोया जिरगा, यानी विधायी कार्य वाली व्यापक आदिवासी परिषद ने 2004 में स्वीकार किया था। उन्होंने अपनी ओर से 2005 में इस्लामी अफगानिस्तान अमीरात की व्यवस्था पेश की थी। यह दस्तावेज उनके द्वारा तैयार होने वाले संविधान में केन्द्रीय स्थान पर होगा। यह मूल रूप से उन राजनीतिक संरचनाओं से अलग होगा जिनको वे बनाना चाहते हैं। तालिबान कार्रवाइयों पर सरसरी नजर डालने से स्पष्ट होगा कि वे थोड़े से समय में क्या करना चाहते हैं।

अफगान संविधान ने सरकार की लोकतांत्रिक व्यवस्था बनाई है जिसमें लोकप्रिय रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति राज्य व

> **यह कल्पना करना कठिन है कि वर्तमान अफगान संविधान तथा रूढ़िवादी इस्लामी धर्मतंत्र बनाने वाले इस्लामी अमीरात अफगानिस्तान संविधान के बीच विरोधाभास कैसे दूर किए जाएंगे। इससे यह सवाल पैदा होता है कि क्या ट्रंप प्रशासन समझौते में संवैधानिक व्यवस्था बदलना स्वीकार कर लेगा। जुलाई, 2018 में तालिबानों से सीधी वार्ता की शुरुआत के समय उसने इस बात पर जोर नहीं दिया था कि अफगान सरकार वार्ता में सहभागी होगी**

सरकार का मुखिया होता है। इसके उलट तालिबान की व्यवस्था अफगानिस्तान की कल्पना मुल्ला मुहम्मद के नेतृत्व वाले इस्लामी अमीरात की है। दोनों व्यवस्थाओं की विधायी व न्यायिक शाखाओं में भारी अंतर है। अफगान संविधान ने दो सदनों वाली राष्ट्रीय असेम्बली गठित की है जिसमें निचले सदन का प्रत्यक्ष नेतृत्व होता है तथा राष्ट्रपति सिनेटरों को नियुक्त करता है। इसके उलट तालिबान व्यवस्था में एक सदन वाली इस्लामी परिषद की कल्पना की गई है जो सर्वोच्च विधायी संस्था होगी। उसके सदस्यों की नियुक्ति अमीरुल मोमिनीन, यानी विश्वासियों के कमांडर द्वारा की जाएगी जो जिहाद व शरीयत की उनकी समझदारी पर आधारित होगी। इस व्यवस्था में यह उल्लेख नहीं है कि अमीरुल मोमिनीन का चयन कैसे होगा और कोई व्यक्ति यह भूमिका कब तक अदा करेगा। लेकिन यह स्पष्ट है कि वह एक मुस्लिम पुरुष होगा जो इस्लामी न्यायशास्त्र के हनफी विचारों का पालन करेगा।

यह कल्पना करना कठिन है कि वर्तमान अफगान संविधान तथा रूढ़िवादी इस्लामी धर्मतंत्र बनाने वाले इस्लामी अमीरात अफगानिस्तान संविधान के बीच विरोधाभास कैसे दूर किए जाएंगे। इससे यह सवाल पैदा होता है कि क्या ट्रंप प्रशासन समझौते में संवैधानिक व्यवस्था बदलना स्वीकार कर लेगा। जुलाई, 2018 में तालिबानों से सीधी वार्ता की शुरुआत के समय उसने इस बात पर जोर नहीं दिया था कि अफगान सरकार वार्ता में सहभागी होगी क्योंकि तालिबान लंबे समय से जोर दे रहे थे कि वे शांति वार्ता केवल अमेरिकनों से करेंगे। अब यह वार्ता फिर शुरू हो गई है, जबकि जमीन पर तालिबानों की आक्रामकता बनी हुई है।

बुधवार के हमले को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। एक स्तर पर यह तालिबानों द्वारा अमेरिकी प्रतिक्रिया का आंकलन है कि उनको इस बिंदु तक पीछे धकेला गया है जहां समझौते के बाद तालिबान काबुल तक पहुंच कर पाकिस्तानी सेना व उसकी वायुसेना की सहायता से अफगानिस्तान पर कब्जा कर लेंगे। दूसरे स्तर पर तालिबान अफगान सरकार और उसके सुरक्षा बलों को हतोत्साहित करते हुए धीरे-धीरे आक्रमण झेलने की उनकी क्षमता पूरी तरह समाप्त कर देगा। ये दोनों स्थितियां संभव हैं।

हालांकि, एक तीसरी संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। तालिबान विभाजित हैं और उनका एक तबका वार्ता बहाल करने के पक्ष में नहीं है। उसने बुधवार को हमला इस उम्मीद से किया था कि वाशिंगटन वार्ता से हट जाएगा। हमले की परिस्थितियां अगले कुछ दिनों में स्पष्ट होंगी।

निश्चित रूप से अफगान सरकार पर किसी शांति समझौते का भारी प्रभाव पड़ेगा और अमेरिकी सैन्यबलों की वापसी के बाद उसे अपनी सुरक्षा स्वयं करनी होगी। इसके लिए उसे पहले अपने भीतर व्याप्त गहरे मतभेदों को दूर करना होगा। सितंबर, 2019 में हुए राष्ट्रपति चुनावों के परिणाम आने के समय ये मतभेद उभर कर सामने आए थे। निवर्तमान राष्ट्रपति उस्मान गनी तथा उनके मुख्य विरोधी अब्दुल्ला अब्दुल्ला के बीच परिणामों पर गंभीर विवाद था। दोनों नेताओं को यह अवश्य याद रखना चाहिए कि तालिबान कब्जे का अर्थ मध्युगीन बर्बरता की वापसी होगा, महिलाओं को घरेलू गुलामों की स्थिति में धकेल दिया जाएगा तथा उनका जीवन सारी गरिमा व मनोरंजन से वंचित हो जाएगा।

इस बीच भारत का अफगानिस्तान में बहुत कुछ दांव पर लगा है और उसे अपने विकल्पों का आंकलन करना होगा। भारत को उसे सभी आवश्यक सहायता देने के लिए तैयार रहना जिसमें सैनिक साजोसामान की सप्लाई भी शामिल है। अफगान सरकार को अपने पैरों पर खड़ा रखने के लिए यह जरूरी होगा।

जेएनयू की छवि बिगाड़ने के प्रयास

राहु कश्यप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रकरण में देश की पहचान खराब हो रहा है और सोशल मीडिया इस संस्थान को राक्षस की तरह पेश कर रहा है। दोषी ठहराने के पहले सवाल यह है कि क्या हम अतिरंजना नहीं कर रहे हैं? मुझे डर है कि समाज के रूप में हम बाजार संचालित उपभोक्तावाद के शिकार हो गए हैं तथा हर चीज का बाजार मूल्य लगा रहे हैं। इस प्रक्रिया में हम वह परिवेश नष्ट कर रहे हैं जो संवाद व तर्क को बढ़ावा देता है। क्या हम इसमें छिपे खतरे को समझेंगे? राष्ट्रवाद व राष्ट्रनिर्माण कभी-कभी हानिकारिक विचार हो सकते हैं।

जेएनयू छात्रों द्वारा कम फीस देने पर काफी हो-हल्ला मच रहा है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है और यदि वह निशुल्क हो तो भी कोई दान नहीं है। हम जेएनयू की निंदा कर शिक्षा के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी समाप्त कर उसे एक वस्तु में बदल रहे हैं। इस प्रकार हम निजी शिक्षा माफिया के हाथों में खेलते हैं। ऐसा कर हम भावी पीढ़ियों के प्रति अपराध कर रहे हैं। वे हमें सदियों तक इसका दोषी ठहराएंगी। यदि आपको यह विचार आश्चर्यजनक लगता हो तो याद करें कि सार्वजनिक दूरसंचार कम्पनियों की छवि खराब करने के लिए उनका कितना मजाक उड़ाया गया और अब निजी क्षेत्र का वर्चस्व हो गया है। एयर एंडिया को लगातार नुकसान पहुंचाकर उसके कुछ हिस्सों पर निजी कम्पनियों ने कब्जा कर लिया है। इस प्रकार, जेएनयू की विश्वसनीयता पर हमले से चिंता व संदेह पैदा होता है। राज्य का स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र से पीछे हटना किसी भी सभ्यता के लिए हानिकारक है। निशुल्क शिक्षा व निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं में लोकतंत्र व कल्याणकारी राज्य में दान के बजाए अधिकार माना जाना चाहिए। ज्यादा विकसित समाज ज्यादा कल्याणकारी होता है और वहां आवश्यक सेवाएं मुफ्त होती हैं। खासकर, स्वास्थ्य व शिक्षा के बाद मुफ्त सार्वजनिक परिवहन का स्थान है।

हम सोशल मीडिया पर प्रशंसा करते हैं कि जापान में एक ट्रेन केवल इसलिए चली कि उस पर एक लड़की स्कूल जाने के लिए बैठी थी। लेकिन जब यह बात अपने देश में आती है तो हम शर्मनाक तरीके से दोहरे मानक अपनाते हैं।

जेएनयू में पढ़ने वाले देश के समान नागरिक हैं और उनके माता-पिता भी कर अदा करते हैं। भविष्य में उसके अधिकांश छात्र भी आयकर अदा करेंगे तथा उनमें से अनेक यह दावा करेंगे कि वे नौकरशाही, मीडिया, विकास क्षेत्र, अकादमिक क्षेत्र व राजनीति में शामिल होकर देश का संचालन कर रहे हैं। केंद्र की वर्तमान अवस्थापना में भी जेएनयू के दो पूर्व छात्र कैबिनेट मंत्री

हैं। एक अध्ययन से स्पष्ट है कि कैबिनेट सुरक्षा समिति में जेएनयू के 40 प्रतिशत पूर्व छात्र हैं। जेएनयू को उत्कृष्टता के एक द्वीप की तरह देखा गया है तथा बार-बार उसे भारत सरकार द्वारा शोध व शिक्षाशास्त्र में उच्च मानकों के लिए पुरस्कृत किया गया है। यह विडंबना है कि भारत में उच्चतर शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध जेएनयू का मजाक उड़ाया जा रहा है। समय की मांग है कि हम अपना तथा आम आदमी का दृष्टिकोण ठीक करें। जानबूझकर इसका सम्मान गिराने से केवल निहित स्वार्थी तत्वों को लाभ होगा। वर्तमान समय में जेएनयू में लगभग 8,000 छात्र हैं। इनकी बहुत कम संख्या चरम वामपंथी समूहों के साथ है जिन्होंने विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को बंधक बना लिया है। पहचान के संकट से ग्रसित तथा राजनीतिक पकड़ के अभाव में ये तत्व उकसावे की कार्रवाई करते हैं, जिनमें राक्षस महिषासुर का सम्मान शामिल है।

दक्षिणपंथी इन तत्वों को शहरी नक्सल कहते हैं जो एक गुंडे की तरह इलाके में अराजकता पैदा करते हैं, क्योंकि मौन बहुसंख्य लोग उनकी अनदेखी करते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इस मौन बहुसंख्यक समूह की ओर ध्यान दिया जाए। विश्वविद्यालय में कई प्रकार की वैचारिक धाराएं हैं। समय आ गया है कि वे ज्ञान व सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से इन तत्वों को चुनौती देनी चाहिए।

इन तत्वों से निबटना आवश्यक है ताकि बड़ी संख्या में सामाजिक व आर्थिक रूप से वंचित तबके के छात्रों को अकादमिक परिसर में शांति मिल सके। समस्या इसलिए जटिल हो जाती है कि आधिकारिक वामपंथ इन विघटनकारी तत्वों का समर्थन करता है और अकादमिक संस्थानों पर अपनी पकड़ बनाए रखता है। हालांकि, यह पकड़ कमजोर पड़ रही है पर पूर्वाग्रह आधारित शोध को अभी चुनौती नहीं मिली है, जबकि उसकी पूरे भारत में राजनीतिक प्रासंगिकता कम हो रही है। जेएनयू संभवत: ऐसे लोगों को मुंह छिपाने और प्रतीकात्मक विश्वास पैदा करने का अवसर देता है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन व विरोध को किसी स्वस्थ व जीवंत लोकतंत्र में मजाक नहीं कहा जा सकता। वास्तव में हमें जेएनयू जैसे अधिक परिसरों की आवश्यकता है जहां छात्र जिज्ञासु हों, बौद्धिक रूप से आगे बढ़ने की इच्छा रखें व लोकतांत्रिक गतिविधियों में शामिल हों। इसी प्रकार हम भावी भारत का निर्माण कर सकते हैं। मीडिया, खासकर टेलीविजन में इस मुद्दे पर एक विकृत भूमिका देखने को मिली है। अत्यधिक गुस्से व अति नाटकीयता का प्रदर्शन करने वाले एंकर समाज व राजनीति की कमियों को नहीं समझते हैं। टेलीविजन स्टूडियो से पैदा होने वाले नाटक का नेतृत्व बौद्धिक रूप से दीवालिया व शैक्षिक रूप से अधकचरे एंकर करते हैं जो अपनी सीमाओं व गहरी जड़े जमाए पूर्वाग्रहों को सामने लाते हैं। चैनलों के प्रबंधनों को इस पर ध्यान देना चाहिए।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि जेएनयू सर्वाधिक जेंडर हितैषी है और महिलाएं इस परिसर में सर्वाधिक सुरक्षित हैं। इसलिए, कोई आश्चर्य नहीं कि निर्भया मामले में प्रदर्शन की शुरुआत कहीं और नहीं बल्कि यहीं से हुई थी। लोग यह नहीं समझते कि जेएनयू जैसे विश्वविद्यालयों को राक्षस की तरह पेश करने का प्रभाव आईआईटी व आईआईएम जैसे सभी संस्थानों पर पड़ेगा। हमें इतना संकुचित दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए। आईआईटी व आईआईएम की फीस में भी भारी बढ़ोतरी की गई है इसका भी विरोध होना चाहिए। आईआईटी व आईआईएम के छात्रों को भी प्रभावी रूप से विरोध करना व अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीखना होगा। हमें भारत में और अधिक जेएनयू जैसे परिसरों की आवश्यकता है। भारत के प्रति चिंता करने वाले सभी लोगों को इस लक्ष्य के लिए संघर्ष करना चाहिए।

आप की बात

नौकरशाही का विकल्प

प्रशासनिक प्रणाली में, नौकरशाही प्रमुख भूमिका निभाती है क्योंकि सिविल सेवक अथवा बाबू लोग निर्वाचित सरकार की नीतियों को तर्कसंगत, दक्षतापूर्ण एवं पक्षपात-रहित तरीके से क्रियान्वित करने का दायित्व निभाते हैं। हालांकि, लोगों को प्राय: अनुभव हुए हैं कि जब मामला क्रियान्वयन का आता है, तो निष्पादन असंतोषजनक होता है जो खराब जनसेवा और लगभग सेवाएं मुहैया न हो पाने के रूप में सामने आता है। और, इसके बहुत से कारकों में से एक है नेताओं, नौकरशाहों एवं अन्य निहित स्वार्थों के बीच का गठजोड़। इस पर विश्वास करने के बाध्यकारी कारण हैं। और, आश्चर्य है कि भारी कीमत चुकानी पड़ती है। जबकि बहुत से लोग महसूस करते हैं कि नौकरशाही पहलकदमियों को बाधित करती है, जोखिम लेने की क्षमता को क्षीण करती है और सृजनात्मकता का दमन करती है, अन्य लोगों को लगता है कि हमारे वृहद और विविधतापूर्ण देश में नौकरशाही अपरिहार्य है। मगर वर्तमान समय में प्रशासन में लोचशीलता लाने के लिए प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से नौकरशाही का कोई उपयुक्त विकल्प खोजने का प्रयास करते हुए शोध किया जाना चाहिए।

– **शिवाशीष,** वाराणसी

दरिंदों का एनकाउंटर हो

मॉबलिंचिग और एनकाउंटर में इतना ही फर्क है कि एक में पगलाई और प्रायोजित भीड़ किसी के इशारे पर किसी निरपराध की हत्या करती है, जबकि दूसरे में पुलिस किसी के इशारे पर किसी निरपराध की हत्या करके अपने कर्तव्य की इतिश्री करती है, परन्तु उक्त दोनों ही घटनाओं में असली शातिर अपराधी नेपथ्य में छिपे रहते हैं और पर्दे पर कुकृत्य करते लोग भीड़ में सम्मिलित लोग और पुलिस केवल मंच पर अभिनय करते अभिनेता होते हैं। इस नाटक के असली सूत्रधार तो सदा पर्दे के पीछे रहते हैं। हैदराबाद पशु चिकित्सक का बलात्कार और उन्हें जला देने के केस में जिस प्रकार घटनाएं तेजी से घूमीं और आनन-फानन में जिस प्रकार कथित चारों बलात्कारियों को हैदराबाद की पुलिस द्वारा तुरंत पकड़कर घटना के रिक्रिएशन करने के नाम पर एक दिन अलू सुबह एक कहानी गढ़कर एनकाउंटर कर दिया गया और इस देश की न्यायिक व्यवस्था की लचर ढीली और कछुआ चाल से त्रस्त भारतीय जनता हैदराबाद एनकाउंटर करने वाले पुलिस टीम पर पुष्प वर्षा करके अपनी हार्दिक अभिव्यक्ति प्रकट की,वह बहुत हद तक जनता को न्यायालयों द्वारा न्याय न दिखने की स्वाभाविक परिणिति है।

– **निर्मल कुमार शर्मा,** गाजियाबाद

चिंतन करे विपक्ष

लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। विपक्ष कमजोर अथवा दिशाहीन होने पर लोकतंत्र भी कमजोर हो जाता है। वर्तमान में यही हो रहा है। वास्तव में विपक्ष की भूमिका सत्ता में विद्यमान लोगों को जनता के हितों के मुद्दों को गंभीरता से उठाना ही है। किंतु वर्तमान में भारत के विपक्ष की भूमिका संतोषजनक स्थिति से भी नीचे दिख रही है। हाल ही में शीतकालीन सत्र चल रहा है जिसमें विपक्ष के पास सत्ता पक्ष को बेरोजगारी जैसे कई गंभीर मुद्दे पर घेरने का अवसर था किंतु विपक्ष दूसरे मामलों में ही उलझा है। एक तरफ विपक्ष जनहित के मुद्दों का नहीं उठा रहा बल्कि राष्ट्रहित के मुद्दे एवं भारत की छवि खराब होने जैसे मुद्दों पर सरकार का विरोध कर आमजनमानस में अपनी ही छवि खराब कर लेता है। जैसे हाल ही में राहुल गांधी ने बलात्कार के विरोध में दिये नये नारे, रेप इन इंडिया, से भारत की संस्कृति पर ही प्रश्न चिन्ह खड़े कर दिए। विपक्ष को चिंतन कर अपनी इस छवि को सुधारना होगा और जनहित मुद्दों को सरकार के समक्ष दृढ़ता से रखना होगा।

– **अभिनव दीक्षित,** बांगरमऊ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

सभी पुरुष बलात्कारी नहीं हैं। यह भारत का अपमान है। राहुल गांधी को 'रेप इन इंडिया' बयान के लिए दंड दिया जाना चाहिए।

– **स्मृति ईरानी**
केन्द्रीय मंत्री

मैंने कहा था कि पीएम मेक इन इंडिया की बात करते हैं। लेकिन अखबारों में इसके बजाय भारत में अनेक बलात्कारों की बातें होती हैं।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

मेरा मंत्रालय आवश्यकतानुसार काम करता है। मैं आवश्यकता होने पर उद्योग जगत की समस्याओं को संबोधित करती रहूंगी।

– **निर्मला सीतारमण**
वित्त मंत्री

दस करोड़ लोग एक साथ किताब पढ़कर बनाएं वर्ल्ड रिकार्ड: राज्यपाल

● पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ अभियान

● राज्यपाल को भेंट किया वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का प्रमाण पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को रविवार को राजभवन में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन के प्रतिनिधि डॉक्टर योगेश मोहन गुप्ता ने पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ कार्यक्रम के तहत 1 अक्टूबर 2019 को एक साथ 2278 विद्यालयों के 9 लाख 59 हजार 27 विद्यार्थियों द्वारा पुस्तक पढ़ने का रिकॉर्ड स्थापित करने पर, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का प्रमाण पत्र भेंट किया।

इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि अब यह प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश के 10 करोड़ लोग एक साथ पुस्तक पढ़कर ऐसा विश्व रिकार्ड बनायें, जिसे तोड़ना किसी के लिए सम्भव न हो सके। उन्होंने कहा यह तभी सम्भव है जब हम टीम वर्क के साथ कार्य करें क्योंकि टीम वर्क के बिना सफलता प्राप्त नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी जाये। राज्यपाल ने पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ अभियान के अन्तर्गत विशेष योगदान देने वाले अधिकारियों, शिक्षकों, संस्थाओं एवं विद्यार्थियों को विशेष सहयोग प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में प्रमुख रूप से मुख्य विकास अधिकारी मनीष बंसल, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा आलोक कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम के कोआर्डिनेटर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो अनिल मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक डा मुकेश कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी अमर कान्त सिंह तथा जिला समन्वयक बालिका शिक्षा विश्वजीत पाण्डेय शामिल हैं। इसके अलावा राज्यपाल ने कालेजों एवं स्कूलों के

प्राचार्यों एवं प्रधानाचार्यों के साथ-साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले एवं विशेष योगदान देने वाले बच्चों को भी विशेष सहयोग प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

वहीं डॉक्टर गुप्ता ने लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एसपी सिंह को वर्ल्ड बुक ऑफरिकॉर्ड्स की प्रति भेंट की। बता दें कि राज्यपाल की पहल पर ही एक साथ पुस्तक पढ़ने के इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश एक बड़ा राज्य है और यहां की आबादी लगभग 23 करोड़ है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि लखनऊ के लोगों ने एक साथ पुस्तक पढ़कर विश्व रिकार्ड स्थापित किया है।

इसका श्रेय उन सभी को जाता है जिन्होंने इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और इस रिकार्ड के सहभागी बने। उन्होंने कहा कि माता-पिता एवं अभिभावकों को शुरू से ही अपने छोटे बच्चों में पढ़ने की आदत डालने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे केवल पुस्तकें पढ़ें ही नहीं, बल्कि उसे याद भी रखें कि उससे क्या प्रेरणा मिली। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव हेमन्त राव ने इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय एवं विशेष योगदान देने के लिए लखनऊ के पूर्व जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एसपी सिंह की प्रशंसा की।

बहुगुणा का व्यक्तित्व और कृतित्व सभी के लिए आदर्श

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● युवा महोत्सव के समापन सत्र को राज्यपाल ने किया संबोधित

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में स्वर्गीय हेमवती नन्दन बहुगुणा जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित युवा महोत्सव के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय हेमवती नन्दन बहुगुणा का व्यक्तित्व व कृतित्व हम सभी के लिये एक आदर्श है। उन्होंने छात्र जीवन से ही राजनीति में हिस्सा लेना प्रारम्भ कर दिया था। सन् 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र संघ के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में छात्रों का नेतृत्व किया, जिसके लिये उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश में मंत्री, वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री तथा केन्द्रीय मंत्री के रूप में उल्लेखनीय कार्य किये। स्वर्गीय हेमवती नन्दन बहुगुणा अपने प्रशासनिक एवं संगठनात्मक क्षमता के लिये सदैव याद किये जाते रहेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि भारत प्रतिभाओं का देश है और यह अच्छा संकेत है कि 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम के आयु वालों की है। हमारे युवाओं में बहुत प्रतिभा है, लेकिन इस युवा शक्ति का सही उपयोग कैसे किया जाए, इस पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा तथा उनकी क्षमता को सही दिशा देकर राष्ट्र के विकास में लगाना आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि हमारी युवा आबादी में जोश है, साहस है, विशिष्ट करने की क्षमता भी है। जरूरत है कि इस जोश, साहस और विशिष्ट क्षमता को देश हित में प्रयोग करने की। इस कार्य हेतु हमारे युवाओं को सही दिशाए, जानकारी तथा उचित अवसर प्रदान किया जाए तो वे विश्व पटल पर भारत का नाम ऊंचा कर देश की महान विरासत को आगे ले जायेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि जब हम युवा वर्ग की बात करते हैं तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसमें लगभग 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की भी है। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिये महिलाओं को भी हर स्तर पर समान अवसर उपलब्ध कराना होगा। हमें यह समझना होगा कि यदि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने ज्ञान और कौशल से एक परिवार को व्यवस्थित कर सकती है तो यदि उसे राष्ट्र के विकास के संदर्भ में समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो निश्चय ही परिणाम अत्यन्त सुखद होंगे। इस अवसर पर राज्यपाल ने हेमवती नन्दन बहुगुणा के जीवन चरित्र पर लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया। युवा महोत्सव को उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी, सांसद रवि किशन, महापौर संयुक्ता भाटिया लखनऊ, विश्वविद्यालय के कुलपति एसके शुक्ला ने भी संबोधित किया।

कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस पर एक बार फिर से हमला बोला है। रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंटस ट्विटर पर मायावती ने लिखा कि शिवसेना अपने मूल एजेंडे पर अभी भी कायम है, शिवसेना ने सावरकर पर कांग्रेस का विरोध किया और कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना के साथ अभी भी बनी हुई है। ये कांग्रेस का दोहरा चरित्र नहीं है तो और क्या है।

सोशल मीडिया अकाउंट पर मायावती ने लिखा कि शिवसेना अपने मूल एजेण्डे पर अभी भी कायम है, इसलिए इन्होंने नागरिकता संशोधन बिल पर केन्द्र सरकार का साथ दिया और अब सावरकर को भी लेकर इनको कांग्रेस का रवैया बर्दाश्त नहीं है। किन्तु फिर भी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना के साथ अभी भी बनी हुई है तो यह सब कांग्रेस का दोहरा चरित्र नहीं है तो और क्या है। मायावती ने लिखा कि अत: इनको, इस मामले में अपनी स्थिति जरूर स्पष्ट करनी चाहिये। वरना यह सब इनकी अपनी पार्टी की कमजोरियों पर से जनता का ध्यान बांटने के लिए केवल कोरी नाटकबाजी ही मानी जायेगी। बता दें कि राहुल गांधी ने शनिवार को भारत बचाओ रैली में मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि मैं मर जाऊंगा, पर माफी नहीं मांगूंगा। मैंने जो कहा है, सच कहा है।

वैसे भी मेरा नाम राहुल गांधी है, राहुल सावरकर नहीं है। माफी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सहयोगी अमित शाह को मांगनी चाहिए, जिन्होंने देश की मजबूत अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। राहुल गांधी के यह बयान शिवसेना को नागवार लगा। शिवसेना नेता संजय राउत ने ट्वीट के जरिये कहा कि गांधी और नेहरू की तरह सावरकर ने भी देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। इन सबका देवता की तरह सम्मान किया जाना चाहिए। इससे कोई समझौता नहीं होगा।

भाजपा सरकार ने जनता की आम जिंदगी दूभर की: अखिलेश यादव

● सपा 19 को हर जिले में करेगी धरना-प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी बृहस्पतिवार 19 दिसंबर को जनपदस्तर पर नागरिकता संशोधन विधेयक एवं बेकारी, किसानों की समस्याओं को लेकर बड़े पैमाने पर धरना प्रदर्शन करेगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने नागरिकता बिल लाकर देश और समाज को बांटने की साजिश की है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की आर्थिक नीतियों के चलते मंहगाई की मार से जनसामान्य त्रस्त है। खाद्यान्न, ईंधन, परिवहन सबके दाम आसमान छू रहे हैं। जनता की आम जिंदगी दूभर हो चली है। महिलाओं, बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही है। प्रदेश में कानून का नहीं वरन् माफियाओं का राज है। छात्रों की बेतहाशा फीस वृद्धि से गरीब व कमजोर शिक्षा से वंचित किए जा रहे हैं। बुनकरों को समाजवादी सरकार में दी गई पावर लूम पर फ्लैट रेट की सुविधा समाप्त कर बिजली सबसे मंहगी उत्तर प्रदेश में कर दी गई है। उन्होंने कहा कि गन्ना, धान, आलू आदि के किसान घोर संकट में हैं। परन्तु प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। बड़ी संख्या में गन्ना किसानों को पर्ची नहीं दी जा रही है जिसके कारण गन्ना माफिया उन किसानों को गन्ना 225 से 250 रुपए प्रति कुंतल बेचने पर मजबूर किया जा रहा है। प्रशासन की मिली भगत से गन्ना माफिया गन्ना केन्द्रों पर गन्ना उतराई शुल्क जबरन वसूल कर रहे हैं। किसानों का पिछले वर्षों का लगभग 5000 करोड़ रूपया गन्ना मूल्य अभी तक गन्ना मिल मालिकों द्वारा भुगतान नहीं किया गया है। वर्तमान गन्ना सत्र का भुगतान मिल मालिकों द्वारा नहीं किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी की मांग है कि किसानों पर लगे फर्जी मुकदमें वापस हों, आर्थिक जुर्माना समाप्त हो, आलू का लाभप्रद समर्थन मूल्य दिया जाए और ओलावृष्टि से नष्ट हुई सरसोंए गेंहू की फसल का मुआवजा किसानों को दिया जाए। उक्त तमाम मुद्दों को लेकर 19 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी द्वारा धरना दिया जायेगा।

उल्लेखनीय काम करने वाले किसानों का 23 को होगा सम्मान

लखनऊ। योगी सरकार 23 दिसम्बर को किसान सम्मान दिवस मनाएगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रदेश के कृषकों को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी विशेष सचिव कृषि शिवराम त्रिपाठी ने दी। उन्होंने बताया कि 23 दिसम्बर को स्व. चौधरी चरण सिंह पूर्व प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को 'किसान सम्मान दिवस' के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। श्री त्रिपाठी ने बताया यह कार्यक्रम कृषि भवन स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम में परम्परागत खेती में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ऐसे किसानों को सम्मानित भी किया जायेगा, जिन्होंने कृषि विविधीकरण अथवा औद्योगिक खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये हों। उन्होंने यह भी बताया कि इसके अतिरिक्त उद्यान, डेरी, पशुपालन एवं शाक भाजी उत्पादन हेतु चयनित किसानों को भी इस अवसर पर सम्मानित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

रविवार को आईडीआई अबेकस स्टेंट लेवल कम्पटीशन में पुरस्कार वितरण करते हुए मण्डलायुक्त लखनऊ, साथ में प्रीति कुमार। पायनियर

निजीकरण व एक्ट में संशोधन के विरोध में आठ जनवरी को हड़ताल पर रहेंगे बिजली कर्मी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नेशनल कोआर्डिनेशन कमीटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस एंड इन्जीनियर्स के अवाहन पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट में किये जा रहे संशोधन एवं केंद्र व राज्य स्तर पर चल रही निजीकरण की कार्यवाही के विरोध में तथा पुरानी पेंशन बहाली के लिए देश के लगभग 15 लाख बिजली कर्मचारी और इंजीनियर 8 जनवरी को एक दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल, कार्य बहिष्कार पर रहेंगे।

नेशनल कोआर्डिनेशन कमीटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस एंड इन्जीनियर्स ने यह भी एलान किया है कि यदि निजीकरण करने के लिए इलेक्ट्रिसिटी एक्ट में संशोधन करने के लिए आर्डिनेंस जारी करने की कोशिश हुई तो बिना और कोई नोटिस दिए देश भर के बिजली कर्मचारी व इंजीनियर उसी समय लाइटनिंग हड़ताल पर चले जाएंगे। फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने कहा कि बिजली उत्पादन के क्षेत्र में निजी घरानों के घोटाले से बैंकों का ढाई लाख करोड़ पहले ही फंसा हुआ है फिर भी निजी घरानों पर कोई कठोर कार्रवाई करने के बजाय केंद्र सरकार नए बिल के जरिये बिजली आपूर्ति निजी घरानों को सौंप कर और बड़े घोटाले की तैयारी कर रही है।

उन्होंने बताया कि नेशनल कोआर्डिनेशन कमीटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस एंड इन्जीनियर्स की समन्वय समिति में ऑल इण्डिया पॉवर इन्जीनियर्स फेडरेशन, ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ़ पॉवर डिप्लोमा इंजीनियर्स, इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस फेडरेशन ऑफ़ इण्डिया, ऑल इन्डिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस, इण्डियन नेशनल इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन, ऑल इन्डिया पावरमेन्स फेडरेशन तथा राज्यों की अनेक बिजली कर्मचारी यूनियन सम्मिलित हैं। यह सभी फेडरेशन और प्रान्तों की सभी स्थानीय यूनियनें भी कार्य बहिष्कार में सम्मिलित होंगी।

प्रदेश में सभी ऊर्जा निगमों के तमाम कर्मचारी व इंजीनियर 8 जनवरी को एक दिन का कार्य बहिष्कार शुरू करेंगे। कार्य बहिष्कार के दौरान बिजली कर्मचारी कोई कार्य नहीं करेंगे और कोई फाल्ट होने पर उसे एक दिन बाद ही अटेण्ड किया जाएगा। दुबे ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट में किये जा रहे जनविरोधी प्रतिगामी प्राविधानों का बिजली कर्मचारी और इन्जीनियर्स प्रारम्भ से ही विरोध करते रहे हैं और इस सम्बन्ध में केंद्र सरकार को लिखित तौर पर कई बार दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि संशोधन पारित हो गया तो सब्सिडी और क्रास सब्सिडी तीन साल में समाप्त हो जाएगी जिसका सीधा अर्थ है कि किसानों और आम उपभोक्ताओं की बिजली महंगी हो जाएगी जबकि उद्योगों व व्यावसायिक संस्थानों की बिजली दरों में कमी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि संशोधन के अनुसार हर उपभोक्ता को बिजली लागत का पूरा मूल्य देना होगा जिसके अनुसार बिजली की दरें 10 से 12 रु प्रति यूनिट हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी संविधान की समवर्ती सूची में है और राज्य का विषय है किन्तु यदि निजीकरण के लिए इलेक्ट्रिसिटी एक्ट में संशोधन किया गया तो बिजली के मामले में केंद्र का वर्चस्व बढ़ेगा और राज्यों की शक्ति कम होगी अत: इस दृष्टि से भी जल्दबाजी करने के बजाये संशोधन बिल पर राज्य सरकारों, बिजली उपभोक्ताओं और बिजली कर्मचारियों की राय ली जानी चाहिए।

ई कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल एवं जिला महामंत्री नीरज गुप्ता के आवाहन पर विदेशी ई कॉमर्स कंपनियों की मनमानी के विरोध में प्रदेश में व्यापारियों ने सभी जनपदों में व्यापार बंद करके प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने भारत सरकार से इन कंपनियों के खिलाफ नकेल कसे जाने और नियामक आयोग बनाए जाने की मांग की। राजधानी लखनऊ में व्यापारियों को संबोधित करते हुए संदीप बंसल ने कहा कि सरकारों को समझ लेना चाहिए कि व्यापारियों के दम पर अर्थव्यवस्था और सरकार चलती है परंतु जिस तरीके से खुदरा व्यापार में विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनी को खुली छूट देकर खुदरा व्यापार को समाप्त किया जा रहा है किया जा रहा है । यह आसाहनीय हो चुका है। भारत सरकार आंखें मूंदकर बैठी है और व्यापारी की दुकान लूटी जा रही है। संदीप बंसल ने आम जनता से अपील की केवल राष्ट्रहित में अमेरिकन कंपनियों के ऐप से खरीद बंद करें बाजारों में जाएं और व्यापारियों से सामान ले ताकि सामाजिक व्यवस्था चलती रहे लोगों के रोजगार चलते रहे अन्यथा लाखों, करोड़ों लोग बेरोजगारी के मुहाने पर खड़े। उन्होंने

कहा कि भारत सरकार ने अति शीघ्र इस पर निर्णय नहीं लिया तो प्रदेशभर का व्यापारी अपनी दुकानें बंद करके जंतर.मंतर पर एकत्रित होगा। प्रदेश मीडिया प्रवक्ता सुरेश छावलानी ने बताया कि रविवार को उत्तर प्रदेश में राजधानी लखनऊ सहित जनपद देवरिया, सीतापुर, हरदोई, हाथरस, शाहजहांपुर, कानपुर, कानपुर ग्रामीण, गोंडा, गाजियाबाद, कायमगंज, फर्रुखाबाद, रायबरेली, काशी, पडरौना, कुशीनगर, अंबेडकरनगर, प्रताप गढ़, जौनपुर, बरेली, चंदौसी, सम्भल, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, भदोई जनपदों में बंद रहा। राजधानी लखनऊ में ऐशबाग रोड से आंदोलनकारी व्यापारी सैकड़ों की तादाद में संगठन के राष्ट्रीय तक संदीप बंसल के नेतृत्व में जबरदस्त नारेबाजी करते हुए हाथों में तख्तियां लेकर नाका, गणेशगंज, फतेहगंज, अमीनाबाद, नजीराबाद कैसरबाग से होते हुए गांधी प्रतिमा तक पहुंचे जहां पर विशाल सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रमुख व्यापारी नेताओं में प्रदेश मंत्री अमरनाथ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, जिला महामंत्री एवं एल्डिको चिनहट व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता, नगर सचिव आशुतोष खरे, महामंत्री यादवेन्द्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम जलान, उपाध्यक्ष गगन गुप्ता आदि व्यापारी शामिल हुए।

आबकारी व पुलिस विभाग की कार्रवाई में बागपत से 75 पेटी शराब बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आबकारी विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बागपत में चेकिंग के दौरान ईस्टर्न पेरिफेरल हाईवे पर क्रेजी रोमियो ब्राण्ड की कुल 75 पेटी अवैध शराब बरामद की गयी। इन शराब की बोतलों पर फॉर सेल इन अरुणाचल प्रदेश अंकित है। आबकारी आयुक्त संजय आरभुसरेड्डी ने बताया कि आबकारी विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम के चेकिंग अभियान में एक टाटा सफारी संख्या-एचआर-10 एल-5786 से 45 पेटी एवं एक ऑप्टरा शेवरले वाहन संख्या डीएल-05 सीबी-9260 से 30 पेटी क्रेजी रोमियो ब्राण्ड की शराब बरामद की गयी। उन्होंने बताया कि इस कार्यवाही में विकास पुत्र राजेन्द्र के विरुद्ध थाना चांदीनगर में तथा अज्ञात के विरुद्ध थाना खेकड़ा बागपत में आबकारी अधिनियम की धारा के अंतर्गत अलग-अलग एफआईआर दर्ज करायी गयी है। आबकारी आयुक्त ने बनाया कि इसके अतिरिक्त अयोध्या में थाना कुमारगंज अन्तर्गत आबकारी विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 30 गत्तों में अपमिश्रित अवैध शराब, 2630 नकली रैपर, लेबल विभिन्न ब्राण्ड के, 50 लीटर अल्कोहल के साथ-साथ एक जीप जब्त की गई है। इस कार्यवाही में 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा तथा आईपीसी की धारा के तहत मामला पंजीकृत कराया गया।

एकेटीयू बनी ऑनलाइन क्रेडिट कोर्स शुरू करने वाली प्रदेश की पहली टेक्निकल यूनिवर्सिटी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ऑनलाइन क्रेडिट कोर्स शुरू करने वाली प्रदेश का पहली टेक्निकल यूनिवर्सिटीएबन गई है। जुलाई सत्र से 2 क्रेडिट के दो कोर्स शुरू किए जायेंगे। यह कोर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के होंगे। इन कोर्सेज को विवि के बीटेक के स्टूडेंटस के लिए क्रेडिट कोर्स के रूप में आगामी जुलाई सत्र से लागू किया जायेगा।

रविवार को विवि के नोएडा परिसर में विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित कर ऑनलाइन कोर्स संचालित करने पर बैठक आयोजित की गयी। बैठक में निर्णय लिया गया कि विवि अपना प्लेटफार्म विकसित कर अपने छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन कोर्स शुरू करेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 30 घंटे के कोर्स कंटेंट के साथ कोर्स शुरू किये जायेंगे।

विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने बताया कि ऑनलाइन लर्निंग के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ा है। ऐसे में विवि के छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन लर्निंग से जोड़ने के लिए यह कोर्सेज मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा कि आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के क्षेत्र में विवि के छात्र-छात्राओं के कौशल विकास के लिए इन कोर्सेज को क्रेडिट कोर्स के रूप में लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जब कोई भी कोर्स क्रेडिट कोर्स के रूप में लागू किया जाता है तो उसका इम्पैक्ट बढ़ जाता है क्योंकि वह विद्यार्थी के ग्रेड को इफेक्ट करता है। विवि के प्रतिकुलपति प्रो विनीत कंसल ने बताया कि जून माह तक कोर्स कंटेंट को तैयार कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि कोर्स में पंजीयन, अध्ययन, असाइनमेन्ट परीक्षा और परिणाम सभी ऑनलाइन ही होंगे।

पेंशन योजनाओं का प्रचार-प्रसार कराएं अधिकारी: विधायक

● वृहद पेंशन शिविर का तहसील सभागार में हुआ आयोजन

शिविर के दौरान पेंशनर्स को संबोधित करते सदर विधायक

ललितपुर। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा के मुख्य आतिथ्य एवं सीडीओ अनिल कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में नवीन तहसील परिसर में वृहद पेंशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 60 वर्ष से अधिक आयु के पात्र वृद्धजनों का वृद्धावस्था पेंशन हेतु, पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित पात्र महिलाओं का विधवा पेंशन हेतु एवं 18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र दिव्यांगजनों का दिव्यांग पेंशन हेतु तथा एक परिवार अधिकतम दो बच्चियों को 06 श्रेणियों में रू. 15000.00 की धनराशि से लाभान्वित किये जाने हेतु कन्या सुमंगला योजना के अनतर्गत आवेदन-पत्र भरवाये गए। इसके अतिरिक्त शिविर में मेडीकल बोर्ड की टीम द्वारा दिव्यांगजनों का परीक्षणोपरान्त दिव्यांगता प्रमाण-पत्र भी जारी किया गया।

सदर विधायक ने कहा कि आज यहां इस वृहद पेशन शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर के माध्यम से जनपद के अधिक से अधिक लोग लाभांन्वित हो रहे हैं। सरकार समाज के अंमित छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास के लिए पूरी तरह से तत्पर है। गरीबों के कल्याण के लिए विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाएं सरकार द्वारा संचालित की गईं हैं। जनपदवासियों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि उक्त पेंशन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करायें ताकि जनपद के अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। सीडीओ ने कहा कि शासन द्वारा निर्देश दिये गए थे कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में लोगों की सहभागिता बढ़ाने के लिए इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये, साथ ही योजनाओं से सम्बंधित शिविरों का आयोजन कर बड़ी संख्या में लोगों का पंजीकरण कराकर उन्हें लाभान्वित किया जाये। उक्त निर्देशों के क्रम में आज इस शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें जनपद के अधिक से अधिक लोगों का विभिन्न पेंशन योजनाओं में पंजीकरण कराकर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है।

उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि वे किसी भी भ्रम में न रहकर योजनाओं की पूरी जानकारी रखें, साथ ही यदि कोई व्यक्ति आपको भ्रमित करता है तो उसकी सूचना दें। उन्होंने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस शिविर में आने वाले प्रत्येक जनपदवासी को योजनाओं की पूरी जानकारी देते हुए उनका पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें। समाज कल्याण अधिकारी पीयूष चन्द्र राय ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार समय-समय पर विभाग द्वारा इस प्रकार के शिविरों का आयोजन कर जनपदवासियों को लाभान्वित किया जाता है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में वृद्धावस्था पेंशन के 13500 नये लाभार्थी जोड़े गए हैं तथा 1277 दिव्यांगजनों को पेंशन दिलायी गई है। आज के शिविर में वृद्धावस्था के 77 निराश्रित महिला पेंशन के 25 तथा दिव्यांग पेंशन के 4 लाभार्थिओं का पंजीकरण किया गया। इस दौरान सीएमओ डा.प्रताप सिंह, पीडी बलिराम वर्मा, डीडीओ इन्द्रमणि त्रिपाठी, प्रोबेशन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार पटेल, समाज कल्याण अधिकारी पीयूष चन्द्र राय सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

असम और पूर्वोत्तर राज्यों के करीब 400 लोगों ने चेन्नई में प्रदर्शन किया

भाषा। चेन्नई

असम और पूर्वोत्तर राज्यों के करीब 400 छात्रों ने केंद्र के नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ रविवार को यहां प्रदर्शन किया। छात्र यहां मरीना बीच पर एकत्रित हुए। उन्होंने तख्तियां ली हुई थीं जिस पर लिखा था, नो कैब , हम नागरिकता संशोधन विधेयक का विरोध करते हैं। उन्होंने नारेबाजी भी की। बाद में वे तितर-बितर हो गए। असम एसोसिएशन ने यहां कहा कि यह प्रदर्शन असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्य के लोगों ने किया जो चेन्नई में बस गए हैं। उन्होंने कहा, एक संघ के तौर पर हमने अभी प्रदर्शन करने पर फैसला नहीं लिया है। गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ पिछले कुछ दिनों में पूर्वोत्तर भारत में हिंसक प्रदर्शन हुए हैं। इस अधिनियम में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का प्रावधान है। इस बीच, द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने रविवार को अपने प्रमुख एम के स्टालिन का एक वीडियो जारी करते हुए बताया कि वह नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), 2019 का विरोध क्यों करती है। यह वीडियो अन्नादमुक के सीएए को लेकर द्रमुक पर निशाना साधने पर जवाब देने के लिए आया है। अन्नादमुक ने द्रमुक से पूछा था कि क्या उसने श्रीलंका से तमिल शरणार्थियों के लिए भारतीय नागरिकता दिलाने के बारे में कभी एक शब्द भी बोला जबकि वह केंद्र के साथ 17 वर्षों तक सत्ता में रही। सोशल मीडिया पर अपलोड की गई वीडियो में स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध नहीं करेगी अगर इसमें देश में शरण मांग रहे सभी लोगों को शरणार्थी का दर्जा दे दिया जाता है। इस कानून को असंवैधानिक, जन विरोध, विभाजनकारी और दमनकारी बताते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रमुक इसका विरोध नहीं करेगी, अगर इसमें देश में शरण मांग रहे सभी लोगों को शरणार्थी का दर्जा दे दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, हालांकि यह कानून मुस्लिमों के खिलाफ भेदभाव करता है और लोगों के बीच अंतर पैदा करने के लिए धर्म का इस्तेमाल करता है तथा उन्हें विभाजित करता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने आर्थिक मंदी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए सीएए का इस्तेमाल किया। कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों का हवाला देते हुए स्टालिन ने कहा, द्रमुक ने भी तमिलनाडु में कैब के खिलाफ ऐसे ही प्रदर्शनों की अगुवाई की। इस बीच, स्टालिन ने एक ट्वीट कर कहा कि यह देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं और संवैधानिक मूल्यों के लिए शर्म का विषय है कि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को बिना किसी आधार के जन सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में रखा गया है।

बालाबेहट में आदिवासी महिलाओं को शॉल वितरित

● अग्रवाल मारवाड़ी महिला मण्डल का मुख्य उद्देश्य है समाज सेवाः अलका अग्रवाल

संवाददाता। ललितपुर

महिलाओं को शॉल वितरण करतीं संस्था पदाधिकारी महिलाएं

रविवार को अग्रवाल मारवाड़ी महिला मण्डल द्वारा सेवा समर्पण संस्थान के सहयोग से ग्राम बालाबेहट स्थित माँ वरवासिनी देवी मंदिर प्रांगण में 140 आदिवासी जरूरतमंद महिलाओं को गर्म शॉल वितरण किये गये। इस दौरान मण्डल की अध्यक्षा अलका अग्रवाल ने बताया कि मण्डल का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा करना है। इसके अंतर्गत जरूरतमंदों को वस्त्र वितरण करना, गरीब विद्यार्थियों को कॉपी, किताब, पेन आदि का वितरण करना है। इसके अलावा गर्मी के मौसम में प्याऊ लगाकर निःशुल्क पानी की सेवा कार्य विशेष रूप से किये जाते हैं।

मण्डल की सचिव मानसी अग्रवाल ने कहा कि जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाली गरीब महिलाओं को सर्दी के मौसम में गर्म शॉल भेंट कर उनको एवं उनके परिवारों को सुरक्षित करने का एक छोटा सा प्रयास मण्डल की समस्त साथियों के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं मण्डल की वरिष्ठ सदस्य अर्चना अग्रवाल ने कहा कि मण्डल की सभी साथी सदस्यायें सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि समाज में कभी भी कहीं भी किसी भी सेवा कार्य के लिए उनको दायित्व दिया जाता है तो वह उसको करने के लिए सहर्ष तैयार हैं। इस दौरान अंजना, शोभा, मृदुला, स्वाति, पूनम, मोना, प्रमिला, नीना, दीपाली, संगीता, मोहिनी, सोनल, रिचा, अर्चना, कविता, निम्मी, वर्षा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन में सुबोध गोस्वामी व मनीष अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

रणनीतिक इलाकों में बुनियादी संरचनाओं में विदेशी निवेश की समीक्षा कर रही है सरकार

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने देश के संवेदनशील इलाकों में स्थित बुनियादी ढांचे तथा दूरसंचार जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी निवेश की समीक्षा शुरू की है।सूत्रों ने कहा कि देश के सीमाई तथा रणनीतिक स्थानों पर विभिन्न बुनियादी संरचनाओं को नियंत्रण में लेने के लिए सरकार यह सघन समीक्षा कर रही है।उन्होंने कहा कि अब अधिकांश उद्योगों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का स्वचालित तरीका लागू है। इसे देखते हुए इस बात की जरूरत है कि पूर्वोत्तर भारत समेत इन संवेदनशील इलाकों में विदेशी निवेश के बारे में जानकारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने रणनीतिक महत्व को देखते हुए ही भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को बंद नहीं करने का निर्णय लिया है।

स्वेटर वितरण के साथ मेधावियों को किया गया सम्मानित

● प्राथमिक विद्यालय खड़ेतपुरा में आयोजित हुआ कार्यक्रम

विद्यालय में स्वेटर वितरण करते सदर विधायक

ललितपुर। विकास खण्ड बार के प्राथमिक विद्यालय खड़ेतपुरा में निशुल्क स्वेटर वितरण एवं मेधावी छात्र सम्मान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक रामरतन कुशवाहा एवं विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार वर्मा रहे। सदर विधायक ने बच्चों को स्वेटर वितरित करते हुए उनके अभिभावकों को अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरुक एवं सजग रहने का संदेश दिया तथा विद्यालय के भौतिक परिवेश एवं विद्यालय में प्रयोग किये जा रहे टीएलएम की प्रशंसा की। बीसीए ने विद्यालय के अध्यापकों को पूरी लगन व ईमानदारी से बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मौके पर विद्यालय के भौतिक परिवेश एवं शैक्षिक गतिविधियों को बारीकी से देखा एवं विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक के कार्यों की प्रशंसा करते हुए अन्य शिक्षकों को उनके प्रेरणा लेने की अपेक्षा की। डीबीसीएए ने कहा कि इस विद्यालय में जो नवाचार किये गए हैं उन्हें अन्य विद्यालयों में भी प्रयोग किया जाना चाहिए। सदर विधायक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया, साथ ही विद्यालय में वृक्षारोपण भी किया गया। बीईओ बार योगेन्द्र नाथ, जिला पंचायत सदस्य फूल सिंह यादव, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इन्द्रपाल सिंह यादव, प्रभारी प्रधानाध्यापक नीरज तिवारी, स.अ.पूजा दुबे, स.अ. कमलेश कुमार, स्वाती साहू, ऋषभ कुमार जैन, उदयभान उपस्थित रहे। संचालन स.अ.आलोक गुप्ता ने व आभार प्र.प्रधानाध्यापक नीरज तिवारी ने व्यक्त किया।

न्यायालय से लौट रही महिला को धमकाया

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम टीकरा तिवारी निवासी सुशीला पत्नी निब्बू अहिरवार ने एक शिकायती पत्र पुलिस अधीक्षक को भेजा है। पत्र में पीड़ित महिला ने गांव के ही कुछ लोगों पर मुकदमा वापस लेने और राजीनामा करने की धमकी देते हुये अन्यथा की स्थिति में आग लगाकर मार डालने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला ने एसपी को अवगत कराया कि विगत 11 दिसम्बर को वह ए.डी.जे. (एस.सी./एस.टी.) न्यायालय में तारीख करने के लिए गयी हुयी थी। बताया कि तारीख करके वह वापस अपने गांव लौट रही थी। शाम करीब 4 बजे कैलगुवां चौराहा तक वह पहुंची ही थी कि तभी गांव के आधा दर्जन लोगों ने उसे रोक लिया और हरिजन उत्पीड़न अधिनियम के दर्ज कराये गये मुकदमें को वापस लेते हुये राजीनामा करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उक्त लोगों ने गाली-गलौच करते हुये परिवार सहित उसे भी जलाकर मार डालने की धमकी दी है।

बीईएमएल में 28 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच सकती है केंद्र सरकार

कोलकाता। केंद्र सरकार रणनीतिक विनिवेश के जरिए बीईएमएल लिमिटेड में अपनी 28 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री कर सकती है और 26 प्रतिशत हिस्सेदारी को अपने पास बरकरार रख सकती है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति अक्टूबर 2016 में बीईएमएल लिमिटेड में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी किसी चुनिंदा निवेशक को बेचने की सैद्धांतिक मंजूरी दे चुकी है। सरकार की इंजीनियरिंग कंपनी में वर्तमान में 54.03 प्रतिशत हिस्सेदारी है। केंद्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई - भाषा को बताया कि सरकार रणनीतिक विनिवेश के जरिए कंपनी में अपनी 28 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री करेगी। कंपनी के विभिन्न विभागों को अलग करके नई इकाई बनाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने विनिवेश के लिए पहले ही प्रारंभिक कामकाज शुरू कर दिया है। सरकार ने 2019-20 के अंतरिम बजट में विनिवेश के जरिए 90 हजार करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा था। बाद में इसे बढ़ाकर 1.05 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया। केंद्र सरकार ने 2018-19 में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश से 84,972 करोड़ रुपए एकत्र किए थे। जबकि 2017-18 में यह आंकड़ा 1,00,056 करोड़ रुपए था।

गुलदाउदी प्रदर्शनी का मंडलायुक्त ने किया उद्घाटन

बरेली। गुलाबराय मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय श्री नमोनारायण स्मृति वार्षिक गुलदाउदी प्रदर्शनी प्रारम्भ हुई। 20वीं गुलदाउदी प्रदर्शनी में आज का पहला दिन आम जनता के अवलोकनार्थ खुला रहा। प्रदर्शनी का उद्घाटन बरेली मंडल के आयुक्त रणवीर प्रसाद ने किया। उन्होंने सर्वप्रथम श्री नमोनारायण अग्रवाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी के माध्यम से ही लोग प्रकृति की ओर झुकाव एवं जुड़ाव महसूस करते हैं। इससे पहले श्री गुलाबराय ट्रस्ट के अध्यक्ष रवि अग्रवाल, विद्यालय प्रबंधक राजेश अग्रवाल, निदेशक त्रिजित अग्रवाल और प्रधानाचार्य आर एस रावत ने आयुक्त का स्वागत किया। प्रदर्शनी में एसआरएमएस, आईवीआरआई, क्लासिक कॉलेज ऑफ लॉ, विशप कॉनराड, खण्डेलवाल कॉलेज, एसआर इंटरनेशनल स्कूल तथा गंगाशील महाविद्यालय ने अपनी प्रविष्टियाँ उपलब्ध करायी हैं। प्रदर्शनी में व्यक्तिगत तौर पर आशा मूर्ति, देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, विभा वैद्य, फादर हेरॉल्ड, हरीश भल्ला, डॉ शशिबाला राठी, डॉ अनुपम शर्मा, डॉ पुनीत शर्मा आदि ने अपनी प्रविष्टियाँ उपलब्ध करायी है। इस वर्ष प्रदर्शनी में गुलदाउदी की अनेक किस्में प्रदर्शित हैं जिनमें मुख्य हैं बॉल, रिफ्लेक्सड, स्पाइडर, इरेगुलर, इकर्वेद, इंटरमीडियट, क्लिडड, पोम्पोन, कोरियन, डेकोरेटिव, बटन, एनीमोन आदि। इस प्रदर्शनी में 257 प्रविष्टियों के अंतर्गत 839 गमले शामिल हैं। प्रदर्शनी में डॉ नीरू साहनी एवं पूजा अग्रवाल निर्णायक हैं। प्रदर्शनी में संचालन रजनीश त्रिवेदी एवं राहुल मैसी ने किया। शनिवार को बड़ी संख्या में विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों व नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा अपने कैमरों में गुलदाउदी के सुंदर छायाचित्रों को कैद किया। पुरस्कार वितरण आज दोपहर साढ़े बारह बजे किया जाएगा। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के संगठन मंत्री भवानी सिंह व विशिष्ट अतिथि महापौर डॉ. उमेश गौतम हैं।

सुम्मेरा तालाब के आसपास संस्था ने किया वृक्षारोपण

संवाददाता। ललितपुर

पिछले छह वर्षों से अपने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए दृण संकल्पित संस्था ललितपुर जागरूकता अभियान नित प्रतिदिन नये नये आयामों को छूती जा रही है। लगभग चार वर्षों से हमारे शहर की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महाराजा सुम्मेर सिंह की विरासत में स्थित सुम्मेरा तालाब को स्वच्छ व सुन्दर बनाने बीड़ा उठाये।

ललितपुर जागरूकता अभियान ने आज तालाब के बन्ध पर वृक्षारोपण किया। कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली के दिन जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा पूर्णतः सहयोग देने की बात कही गई थी जिसके फलस्वरूप जिला व पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग मिल रहा है और साथ ही हमारी नगर पालिका भी अत: अब ये आलम है।

तालाब व तालाब के बन्ध की नियमित सफाई हो रही है। पुलिस अधीक्षक एम.एम.बेग द्वारा शहर वासियों से निवेदन किया जा रहा है कि तालाब पर स्वच्छ वायु, स्वच्छ वातावरण हेतू सुबह घूमने के लिए आये। शहरवासियों का तालाब के बन्ध पर घूमने लिए आने लगे है। आज तालाब पर उपस्थित अधिमान की अध्यक्षा अर्चना अग्रवाल ने बताया कि जिला व पुलिस प्रशासन और नगर पालिका का इसी तरह सहयोग प्राप्त होता रहा तो बहुत जल्द हमारे सुम्मेरा तालाब भी स्वच्छ व सुंदर दिखने लगेगा।

बताया कि तालाब पर बन्ध पर मुख्य रूप से पीपल, बेल, कंजी, नीम, कदम आदि के पेड़ लगाए। आज तालाब पर डा.आर.के.अग्रवाल, डा.राजकुमार जैन, ब्लॉक प्रमुख कैलाश यादव, डा.मनीष पटवारी, डा.दीपक चौबे, अजय तोमर, जय कुमार जैन, दर्शन सेन, देवेंद्र सेन, आशीष पंथ, उमेश सेन, मन नापित, अमित भारद्वाज, विकास, संजय आदि लोग उपस्थित रहे। अंत में संस्था अध्यक्षा अर्चना अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नागरिकता कानून के विरोध में उतरे महेश भट्ट, कहा-देश हर किसी का है

मुंबई। प्रसिद्ध फिल्मकार महेश भट्ट संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ रविवार को यहां एक प्रदर्शन में शामिल हुए और कहा कि समय आ गया है कि लोग एकजुट हों और संदेश दें कि यह देश हर किसी का है। यह विरोध बैठक मुंबई में डॉ बी आर आंबेडकर के घर राजगृह में आयोजित की गई थी जहां भट्ट के साथ कांग्रेस नेता संजय झा समेत अन्य शामिल हुए। भट्ट ने यहां एकत्र लोगों को संबोधित किया, समय है कि लोग खड़े हों और कहें कि यह देश हम सबका है और यह हम सभी की ताकत एवं इच्छा है जिसे अंततः अभिव्यक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा, वह मोड़ आ गया है, भारत ने रविवार सुबह यह स्पष्ट कर दिया है। यहां आप सबका जुटना इस बात का सबूत है कि भारत की आत्मा जिंदा है। फिल्मकार ने कहा, आज हम खुद को भारत के मूल विचार के प्रति समर्पित करते हैं जिसका इस पवित्र ग्रंथ में हमारे पूर्वजों ने जिक्र किया है और जिसकी हम सब कसम खाते हैं। इस विरोध बैठक में मौजूद सभी ने भारत के संविधान की प्रस्तावना को बारी-बारी पढ़ा।

सिद्धरमैया को मिली अस्पताल से छुट्टी, कहा-अब मैं बिलकुल ठीक हूं

बेंगलुरु। हाल ही में एंजियोप्लास्टी से गुजरे वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने यहां एक निजी अस्पताल से रविवार को छुट्टी मिलने पर कहा कि वह बिल्कुल ठीक हैं। अस्पताल से छुट्टी मिलने से पूर्व यहां संवाददाताओं से सिद्धरमैया ने कहा, अब कोई दिक्कत नहीं है, मैं बिल्कुल ठीक हूं और एक सामान्य व्यक्ति की तरह मैं अपना काम कर सकता हूं। चिंता की कोई बात नहीं है। राजनीतिक गतिविधियों में लौटने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि शुरू करने से पहले एक सप्ताह तक वह आराम करेंगे। सिद्धरमैया (71) का 11 दिसंबर को एंजियोप्लास्टी हुई थी। डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मियों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा, अगस्त, 2000 में उनकी दो रक्त शिराओं में रूकावट आ गई थी फलस्वरूप एंजियोप्लास्टी की गई थी एवं स्टेंट लगाया गया था ....19 साल बाद उन दो रक्त शिराओं में एक में फिर 95 फीसद रूकावट आ गई थी। उन्होंने कहा कि परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने एंजियोप्लास्टी करने का निर्णय लिया और नया स्टेंट लगाया गया। अस्पताल में उन्हें देखने गए मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा समेत अन्य नेताओं को भी धन्यवाद देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा इंसानियत के कारण हुआ और राजनीति में लोग स्थाई दुश्मन या दोस्त नहीं होते हैं। उनका इलाज करने वाले हृदय चिकित्सक डॉ रमेश ने कहा कि उनके शरीर के सभी जैविक मापदंड सामान्य हैं और वह ठीक हैं। उन्होंने कहा , हमने उन्हें ठहलने की सलाह दी है। हमने उन्हें 15 दिनों तक यात्रा नहीं करने को कहा है। कर्नाटक विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद सिद्धरमैया ने विधायक दल के नेता पद से पिछले सोमवार को इस्तीफा दे दिया था।

मृत मिली महिला, परिवार ने एनआरसी के डर से आत्महत्या का दावा किया

वर्द्धमान। पश्चिम बंगाल के पूर्वी वर्द्धमान जिले में 36 वर्षीय महिला मृत पाई गई है और उसके परिवार ने दावा किया कि उसने देशभर में एनआरसी लागू करने के प्रस्ताव से डरकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि जमालपुर पुलिस थाने के तहत आने वाले तेली गांव के जाउग्राम इलाके में शनिवार को शिप्रा सिकदर अपने घर में फंदे से लटकी पाई गई। उन्होंने बताया कि शिप्रा को जमालपुर सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शिप्रा के पति सुभाष सिकदर एक वैन चालक हैं और उनका एक बेटा तथा एक बेटी है। महिला को अपना घर चलाने के लिए मनरेगा से होने वाली आय पर निर्भर रहना पड़ता था। शिप्रा के एक रिश्तेदार बिपुल सिकदर ने बताया कि संसद में नागरिकता (संशोधन) विधेयक पारित होने के बाद से वह परेशान और डरी हुई थी। उन्होंने दावा किया शिप्रा के 19 वर्षीय बेटे के पास आधार कार्ड था लेकिन उसके पास जन्म प्रमाण पत्र और मतदाता पहचान पत्र नहीं था जिसके कारण शिप्रा डरी हुई थी कि उसके बेटे को देश से बाहर निकाला जा सकता है।

पेज एक का शेष

दक्षिणी दिल्ली...

जामिया टीचर्स एसोसिएशन ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसा की निंदा की और कहा कि वह दक्षिणी दिल्ली में आगजनी का हिस्सा नहीं है। एसोसिएशन ने छात्रों से अस्थानीय राजनीतिक नेताओं के नेतृत्व वाले इस तरह के दिशाहीन प्रदर्शन से दूर रहने की अपील की। इस बीच, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ दक्षिणी दिल्ली में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बसों को आग लगाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया। सिसोदिया ने विरोध स्थल की कुछ तस्वीरें भी ट्विटर पर पोस्ट कीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सभी स्कूल सोमवार को बंद रहेंगे। दूसरी तरफ, भाजपा ने हिंसा के लिए आम आदमी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया और मांग की कि वह लोगों को उकसाना बंद करे।

असम में...

रोका जा सके। अधिकारी ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद यह पाया गया कि कुछ सांप्रदायिक संगठन हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं और मिथ्या प्रचार करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, स्थिति के मद्देनजर, प्रशासन ने राज्य के छह जिलों में इंटरनेट सेवा को अस्थाई रूप से रोकने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि दक्षिण 24 परगना जिले में बरुईपुर और कैनिंग उप-मंडलों में इंटरनेट सेवा को स्थगित किया गया है। पुलिस ने कहा कि नदिया, बीरभूम, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और हावड़ा जिलों में हिंसा, लूट और आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं।

नागरिकता कानून ...

प्रदर्शन करने के लिए शनिवार को एकत्र हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राम जन्म भूमि मामले में फैसले के बाद और अनुच्छेद 370 (जम्मू कश्मीर से) हटाए जाने के बाद लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर हुए घटनाक्रमों से आप आश्चर्यचकित होंगे। लंदन में बसे पाकिस्तान के लोगों ने हमारे दूतावास के बाहर प्रदर्शन किए। उन्होंने इस बारे में विस्तार से कहा, क्या किसी भारतीय ने दूतावास के पास प्रदर्शन किया था? यदि कोई मुद्दा होता है तो एक व्यक्ति दूतावास जाता है, अधिकारियों से मिलता है, जो तब केंद्र सरकार को दस्तावेज भेजते हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि देश की छवि धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि नागरिकता (संशोधन) कानून के खिलाफ समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र और पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन हो रहे हैं क्योंकि लोगों को आशंका है कि यह अवैध प्रवास की समस्या को बढ़ा सकता है। मोदी ने केन्द्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, मैं राज्य में हमारी पार्टी द्वारा किए गए विकास कार्यों का लेखा-जोखा रखने यहां आया हूं। मोदी ने दावा किया कि विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने केवल अपने लिए महलों का निर्माण किया और उन्हें लोगों की समस्याओं के बारे में कोई चिंता नहीं थी। उन्होंने झारखंड में विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के पास झारखंड को विकसित करने का कोई रोडमैप या इच्छा नहीं है। उन्होंने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि बिरसा मुंडा, सिद्धू- कान्हू, चांद-भैरव और फुलो- झानो ने अपने निजी फायदे के बारे में सोचा होता तो क्या अंग्रेज भारत छोड़ कर जाते। मोदी ने कहा कि इन महान आदिवासी शहीदों ने अपने निजी हितों से ऊपर उठ कर समाज और देश की सेवा की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उनसे ही अपनी संस्कृति विकसित की है। उन्होंने संसद में स्थानीय भाषा संथाली (झारखंड के संथाल परगना की) के इस्तेमाल के लिए सांसदों को प्रोत्साहित करने तथा हेडफोन पर उसके हिंदी एवं अंग्रेजी अनुवाद सुनिश्चित करने के लिए उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को धन्यवाद दिया। मोदी ने कहा, संथाल परगना की एक समृद्ध भाषा और संस्कृति है। सरकार संथाल परगना में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगी, जहां भगवान शिव का मंदिर (देवघर स्थित) और अन्य मंदिर हैं।

गृह मंत्री ने ...

उन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री से कहा है कि उन्हें इस कानून को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। पूर्वोत्तर में भाजपा की प्रमुख सहयोगियों में से एक असम गण परिषद ने पहले कानून का समर्थन किया था, लेकिन अब इसके विरोध का ऐलान किया है। असम गण परिषद ने वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक के बाद यह फैसला लिया है। असम गण परिषद ने यह भी कहा है कि वह नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। इस मुद्दे पर असम गण परिषद का एक दल प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से भी मिलेगा।

नागरिकता (संशोधन)...

उन्होंने आगे कहा कि नागरिकता कानून पर राजनीति घिनौनी है और विपक्ष ने अनुच्छेद 370 और तीन तलाक कानून को हटाए जाने पर भी ऐसा ही किया था। भाजपा प्रवक्ता ने लंदन में भारतीय दूतावास के बाहर कांग्रेस के प्रदर्शन की निंदा की और आरोप लगाया, पाकिस्तान ने अपना काम कांग्रेस को सौंप दिया। पात्रा ने कहा कि नए कानून का विरोध इसलिए हो रहा है कि इसने कुछ राजनीतिक दलों के तुष्टीकरण के कारोबार को रोक दिया है। उन्होंने कहा, कैब (सिटिजेनशिप एमेंडमेंट एक्ट) का मतलब है कारोबार अब बंद। तुष्टीकरण का उनका कारोबार अब बंद हो गया है।

अदालत में निर्भया के दोषी की अर्जी पर विचार होने के बीच

मृत्युदंड पर छिड़ी बहस

भाषा। नई दिल्ली

मृत्युदंड का 21 वीं सदी में कोई स्थान नहीं है। संयुक्त महासचिव एंतोनियो गुतारेस का बयान भले ही सही लग रहा हो लेकिन 50 से अधिक देशों में अब भी मृत्युदंड की इजाजत है तथा निर्भया सामूहिक बलात्कार एवं हत्या कांड इसकी याद दिलाता है कि मौत की सजा को खत्म करने के मुद्दे का अबतक निपटारा नहीं हुआ है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार जो 50 देश अब भी मृत्युदंड को इजाजत देते हैं उनमें भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान,नाईजीरिया, अमेरिका, ईरान, जापान, कुवैत, बांग्लादेश, इराक, इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात आदि आते हैं। अमेरिका के गैर लाभकारी संगठन डेथ पेनाल्टी इंफोर्मेशन सेंटर कहता है कि 146 ऐसे देश हैं जिन्होंने कानून में इस प्रावधान एवं परिपाटी को पूरी तरह खत्म कर दिया है। भारत अतिवादी मामलों में ही अपराधियों को मृत्युदंड देता है और 1991 से अबतक 26लोगों को फांसी दी गई है। आखिरी बार 2015 में 1993 के बम धमाके मामले के मुजरिम याकूब मेमन को फांसी दी गई थी। उससे पहले संसद हमले के दोषी अफजल गुरू को 2001 में फांसी पर चढाया गया था। मृत्युदंड भारत में चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि निर्भया सामूहिक बलात्कार-हत्याकांड के एक दोषी ने उच्चतम न्यायालय से उसे सुनाई गई मौत की सजा की समीक्षा करने की दरख्वास्त की है।

तीन न्यायाधीशों की पीठ दोषी अक्षय कुमार सिंह की अर्जी पर सुनवाई करेगी। उसके वकील ने समीक्षा याचिका में सवाल किया है कि जब बढ़ते प्रदूषण के चलते वैसे ही जिंदगी छोटी होती जा रही है, तो क्यों मृत्युदंड दिया जाए।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल नौ जुलाई को इस मामले के तीन दोषियों--मुकेश (30), पवन गुप्ता (23)और विनय शर्मा (24) की समीक्षा याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि 2017 के फैसले की समीक्षा के लिए उन्होंने कोई आधार नहीं दिया है। हैदराबाद में 25 साल की पशुचिकित्सक के साथ नृशंस बलात्कार और उसकी हत्या कर दिए जाने तथा उन्नाव में 23 वर्षीय बलात्कार पीड़िता को जला दिए जाने पर पूरे देश में जनाक्रोश फैलने पर बलात्कारियों को मृत्युदंड देने की मांग फिर चर्चा के केंद्र में है। हालांकि अधिकारवादी संगठनों ने मृत्युदंड का विरोध कियाहै। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि यह क्रूर, अमानवीय और अधोगतिकारक है।

मोदी-शी के बीच अनौपचारिक सम्मेलन के सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहे हैं: चीन

भाषा। नई दिल्ली

चीन ने कहा है कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के सकारात्मक प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई दे रहे हैं और यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए भारत के साथ रक्षा तथा सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना चाहता है।

चीनी राजदूत सुन वीदोंग ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मोदी, शी द्वारा तय किए गए द्विपक्षीय व्यापार तथा निवेश को और बढ़ावा देने के लिए दोनों पक्षों के बीच उच्च-स्तरीय आर्थिक और व्यापार संवाद तंत्र को लागू करने के लिए चर्चा चल रही है। राजदूत ने कहा कि चीन क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) पर भारत के फैसले का सम्मान करता है और नई दिल्ली द्वारा उठाए गए मुद्दों का समाधान करने के लिए सभी हितधारकों के साथ काम करने का इच्छुक है। कश्मीर पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चीन की स्थिति स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण और स्थिर माहौल के बिना विकास संभव नहीं है। वीदोंग ने कहा, चीनी और भारतीय नेताओं के बीच दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के सकारात्मक प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, एक अरब से अधिक जनसंख्या और उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले दो प्रमुख विकासशील देशों के रूप में चीन-भारत संबंधों ने द्विपक्षीय आयाम पार कर लिया है।

जम्मू-श्रीनगर से लगभग 115 किमी दूर पटनीटॉप में ताजा बर्फबारी के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग को साफ करता एक बर्फ कटर

कश्मीरी पंडितों के संगठन ने नागरिकता संशोधन कानून का किया स्वागत

जम्मू(भाषा)। विस्थापित कश्मीरी पंडितों के संगठन पनून कश्मीर ने रविवार को संसद के दोनों सदनों से नागरिकता संशोधन विधेयक के पारित होने का स्वागत करते हुए कहा कि संपूर्ण राष्ट्र पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है। पनून कश्मीर के संयोजक अग्निशेखर ने कहा, संसद द्वारा नागरिकता संशोधन विधेयक का पारित होना भारत के राजनैतिकसांस्कृतिक औपनिवेशिकता से पूर्ण रूप से अलग होने के संकल्प को दर्शाता है। राष्ट्रीय एकता के लिए भारतीय मानस का औपनिवेशिकता से अलग होना अत्यावश्यक है। मोदी सरकार द्वारा पाकिस्तान, बांग्लादेश, और अफगानिस्तान में प्रताड़ित किए जा रहे हिन्दुओं को भारत की नागरिकता देने का फैसला औपनिवेशिक दासता के दौरान अत्याचार की सुध लेने का बहुत बड़ा निर्णय है।

फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र को ढोंग बताया

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र ढोंग है जो सोमवार से शुरू होना निर्धारित है क्योंकि उद्धव ठाकरे नीत राज्य सरकार ने मंत्रियों को प्रभारों का आवंटन अभी पूरा नहीं किया है।

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता फडणवीस ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में गलत जानकारी फैला रही है। भाजपा नेता ने कहा कि महाराष्ट्र की वित्तीय स्थिति देश के अन्य राज्यों से बेहतर हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार किसानों को उनके बकाए रिण माफ करने के लिए 23 हजार करोड़ रुपए का भुगतान करे। महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार का नेतृत्व करने वाले ठाकरे ने छह मंत्रियों के साथ 28 नवम्बर को मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। इन मंत्रियों में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के दो-दो मंत्री शामिल थे। 12 दिसम्बर को विभागों के बंटवारे की घोषणा की गई थी। इसके तहत शिवसेना को गृह, उद्योग और शहरी विकास विभाग के प्रभार दिए गए थे, वहीं राकांपा को वित्त और कांग्रेस को राजस्व विभाग का प्रभार मिला था। राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र नागपुर में सोमवार को शुरू होगा और 21 दिसम्बर को समाप्त होगा।

गांधी-नेहरू परिवार के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर पायल रोहतगी हिरासत में

भाषा। कोटा(राजस्थान)

गांधी-नेहरू परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के मामले में पूछताछ करने के लिए राजस्थान पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी को उनके अहमदाबाद स्थित आवास से रविवार सुबह हिरासत में ले लिया।

बूंदी (राजस्थान) पुलिस ने मोतीलाल नेहरु, जवाहरलाल नेहरु, इंदिरा गांधी और गांधी-नेहरू परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री (पोस्ट करने) के लिए अभिनेत्री के खिलाफ 10 अक्टूबर को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कानून के तहत मामला दर्ज किया था। उन्हें इस महीने की शुरूआत में एक नोटिस दिया गया था और इस संबंध में जवाब देने के लिए

कहा गया था। पायल रोहतगी ने ट्वीट किया, मोतीलाल नेहरु पर एक वीडियो बनानेके चलते मुझे राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जिसे (वीडियो को) मैंने गूगल से सूचना एकत्र कर बनाया था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मजाक है एपीएमओइंडिया एएचएपमओइंडिया।

बूंदी पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने पीटीआई भाषा से कहा, पुलिस ने रविवार सुबह पायल रोहतगी को आईटी कानून के तहत एक मामले में पूछताछ के लिए अहमदाबाद स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया। उन्हें पूछताछ के लिए बूंदी लाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चूंकि अभिनेत्री जांच में सहयोगी नहीं कर रही थीं, इसलिए पुलिस की एक टीम उन्हें बूंदी ला रही है। पुलिस अधीक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि अभिनेत्री को औपचारिक रूप से गिरफ्तार नहीं किया गया है। उनकी औपचारिक गिरफ्तारी पूछताछ के बाद किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा, हमारी टीम मामले की जांच के लिए वहां (अहमदाबाद में) थी लेकिन वह सहयोग नहीं कर रही थी। अभिनेत्री ने बृहस्पतिवार को अपनी अग्रिम जमानत केलिए अर्जी दी थी और इस पर सुनवाई सोमवार को होने का कार्यक्रम है। प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव एवं बूंदी निवासी चर्मेश शर्मा ने आपत्तिजनक सामग्री की प्रतियों के साथ एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद अभिनेत्री के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था।

अगले 30 साल जनसांख्यिकीय लाभ के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है: नायडू

भाषा। अहमदाबाद

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि अगले 30 साल जनसांख्यिकीय लाभ के दृष्टिकोण से भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि देश की कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्धि 2055 तक रहेगी। उन्होंने युवाओं को कौशल से लैस करने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जो उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाएगा।

नायडू मध्य गुजरात के वल्लभ विद्यानगर में सरदार पटेल विश्वविद्यालय के 62वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, आज हमारी 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 साल से कम उम्र की है और यह वास्तव में बहुत बड़ा फायदा है। कामकाजी उम्र की आबादी में यह वृद्धि 2055 तक निर्धारित है। इसलिए, अगले 30 साल भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इक्कसवीं सदी की चुनौतियों के लिए हमारे युवाओं को कौशल से लैस करने की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, आज, भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जो उम्मीद और अवसरों से भरा है। उपराष्ट्रपति के रूप में, मैंने कई देशों का दौरा किया है और एक सामान्य बात जो मैंने अनुभव की है वह यह है कि हर किसी का भारत की क्षमताओं, प्रतिभा और प्रयासों में विश्वास है।

सलमान खान के घर में बम विस्फोट की धमकी देने के आरोप में उप्र के किशोर के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई (भाषा)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में रहने वाले 16 वर्षीय एक किशोर के खिलाफ मुंबई पुलिस को ई-मेल भेजकर बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के बांद्रा उपनगर स्थित आवास पर बम धामाका होने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि किशोर ने यह ई-मेल चार दिसंबर को भेजा था। इसमें दावा किया था कि बम सलमान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में फटने वाला है। अधिकारी ने ई-मेल को उद्धत किया, बांद्रा में गैलेक्सी, सलमान के घर पर अगले दो घंटे में धमाका होगा, रोक सकते हो तो रोक लो। उन्होंने बताया कि ई-मेल मिलने बाद पुलिस को हाई अलर्ट किया गया और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिमी क्षेत्र) डॉ.मनोज कुमार शर्मा सहित शीर्ष अधिकारी बम निरोधक दस्ते के साथ सलमान के अपार्टमेंट पहुंचे। बांद्रा थाने के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जब पुलिस अपार्टमेंट पहुंची तब सलमान घर पर नहीं थे। हालांकि, परिवार के सदस्यों को घटनास्थल से दूसरी जगह ले जाया गया। बम निरोधक दस्ते ने पूरे अपार्टमेंट की तकरीबन चार घंटे तक छानबीन की लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बांद्रा पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक विजयलक्ष्मी हीरेमथ ने कहा, जांच के दौरान पुष्टि हुई कि बम विस्फोट की यह धमकी फर्जी थी। उन्होंने कहा, हमने पाया कि ई-मेल गाजियाबाद के किशोर ने भेजा है। हमने उसे नोटिस भेज बांद्रा थाने में उपस्थित होने को कहा।

मुंबई में रविवार को पंजाब और महाराष्ट्र कोऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक के जमाकर्ताओं ने भारतीय रिज़र्व बैंक के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

देश भर के रेलवे स्टेशनों को पर्यावरण अनुमति प्राप्त करने की जरूरत : एनजीटी

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने कहा कि देश भर के रेलवे स्टेशनों को पर्यावरण अनुमति प्राप्त करने की जरूरत है क्योंकि प्रदूषण फैलाने वाली कई गतिविधियां वहां होती हैं।

एनजीटी अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस पर कोई विवाद नहीं है कि पर्यावरण (संरक्षण) कानून-1986 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी लागू होता है। अधिकरण ने रेलवे को निर्देश दिया कि वह वायु (प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण)-1981 और जल (प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण) कानून 1974 को लागू करने को लेकर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की सिफारिशों पर संज्ञान लें। एनजीटी ने स्वच्छ स्टेशन बनाने के लिए कार्ययोजना लागू करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा, सीपीसीबी और संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बड़े स्टेशनों के प्रदर्शन की समीक्षा कार्ययोजना और जल, वायु और पर्यावरण कानून के प्रतिबद्धता के आधार पर करेंगे और नियम बनाएंगे। अधिकरण अधिवक्ता सलोनी सिंह और अरूष पठानिया की एक याचिका पर सुनवाई कर रही है जिन्होंने रेलवे संपत्तियों एवं खासतौर पर पटरियों पर प्रदूषण रोकने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया है। एनजीटी ने कहा कि पर्यावरण कानून वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए है और वातावरण में प्रदूषण रेलवे स्टेशन की गतिविधियों की वजह से फैलता है तो वे उपचारात्मक कदम उठाने से केवल इस तरह के आधार पर नहीं बच सकते हैं।

मुंबई हवाई अड्डे पर पैंट में 19 लाख रुपए का सोना छुपाकर रखा एक यात्री गिरफ्तार

मुंबई (भाषा)। मुंबई हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ कर्मियों ने अपनी डेनिम पैंट में 19 लाख रुपए का सोना छुपाकर रखे एक यात्री को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शनिवार रात छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चेन्नई के लिए विस्तारा एयरलाइंस की उड़ान में जाने से पहले अनिवार्य शारीरिक जांच के दौरान मोहम्मद इब्राहिम एस को पकड़ा गया।अधिकारियों ने बताया कि यात्री से लगभग 540 ग्राम सोना बरामद किया गया। उन्होंने इसे अपने डेनिम पैंट में छुपाया था। उन्होंने बताया कि करीब 19 लाख रुपए का सोना और उस यात्री को आगे की जांच के लिए सीमा शुल्क अधिकारियों को सौंप दिया गया।

दबंग में चुलबुल पांडे का असल किरदार नकारात्मक था: सलमान

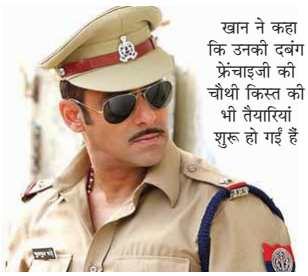

खान ने कहा कि उनकी दबंग फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त की भी तैयारियां शुरू हो गईं हैं

भाषा। मुंबई

फिल्म स्टार सलमान खान ने कहा है कि फिल्म दबंग असल में एक स्याह फिल्म थी जिसमें फिल्म का मुख्य कलाकार चुलबुल पांडे एक नकारात्मक पात्र था।

अभिनव कश्यप के निर्देशन में बनी, 2010 की पहली दबंग में सलमान ने पांडे का किरदार निभाया है जो एक निडर लेकिन भ्रष्ट पुलिस अधिकारी है और अपरंपरागत तरीके से काम करता है। इसे आलोचकों ने पसंद किया था और रिलीज के बाद यह एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

एक सामूहिक साक्षात्कार में, सलमान ने बताया कि उनसे पहले, अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनके भाई अरबाज खान को इस फिल्म की पेशकश की गई थी। सलमान ने कहा, यह बहुत डार्क फिल्म थी, छोटी फिल्म थी जिसे दो करोड़ रुपए के अंदर बनाना था। उस वक्त इसमें अरबाज खान और रणदीप हुड्डा थे। तो अरबाज ने कहा कि उनके पास यह फिल्म आई है और यह अच्छी है इसलिए इसे सुन लो। छह-आठ महीने गुजर जाने के बाद आखिरकार मैंने इसे सुना। मुझे फिल्म की कहानी अच्छी लगी लेकिन चुलबुल का किरदार बहुत नकारात्मक जा रहा था।

सलमान ने बताया कि फिर उन्होंने इसमें बदलाव करने का सुझाव दिया और अभिनव ने उन बदलावों पर अमल किया। प्रभु देवा के निर्देशन में बन रही दबंग 3 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वहीं खान ने कहा कि उनकी दबंग फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त की भी तैयारियां शुरू हो गईं हैं। उन्होंने कहा कि सलमान ने इस सीरिज की चौथी फिल्म के बारे में सोचना शुरू कर दिया है और वह उसमें काम करने के लिए भी तैयार हैं।

प्रसिद्ध अभिनेत्री गीता सिद्धार्थ का निधन

भाषा। मुंबई

जानी मानी अभिनेत्री गीता सिद्धार्थ का निधन हो गया है। गीता सिद्धार्थ ने गर्म हवा , परिचय , शोले और त्रिशूल जैसी फिल्मों में काम किया था।

अभिनेत्री गीता सिद्धार्थ के निधन की पुष्टि सिने ऐंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सीआईएनटीएए) ने ट्विटर पर की। शनिवार सुबह उनका निधन हुआ। सीआईएनटीएए द्वारा किए गए ट्वीट में लिखा है, इसीआईएनटीएए श्रीमती गीता सिद्धार्थ (मई 1970 से सदस्य) के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। उनका निधन किस वजह से हुआ, उस बारे में फिलहाल जानकारी नहीं मिल पाई है।

गीता का विवाह वृत्तचित्र निर्माता, टेलीविजन कार्यक्रम निर्माता एवं प्रस्तोता सिद्धार्थ काक से हुआ था जिन्हें 1990 के दशक में आए उनके टेलीविजन कार्यक्रम सुरभि के लिए जाना जाता है। उनकी एक पुत्री है जिसका नाम अंतरा है, जो फिल्म निर्देशक एवं निर्माता हैं।

गीता का जन्म 1945 में हुआ था जिसमें जितेंद्र, जया भादुरी, प्राण और संजीव कुमार भी थे। उन्होंने शोले , त्रिशूल , नूरी , अर्थ और मंडी जैसी फिल्मों में भी काम किया।

गीता का विवाह वृत्तचित्र निर्माता, टेलीविजन कार्यक्रम निर्माता एवं प्रस्तोता सिद्धार्थ काक से हुआ था जिन्हें 1990 के दशक में आए उनके टेलीविजन कार्यक्रम सुरभि के लिए जाना जाता है। उनकी एक पुत्री है जिसका नाम अंतरा है, जो फिल्म निर्देशक एवं निर्माता हैं।

फिल्म उद्योग में आप दूसरे की ईमानदारी का ठेका नहीं ले सकते: करीना

भाषा। मुंबई

अदाकारा करीना कपूर खान का कहना है कि फिल्म उद्योग में किसी के लिए दूसरे की ईमानदारी का ठेका लेना असंभव है क्योंकि लोग आलोचना का स्वागत नहीं करते। उनका मानना है कि फिल्मी सितारों के आसपास ऐसे लोग हों जो उन्हें सच बता सकें।

अभिनेत्री ने कहा कि वह उम्मीद करती हैं कि उनके करीबी लोग उनकी फिल्मों के बारे में उन्हें ईमानदारी से बताएं। यह पूछे जाने पर कि क्या फिल्म उद्योग में किसी के काम के बारे में कोई ईमानदारी से कुछ कह सकता है, करीना ने कहा, मैं ऐसा नहीं सोचती। लोग इसका स्वागत नहीं करते। यदि आप सच कहना चाहते हैं तो तो लोग उसका स्वागत नहीं करते। मैं चाहती हूँ कि यदि लोगों को मेरी कोई फिल्म पसंद नहीं है तो मुझे बताएं। मैं कम से कम अपने करीबी लोगों से ईमानदारी से सच सुनने की अपेक्षा रखती हूँ।

करीना ने कहा कि वह इतने साल तक प्रासंगिक इसलिए रहीं क्योंकि उन्होंने अपने आसपास हाँ में हाँ मिलाने वाले लोगों को नहीं रखा।

उन्होंने कहा, यह आवश्यक है कि कलाकारों और सितारों के नजदीक वास्तविकता से अवगत कराने वाले लोग रहें। ऐसी परिस्थिति में मैं बहुत व्यावहारिक रहती हूँ। मैंने कभी हाँ में हाँ मिलाने वाले लोगों को अपने नजदीक रखना पसंद नहीं किया। शायद जब आप जवान रहते हैं और उत्साहित रहते हैं तब आप वैसा करते हैं लेकिन अब मैं बहुत व्यावहारिक रहती हूँ। करीना लोगों और फिल्मों के प्रति अपने विचारों को लेकर हमेशा मुखर रही हैं।

हालांकि वह मानती हैं कि आज के अभिनेता सभी की प्रशंसा करते हुए पॉलिटिकली करेक्ट रहने की कोशिश करते हैं। करीना की आने वाली फिल्म गुड न्यूज है जो 27 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी।

क्विक न्यूज

चीन ने अमेरिका के सामानों पर प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क को टाला

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के सामानों पर प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क को रविवार को टाल दिया। ए शुल्क 15 दिसंबर से लागू होने वाले थे।चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के कुछ सामानों के आयात पर प्रस्तावित 10 प्रतिशत और पांच प्रतिशत के अतिरिक्त शुल्क को टाल जाएगा। इसके साथ ही अमेरिका निर्मित वाहनों तथा वस्तुओं पर से भी अतिरिक्त शुल्क टला रहेगा। अमेरिका और चीन के बीच शुक्रवार को व्यापार सौदे के पहले चरण पर सहमति बनने के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी चीन के आयात पर प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क को टालने की घोषणा की थी। अमेरिका का प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क भी 15 दिसंबर से प्रभावी होने वाला था।उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने 21 महीने से जारी व्यापार युद्ध को समाप्त करने की दिशा में पहले चरण का समझौता करने की घोषणा की है।

भारत में 3,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश करेगी एमजी मोटर

खोलवाना। वाहन विनिर्माता कंपनी मोरिस गैरेज (एमजी) भारत में 3,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश करने की योजना बना रही है। मूल रूप से ब्रिटेन की इस कंपनी का स्वामित्व अब चीन की एसएआईसी के पास है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि वे भारतमें 2,000 करोड़ रुपए का निवेश कर चुके है और कंपनी का हलोल (गुजरात) कारखाना चालू हो गया है। एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्य अधिकारी गौरव गुप्ता ने बताया, हम भारतीय बाजार को लेकर प्रतिबद्ध है और इस साल जनवरी में हमने अपनी यात्रा शुरू की। टेस के लिए हमारी योजना दीर्घकालिक है तथा हम 3,000 करोड़ रुपए का निवेश और करेंगे। उन्होने कहा कि कंपनी अब तक करीब 13,000 एमजी हेक्टर की बिक्री कर चुकी है। गुप्ता ने कहा कि कंपनी एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल पेश करेगी और जुलाई 2021 तक उसके पास कुल चार मॉडल होंगे। सभी वाहन एसयूवी श्रेणी के होंगे।

यूपीएल को गुजरात की कीटनाशक इकाई की विस्तार परियोजना के लिए मिली हरित मंजूरी

नई दिल्ली। कृषि रसायन कंपनी यूपीएल को अपनी गुजरात के भरूच जिले में अपनी कीटनाशक इकाई की 353.43 करोड़ रुपए की विस्तार परियोजना को पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिल गई है। दस्तावेजों के अनुसार हरित समिति को मिली जानकारी के आधार पर पर्यावरण मंत्रालय ने कंपनी की प्रस्तावित विस्तार परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ दी गई है। इनमें एक शर्त यह है कि कंपनी न तो प्रतिबंधित कीटनाशक रसायन का उत्पादन करेगी और न ही कीटनाशक उत्पादन में किसी प्रतिबंधित कच्चे माल का इस्तेमाल करेगी। प्रस्तावित परियोजना मौजूदा कीटनाशक तकनीकी ठोस और मध्यवर्ती उत्पादों की मौजूदा विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने से संबंधित है।

गर्ग बने एयर एशिया इंडिया के मुख्य वाणिज्य अधिकारी

नई दिल्ली। एयर एशिया इंडिया ने अंकुर गर्ग को मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) नियुक्त करने की रविवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा, गर्ग एयरएशिया इंडिया के परिचालन अधिकारी (सीओओ) भी जनाह लेंगे। वह कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील भास्करन को रिपोर्ट करेंगे। गर्ग के पास नेटवर्क एवं राजस्व प्रबंधन, विपणन एवं बिक्री तथा कार्गो जैसे क्षेत्रों की जिम्मेदारी होगी।

दम तोड़ सकती है कूड़े से बिजली बनाने की परियोजना

● बिजली घरों के समक्ष वहनीयता का संकट

भाषा। नई दिल्ली

प्लाटिक के कचरे पर रोक-थाम पर जोर तथा उत्पादित बिजली का पर्याप्त मूल्य न मिल पाने से कचड़े को ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने वाले बिजलीघरों की योजना की ऊर्जा ठंडी पड़ सकती है।

कुछ वर्षों में कई बड़े शहरों में ऐसे 35 से 40 बिजलीघर लगाए गए। इनमें बमुश्किल तीन काम कर रहे हैं और ए तीनों दिल्ली में सीमित हैं। पर्यावरण प्रबंध के क्षेत्र में काम कर रहे एक गैर सरकारी संगठन का कहना है कि सरकार की ओर से राष्ट्रीय ग्रिड कंपनियों को इन संयंत्रों से प्राथमिकता के आधार पर बिजली खरीदने के लिए कहने के बाद ही इन्हें चलाया जा सका है। भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) के निदेशक आशीष जैन ने भाषा से कहा कि कूड़े से बिजली बनाने वाले बिजली घरों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या थोड़ी ऊंची लागत वाली उनकी बिजली का बाजार और ईंधन का कूड़ा उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि लोग यदि कूड़ा केवल कूड़ादान में ही डालें और सूखा, गीला कूड़ा अलग करके डालें तो इससे काफी मदद मिल सकती है।दिल्ली के गाजीपुर, ओखला और नरेला में ऐसे कुल तीन बिजली घर काम कर रहे हैं। जैन ने बताया कि इनकी उत्पादन लागत ऊंची होने की वजह से बिजली भी महंगी पड़ती है। इसमें इस्तेमाल होने वाला कूड़ा गीला नहीं होना चाहिए, उसमें पत्थर आदि नहीं होने चाहिए। इनमें 1,500 किलो कैलोरी ऊष्मा देने वाला कूड़ा ही इस्तेमाल हो सकता है।उन्होंने बताया कि चॉकलेट, नमकीन से लेकर खाने-पीने के सामान की जो भी पैकिंग होती है, वह मल्टी लेयर प्लास्टिक (एमएलपी) में होती है। इस प्लास्टिक में बिजली घर को चलाने के लिए जरूरी ऊष्मा मिल जाती है। आईपीसीए बिजली घरों के लिए इस तरह के प्लास्टिक की आपूर्ति करता है। हालांकि, जितनी जरूरत है उतनी आपूर्ति नहीं हो पाती है। बिजली घर की क्षमता दैनिक दो हजार टन है, जबकि आईपीसीए एक हजार टन ही इस तरह का कूड़ा उपलब्ध करा पाती है। उन्होंने गाजीपुर बिजली संयंत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि 12 मेगावाट का यह बिजली घर निजी- सार्वजनिक भागीदारी के तहत तैयार हुआ। इस बिजली घर की परिचालक कंपनी ईस्ट दिल्ली वेस्ट को-प्रोसेसिंग कंपनी लिमिटेड है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के सहयोग से इसे शुरू किया गया। सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों को प्राथमिकता के साथ इन बिजली घरों में बनने वाली बिजली को खरीदने का आदेश दिया है।आशीष जैन ने कहा, प्लास्टिक इस्तेमाल को लेकर पूरे देश में एक जैसी नीति बनाने की जरूरत है। आज प्लास्टिक के कूड़े और उसके निस्तारण की नितांत आवश्यकता है। जैन ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के मुद्दे को अलग से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसमें पेट्रोलियम, कृषि, खाद्य मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों को शामिल करके एक सर्वोच्च परिषद बनाने की आवश्यकता है। आशीष जैन और उनके साथी प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में पिछले 15 साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं। यह संस्था राष्ट्रीय स्तर पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जुड़ी है। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में काम करने के लिए आईपीसीए की स्थापना की है।

वायु प्रदूषण बढ़ने से एयर प्यूरीफायर की बिक्री 60 प्रतिशत तक बढ़ी

भाषा। नई दिल्ली

हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से देश की प्रमुख एयर फ्यूरीफायर बनाने वाली कंपनियों की बिक्री में इस साल व्यस्त सीजन में 60 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। फिलिप्स , ब्लूएयर , पैनासोनिक , यूरेका फोर्ब्स , शार्प , श्याओमी और ब्लूस्टार जैसी कंपनियों की बिक्री में दहाई अंक का उछाल आया है। कंपनियों को दिल्ली - एनसीआर के अलावा लखनऊ और कानपुर जैसे दूसरे श्रेणी के शहरों में अधिक मांग देखने को मिली। एयर फ्यूरीफायर की बिक्री में उत्तरी क्षेत्र का योगदान आधे से अधिक है। एयर फ्यूरीफायर की बिक्री में दिल्ली - एनसीआर शीर्ष पर रहा। इस साल कुछ कंपनियों ने केरल और पूर्वोत्तर जैसे बाजारों में भी अधिक बिक्री दर्ज की है।

सीजी पावर संकट: थापर ने बोर्ड की मंजूरियों का जिक्र किया, कोष के दुरुपयोग से इनकार

भाषा। मुंबई

● वैश्य एसोसिएट्स की आडिट रिपोर्ट के बाद बोर्ड ने थापर को बर्खास्त कर दिया था। यह रिपोर्ट खुद 23 खंडनों पर आधारित है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि थापर ने सीजी पावर से 3,000 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की

सीजी पावर इंडस्ट्रियल साल्यूशंस के पूर्व गैर कार्यकारी चेयरमैन गौतम थापर ने धन के कथित दुरुपयोग के आरोपों को खारिज करते हुए एक कंपनी से दूसरी कंपनी को कर्ज के लिए निदेशक मंडल की मंजूरियों का हवाला दिया है। कंपनी के कामकाज के संचालन में खामियां नियामकीय जांच के घेरे में हैं। थापर की ओर से सरकार को सौंपे गए दस्तावेजों में इन आरोपों से इनकार किया गया है।

कॉरपोरेट मंत्रालय को नवंबर के शुरू में सौंपे 36 पृष्ठ के दस्तावेजों में थार ने विभिन्न मुद्दों पर कागज उपलब्ध कराए हैं। इनमें कंपनी से कंपनी को कर्ज, बोर्ड बैठकों का ब्योरा और स्टैंडर्ड चार्टर्ड सिंगापुर और एस बैंक जैसे ऋणदाताओं से मिले कर्ज का उल्लेख है। थापर को 30 अगस्त को तड़के बोर्डरूम मतभेद में पद से हटा दिया गया था। वैश्य एसोसिएट्स की आडिट रिपोर्ट के बाद बोर्ड ने थापर को बर्खास्त कर दिया था। यह रिपोर्ट खुद 23 खंडनों पर आधारित है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि थापर ने सीजी पावर से 3,000 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने भी सीजी पावर और समूह की 15 इकाइयों के खिलाफ जांच शुरू की है। मंत्रालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण से कंपनी के बही खातों को फिर से बनाने के लिए अपील की है। इस पर सोमवार को निर्णय आने की उम्मीद है। इन दस्तावेजों को देखा है। इनके अनुसार स्टैंडर्ड चार्टर्ड सिंगापुर ने कैसे सीजी सिंगापुर को 14 फरवरी, 2018 को 4.4 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया। बाद में यह पूरा धन अन्य समूह की इकाई एआईए और अवांता के जरिए सीजी इंटरनेशनल नीदरलैंड को दिया गया। यह पूरी राशि सीजी इंटरनेशनल नीदरलैंड को उसी दिन स्थानांतरित कर दी गई। दस्तावेजों के अनुसार बाद में कंपनी ने यह सारा धन स्टैंडर्ड चार्टर्ड सिंगापुर को भुगतान कर दिया।इस तरह खाता मानक वाला हो गया है। मुख्य आरोप सीजी पावर और समूह के इकाइयों के बीच धन को डालने और निकालने से है। थापर ने दावा किया है कि इस तरह का मार्ग ऋणदाताओं के सुझाव पर अपनाया गया क्योंकि सीजी पावर नकदी का संकट झेल रही थी। दस्तावेजों के अनुसार आदित्य बिड़ला फाइनेंस ओर एस बैंक ने भी 2016 से 2019 के दौरान सीजी पावर को इसी तरह धन लेने की अनुमति दी।

अगले वित्त वर्ष में सभी सीएससी में शुरू हो सकती है सेवा

नई दिल्ली। सरकार की योजना अगले वित्त वर्ष में देश भर के सभी आम सेवा केंद्रों (सीएससी) में टेलीकांफ्रेंस पर कानूनी परामर्श सुविधा (टेली-लॉ) उपलब्ध कराने की है। इससे आधा से अधिक ग्रामीण भारत इस सेवा के दायरे में आ जाएगा। सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश त्यागी ने पीटीआई भाषा से कहा कि जम्मू कश्मीर तथा पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में कानूनी परामर्श की मांग को देखते हुए 117 महत्वाकांक्षी जिलों के करीब 30 हजार सीएससी में हाल ही में इस सेवा की शुरुआत की गई है।

प्रदर्शन के बाद पीएमसी के जमाकर्ता हिरासत में, मुख्यमंत्री ने मदद का भरोसा दिलाया

भाषा। मुंबई

पंजाब एंड महाराष्ट्रीय कोआपरेटिव (पीएमसी) बैंक के करीब 50 जमाकर्ताओं को रविवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निवास के बाहर प्रदर्शन के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उनमें से कुछ को छोड़ दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। बाद में मुख्यमंत्री ठाकरे ने संकटग्रस्त बैंक के जमाकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बैंक के ग्राहकों को न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

पीएमसी बैंक के करीब 500 जमाकर्ता पहले बांद्रा कुर्ला परिसर में रिजर्व बैंक के कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए। बाद में वे बांद्रा में ठाकरे के निवास मातोश्री की ओर चले गए जिससे उनसे मुलाकात कर सकें। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन लोगों ने ठाकरे के निवास के बाहर रिजर्व बैंक के खिलाफ नारेबाजी की। वे मांग कर रहे थे कि उनके प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री से मिलने दिया जाए। कुछ महिलाओं सहित करीब 50 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर खेड़ावाड़ी तथा बीकेसी पुलिस थाने ले जाया गया। बाद में उनमें से कुछ को छोड़ दिया गया।

मुंबई में रविवार को एक उत्पाद की लांचिंग के दौरान अभिनेत्री वाणी कपूर

वित्तमंत्री सीतारमण आज से बजट पूर्व बैठकों का सिलसिला शुरू करेंगीं

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार से विभिन्न पक्षों के साथ के साथ बजट पूर्व बैठकों का सिलसिला शुरू करने जा रही हैं। इस दौरान वित्त मंत्री उद्योग संगठनों, कृषि संगठनों और अर्थशास्त्रियों के साथ बैठकों में उपभोग और वृद्धि को प्रोत्साहन के लिए सुझाव मांगेंगी। सीतारमण मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में अपना दूसरा बजट एक फरवरी को पेश करेंगी। सूत्रों ने बताया कि बजट पूर्व विचार विमर्श सोमवार से शुरू होकर 23 दिसंबर तक चलेगा। सूत्रों ने कहा कि इस बार बजट में मुख्य ध्यान आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन पर रहेगा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर 4.5 प्रतिशत के छह साल के निचले स्तर पर आ गई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार सीतारमण सोमवार को सुबह नव अर्थव्यवस्था: स्टार्ट अप्स, फिनटेक और डिजिटल क्षेत्र के अंशधारकों से मिलेंगी। बाद में दिन में वह वित्तीय और पूंजी बाजार क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श करेंगे। उद्योग सूत्रों ने कहा कि सरकार ने उनसे कारोबार सुगमता, नियामकीय वातावरण की वजह से निवेश पर प्रभाव, निर्यात प्रतिस्पर्धा, देरी से भुगतान और अनुबंध के प्रवर्तन, निजी निवेश और वृद्धि में सुधार पर उनके विचार मांगे है। वित्त मंत्री संभवत: 19 दिसंबर को उद्योग मंडलों के साथ बैठक करेंगी। सरकार पहले ही कॉरपोरेट कर की दर में उल्लेखनीय कटौती कर चुकी है। उसके बाद उम्मीद की जा रही है कि सरकार व्यक्तिगत आयकर में बदलाव के जरिए वेतनभोगी वर्ग को कुछ राहत देगी। उद्योग संगठन मांग कर रहे है कि व्यक्तिगत आयकर दाताओं के मामले में आयकर छूट की सीमा को मौजूदा के 2.5 लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए किया जाना चाहिए। इससे वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ सकेगी।

पैन को आधार से 31 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से जोड़ना होगा : आयकर विभाग

नई दिल्ली। स्थाई खाता संख्या (पैन) को इस साल 31 दिसंबर तक आधार से अनिवार्य रूप से जोड़ना होगा। आयकर विभाग ने रविवार को इस बारे में सार्वजनिक सूचना जारी की है।विभाग ने कहा, बेहतर कल के लिए...आयकर सेवाओं का लाभ लेने को पैन को आधार से जोड़ने का काम 31 दिसंबर, 2019 तक पूरा कर लें। सूचना में कहा गया है कि पैन को आधार से जोड़ना अनिवार्य है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सितंबर में जारी आदेश में पैन को आधार से जोड़ने की समयसीमा बढ़ाकर 31 दिसंबर की थी। इससे पहले यह समयसीमा 30 सितंबर थी। सीबीडीटी आयकर विभाग के लिए नीति बनाता है। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल सितंबर में केंद्र की प्रमुख आधार योजना को संवैधानिक रूप से वैध ठहराते हुए व्यवस्था दी थी कि आयकर रिटर्न दाखिल करने और पैन के आवंटन के लिए बायोमीट्रिक पहचान संख्या अनिवार्य रहेगी।

वाहन क्षेत्र में सुस्ती के बावजूद कर्मचारियों छंटनी नहीं करेगी टाटा मोटर्स

भाषा। नई दिल्ली

टाटा मोटर्स घरेलू वाहन बाजार में जारी सुस्ती के बाद भी कर्मचारियों की छंटनी नहीं करेगी। कंपनी को अगले कुछ महीनों में बाजार में उतारे जाने वाले नए उत्पादों के दम पर प्रदर्शन में सुधार की उम्मीद है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक गुंटर बटशेक ने साक्षात्कार में यह जानकारी दी। उनसे पूछा गया कि क्या वाहन क्षेत्र में जारी नरमी के कारण कंपनी कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है, उन्होंने कहा, हमारी ऐसी कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कंपनी की ऐसा कुछ करने की योजना होती तो वह पहले ही कर चुकी होती।बटशेक ने कहा, हम 12 महीने से नरमी के संकट से जूझ रहे हैं। यदि हम छंटनी करना चाहते तो हम पहले ही कर चुके होते। उन्होंने कहा कि कंपनी अगले कुछ महीने में एल्ट्रोज, नेक्सन ईवी और ग्रैविटास एसयूवी समेत अन्य उत्पाद बाजार में उतारने वाले हैं। इसके अलावा भारत चरण छह उत्सर्जन मानकों को अपनाना भी है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि अर्थव्यवस्था चाहे जिस दिशा में जाए, हम बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। चूंकि उत्पाद विभिन्न कीमत दायरे के हैं, हमारे मुनाफे की संभावनाएं हमेशा की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं। अत: मैं अभी काफी सकारात्मक हूं। बटशेक ने कहा कि कंपनी मौजूदा स्थिति को पलटने के लिए वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में सभी आवश्यक कदम उठा रही है। यह क्षेत्र राजस्व के संदर्भ में कंपनी का आधार रहा है। उन्होंने कहा, हमारे पास सही उत्पाद हैं, हमारा डीलर नेटवर्क अभी बढ़िया काम कर रहा है।

आवासीय इकाइयो की बिक्री मे 2019 में हो सकती है चार प्रतिशत की वृद्धि: एनरॉक

नई दिल्ली। नकदी की कमी तथा आर्थिक नरमी के बीच 2019 में आवासीय इकाइयों की बिक्री चार प्रतिशत की हल्की वृद्धि के साथ 2.58 लाख इकाई रह सकती है। संपत्ति को लेकर परामर्श देने वाली कंपनी एनरॉक ने यह अनुमान व्यक्त किया है। एनरॉक प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 2019 में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं रही। कम होता उपभोग, सुस्त निवेश तथा वैश्विक आर्थिक नरमी ने वृद्धि की सारी संभावनाओं पर पानी फेर दिया। एनरॉक ने कहा कि 2019 की चारों तिमाहियों को मिलाकर 2,58,410 आवासीय इकाइयां बिकने का अनुमान है। वर्ष 2018 में 2,48,300 आवासीय इकाइयों की बिक्री हुई थी। उसने कहा कि साल के पहले छह महीने के दौरान बिक्री अच्छी रही लेकिन बाद में यह गिर गई।पुरी ने कहा, रियल एस्टेट क्षेत्र का प्रदर्शन भारत की कुल आर्थिक स्थिति का एक भरोसेमंद सूचक है। यह वृहद आर्थिक स्थिति के हालात बता रहा है। नकदी का संकट बना हुआ है और इससे साल के दौरान वास्तविक वृद्धि को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि इसके कारण कई डेवलपर धराशाई हो गए, जबकि अन्य टिके रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस साल को अच्छी बिक्री तथा राजस्व में वृद्धि के साथ वहीं कंपनियां निकाल पाईं, जिनका कारोबार रियल एस्टेट के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी पसरा हुआ है। पुरी ने कहा कि अभी भी धारणा सुस्त है और तैयार या लगभग तैयार घरों को ध्यान में रख रहे उपभोक्ताओं पर टिका हुआ है। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए 2019 में उम्मीद की एकमात्र किरण वैकल्पिक निवेश कोष रहा।

शीर्ष 10 में छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 65,060 करोड़ रुपए बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

● रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 17,439.74 करोड़ रुपए बढ़कर 10,03,147.26 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बीते सप्ताह 65,060.30 करोड़ रुपए बढ़ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई।

आलोच्य सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक का भी बाजार पूंजीकरण बढ़ गया। हालांकि टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस और आईटीसी के बाजार पूंजीकरण में इस दौरान गिरावट दर्ज की गई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 17,439.74 करोड़ रुपए बढ़कर 10,03,147.26 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसके साथ ही एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 15,435.51 करोड़ रुपए बढ़कर 4,06,705.23 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,512.75 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 2,96,921.83 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,089.48 करोड़ रुपए चढ़कर 6,91,457.21 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,210.91 करोड़ रुपए की बढ़त लेकर 3,47,551.97 करोड़ रुपए और कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,371.91 करोड़ रुपए उछलकर 3,23,236.17 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इनके उलट टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 19,231 करोड़ रुपए गिरकर 7,77,381.54 करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 4,372.92 करोड़ रुपए कम होकर 4,34,109.76 करोड़ रुपए, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 2,027.73 करोड़ रुपए लुढ़ककर 2,96,971.03 करोड़ रुपए और इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 1,660.8 करोड़ रुपए फिसलकर 3,02,882.73 करोड़ रुपए पर आ गया।बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी रही। इसके बाद क्रमश: टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, आईटीसी और भारतीय स्टेट बैंक का स्थान रहा। आलोच्य सप्ताह के दौरान बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 564.56 अंक यानी 1.39 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

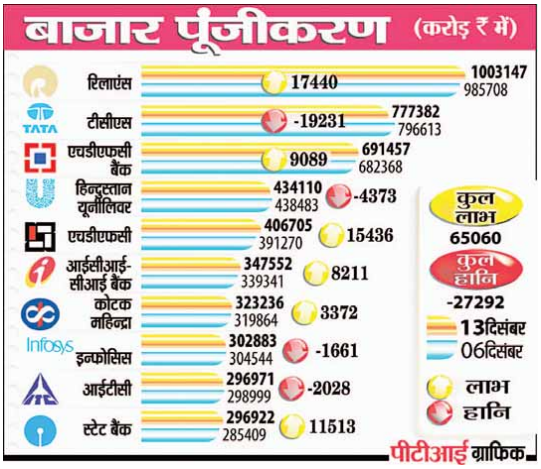

मतदाताओं के भरोसे पर खरा उतरूंगा: जॉनसन

● जॉनसन ने 1980 में मार्गरेट थैचर के बाद कंजर्वेटिव पार्टी को बहुमत दिलाया है

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संकल्प लिया है कि वह पूर्व में विपक्ष के लिए मतदान करने वाले उन मतदाताओं के भरोसे पर खरा उतरेंगे जिन्होंने इस बार कन्जर्वेटिव पार्टी को जनादेश दिया है। जॉनसन ने एक समय लेबर पार्टी का गढ़ रहे पूर्वोत्तर क्षेत्र का दौरा किया और वहां मौजूद लोगों की भीड़ से शनिवार को कहा कि वह समझ सकते हैं कि पारम्परिक लेबर मतदाताओं के लिए उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान करना और दक्षिणपंथी सरकार को समर्थन देना कितना मुश्किल रहा होगा।

उन्होंने कहा, मैं पूर्वोत्तर के लोगों को यह बताना चाहता हूं कि मैं और कन्जर्वेटिव पार्टी उनके भरोसे पर खरा उतरेंगे। जॉनसन ने कहा कि वह ब्रेक्जिट की प्रक्रिया को पूरा करने के साथ साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सुरक्षा, बेहतर अस्पतालों और देश के बेहतर भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में हुए ऐतिहासिक चुनाव में मतदाताओं ने जॉनसन को शक्तिशाली नया जनादेश दिया है। उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को गत शुक्रवार को संसद में निर्णायक बहुमत मिला ताकि वह अगले महीने यूरोपीय संघ (ईयू) से ब्रिटेन के अलग होने के करार (ब्रेक्जिट) को अंतिम रूप दे सकें। 55 वर्षीय जॉनसन ने 1980 में मार्गरेट थैचर के बाद कंजर्वेटिव पार्टी को बहुमत दिलाया है। ब्रिटिश संसद के 650 सदस्ईय निम्न सदन हाउस आफ कॉमन्स में कंजर्वेटिव पार्टी को 365 सीटें पर जीत मिली है, जो बहुमत से 79 सीटें अधिक है। माना जा रहा है कि ब्रेक्जिट के मुद्दे पर लंबे समय से जारी गतिरोध से परेशान होकर मतदाताओं ने जॉनसन को विशाल जनादेश दिया है ताकि जनवरी तक वह ब्रिटेन को ईयू से अलग कर सकें और कोई अगर-मगर नहीं रहे। इस चुनाव में विपक्षी लेबर पार्टी को केवल 203 सीटें मिली हैं। यह पार्टी का दशकों बाद सबसे खराब प्रदर्शन है। कंजर्वेटिव पार्टी ने पूर्व में लेबर पार्टी के गढ़ माने जाने वाले इलाकों में भी बढ़त बनाई।

जमैका की टोनी एन सिंह बनीं विश्व सुंदरी

● भारत की सुमन राव रही तीसरे स्थान पर

भाषा। लंदन

इस साल विश्व सुंदरी (मिस वर्ल्ड) का ताज जमैका की टोनी एन सिंह के सिर सजा और भारत की सुमन राव यहां आयोजित सौंदर्य प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता में 23 वर्षीय सिंह को विजेता घोषित किया गया। चिकित्सक बनने की चाहत रखने वाली सिंह के पिता ब्रैडशॉ सिंह भारतीय केरेबियाई हैं और उनकी मां जहरीन बैले अफ्रीकी-कैरेबियाई हैं।

प्रतियोगिता में फ्रांस की ओपेली मेजीनो दूसरे और भारत की राव तीसरे स्थान पर रहीं। राजस्थान की रहने वाली 20 वर्षीय राव सीए की छात्रा हैं। उन्हें इस साल जून में मिस इंडिया वर्ल्ड 2019 चुना गया था। एक्सेल लंदन में शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम की मेजबानी ब्रिटानी ट्रेलीविजन हस्ती पियर्स मोर्गन ने की। सिंह ने खिताब जीतने के बाद इंस्टाग्राम पर लिखा, मेरे मन में प्रेम और आभार है। मुझ पर भरोसा करने के लिए शुक्रिया। आपने मुझे स्वयं पर भरोसा करना सिखाया। मैं 69वीं विश्व सुंदरी का खिताब जीतकर सम्मानित महसूस कर रही हूं और मैं आपकी आभारी हूं।

जमैका की टोनी एन सिंह बनी विश्व सुंदरी

तीसरे स्थान पर रही भारत की सुमन राव

ब्रिटेन में लेबर पार्टी नेता कॉर्बिन ने आम चुनाव में हार के लिए माफी मांगी

भाषा। लंदन

ब्रिटेन में लेबर पार्टी के नेता जेरेमी कॉर्बिन ने आम चुनाव में पार्टी को मिली करारी हाल के लिए रविवार को माफी मांगी, साथ ही अपने चुनाव अभियान का बचाव किया जो मतदाताओं को प्रभावित करने में नाकाम रहा।

उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की कजंर्वेटिव पार्टी ने गुरुवार को 650 सदस्ईय हॉउस ऑफ कॉमन में 365 सीटों पर जीत दर्ज की थी जबकि विपक्षी पार्टीने 1935 के बाद सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए 203 सीटों पर सिमट गई। वाम झुकाव वाले अखबार मिरर में प्रकाशित चिट्ठी में कॉर्बिन ने लिखा, मैं खराब प्रदर्शन के लिए माफी मांगता हूं और इसके लिए अपनी जिम्मेदारी लेता हूं। चुनावी अभियान के बाद अपनी ही पार्टी में आलोचना का सामना कर रहे कॉर्बिन ने घोषणा की थी कि वह लेबर का नेता पद से छोड़ देंगे।

उल्लेखनीय है कि अगले साल के शुरुआत में नए नेता के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी लेकिन कुछ नेताओं ने कॉर्बिन से तुरंत पद छोड़ने की मांग की है। कॉर्बिन ने लिखा, मैं चुनाव प्रचार की लड़ाई के लिए अब भी गौरवान्वित महसूस करता हूं। मैं गैरवान्वित हूं कि विपक्ष के निम्न स्तर पर जाने के बावजूद हमने उस गठर में शामिल होने से इनकार किया। मैं गौरवन्वित हूं कि हमारा संदेश भय के बजाय उम्मीद थी। उल्लेखनीय है कि तीन साल से ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने को लेकर जारी राजनीतिक खींचतान में कॉर्बिन की नीतियां मतदाताओं को लुभाने में नाकामयाब रही। वहीं जॉनसन ने अपना पूरा अभियान ब्रेक्जिट होगा पर केंद्रित किया और 31 जनवरी तक यूरोपीय संघ से अलग होने की समयसीमा दी।

हांगकांग में शांति भंग हुई, फिर प्रदर्शनकारियों एवं पुलिस के बीच झड़प हुई

हांगकांग। हांगकांग पुलिस ने रविवार को शहर के मॉलों को लोकतंत्रक समर्थक प्रदर्शनकारियों द्वारा निशाने बनाए जाने पर मिर्च के स्प्रे का इस्तेमाल किया और कई लोगों को गिरफ्तार किया। कुछ समय बाद फिर हिंसा भड़की थी। विभिन्न स्थानों पर अचानक प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया और तोड़फोड़ की। उस पर दंगारोधी पुलिस ने दो शॉपिंग केंद्रों में मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों के साथ धक्का मुक्की की। नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने मैक्सिम के रेस्तराओं में भी तोड़फोड़ की। मैक्सिम कंपनी प्रदर्शनकारियों के निशाने पर है क्योंकि मालिक की बेटी ने लोकतंत्र समर्थनकारियों की आलोचना की थी। तीन सप्ताह बाद यह प्रदर्शन फिर हुआ था। हांगकांग करीब छह महीने तक लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शन के गिरफ्त में रहा था। उस दौरान पुलिस और कट्टेर प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई थी।

बांग्लादेश सामाजिक और आर्थिक सूचकांकों पर पाक से आगे: मंत्री

भाषा। ढाका

बांग्लादेश के सूचना मंत्री हसन महमूद ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान ने इसको लेकर संदेह जताया था कि बांग्लादेश एक स्वतंत्र देश के तौर पर खुद को कायम रख पाएगा या नहीं लेकिन जब उस देश से तुलना होती है जिससे वह 1971 में अलग हुआ तो बांग्लादेश मानवीय, सामाजिक और आर्थिक सूचकांकों पर काफी आगे है। महमूद ने कहा कि बांग्लादेश की जीडीपी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.15 प्रतिशत थी और इसके इस वर्ष 8.20 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के विजिट बांग्लादेश (बांग्लादेश की यात्रा) कार्यक्रम के तहत 20 देशों से आए सदस्यों के समूह को संबोधित करते हुए महमूद ने कहा, प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश हमारे पूर्वजों के सपने को तेजी से साकार कर रहा है। भारत, नेपाल, मालदीव, ब्रिटेन, पुर्तगाल और जर्मनी जैसे देशों से आए 30 सदस्यों के समूह को संबोधित करते हुए महमूद ने कहा, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कई देशों में इसको लेकर संदेह था कि बांग्लादेश एक स्वतंत्र देश के तौर पर स्वयं को बरकरार रख पाएगा या नहीं, इन देशों में विशेष तौर पर वह देश भी शामिल था जिससे हम मुक्त हुए थे। उन्होंने कहा कि सामाजिक और मानवीय सूचकांक पर बांग्लादेश सभी पड़ोसी देशों से आगे है। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता के समय जीवन प्रत्याशा 39 वर्ष थी जो आज 73 वर्ष है। भारत में यह 71 वर्ष है, जबकि पाकिस्तान में यह 69 वर्ष है। हम कई अन्य देशों से मानवीय सूचकांक में काफी आगे हैं।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश रेडीमेड कपड़ों के निर्यात के मामले में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा देश है। उन्होंने साथ ही कहा कि पिछले दशक के दौरान विकास की गति काफी तेज रही है। बांग्लादेश के सूचना मंत्री ने कहा कि शेख हसीना सरकार प्रेस की पूर्ण स्वतंत्रता और एक बहुलतावादी समाज में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि आलोचना का हमेशा ही स्वागत है और बांग्लादेश सरकार ने उसकी आलोचना करने वाले पत्रकारों को पुरस्कृत भी किया है क्योंकि ऐसा माहौल सुधारवादी उपाय करने और विकास में योगदान में मदद करता है। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज का मुद्दा एक वैश्विक चुनौती है और उनकी सरकार इससे निपटने के लिए पूरा प्रयास कर रही है। महमूद ने प्रधानमंत्री हसीना की कल्पना के अनुसार 2021 तक बांग्लादेश को एक मध्यम आय वाला देश और 2041 तक एक विकसित देश बनाने के सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। महमूद ने यह बात 16 दिसंबर को बांग्लादेश के विजय दिवस मनाने से एक दिन पहले कही।

फिलीपीन में भूकंप में एक की मौत, इमारत ढही

भाषा। दवाओ

दक्षिणी फिलीपीन में रविवार को आए शक्तिशाली भूकंप में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन मंजिला इमारत ढह गई। अधिकारियों ने बताया कि मलबे के नीचे लोगों के दबे होने की आशंका के बाद लोगों की तलाश शुरू हो गई। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोलकेनोलॉजी एंड सीसमेलॉजी के मुताबिक दवाओ डेल सुर प्रांत के उत्तर पश्चिम पडाडा नगर से छह किलोमीटर दूर 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। इस इलाके में पिछले कुछ महीनों से लगातार तेज भूकंप आ रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि दवाओ डेल सूर मंत्नाओ के एक गांव में एक बच्ची की मौत हो गई जब उसका घर इस भूकंप में ढह गया और उसके सिर पर चोट लग गई।

दवाओ डेल सुर के गवर्नर डोगलस कागास ने कहा कि तीन मंजिला इमारत इस भूकंप में ढह गई जिसमें कई लोग भीतर फंस गए हैं। उन्होंने डीजेडएमएम रेडियो चैनल को बताया कि बचाव एवं तलाश अभियान जारी है। साथ ही बताया कि उनके प्रांत के कई लोग इसमें घायल हुए। राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते दवाओ शहर में स्थित अपने घर में अपनी बेटी के साथ सुरक्षित थे। यहां भूकंप सबसे तेज महसूस किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दवाओ डेल सुर प्रांत में कक्षाओं को सोमवार को बंद रखा जाएगा ताकि स्कूल की इमारतों की स्थिरता जांची जा सके। भूकंप के चलते कुछ शहरों एवं प्रांतों की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। दवाओ प्रांत में पिछले कुछ महीने से कई भूकंप आए हैं जिनमें कुछ लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। साथ ही घरों, होटलों, मॉलों और अस्पतालों को बहुत नुकसान पहुंचा है।

क्रिसमस उत्सव की शुरुआत में हियो डि जनेरियो में की गयी आतिशबाजी

सरोद वादक अमजद खान ने कारोबारियों से शास्त्रीय संगीत और कलाकारों को प्रोत्सहित करने की अपील की

भाषा। न्यूयॉर्क

प्रख्यात सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान ने भारतीय कारोबारियों और उद्योग घरानों से शास्त्रीय संगीत और कलाकारों को प्रोत्साहित करने की अपील की जिसकी मधुरता आधुनिक संगीत के शोर में फीकी पड़ती जा रही है। उन्होंने इस बात का समर्थन किया कि जो लोग संगीत सीख रहे हैं उनका उद्देश्य इसे समझना और संरक्षित करना होना चाहिए। सेनिया बंगश घराने की छठी पीढ़ी में जन्मे उस्ताद खान ने कहा कि केवल मंच पर प्रस्तुति देने या टैलेंट शो जीतने के लिए संगीत में करियर बनाना संगीत के प्रति अन्याय है।

उस्ताद खान अपने बेटे अमान और अयान अली बंग्श ने हाल में न्यूयॉर्क के कार्नेज हॉल और सेंट फ्रांसिस्को के लेवीज स्टेडियम में एचसीएल कसंर्ट के दूसरे संस्करण में प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि भारतीय उद्योग घराने भारतीय शास्त्रीय संगीत और कलाकारों को प्रोत्साहित करें। उस्ताद खान ने कहा दुनिया में करीब 500 सरोद वादक है जिनमें से अधिकतर युवा संगीतकार भारत में हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में सरोद खुद मार्मिक अवस्था में पहुंच गया है। उस्ताद खान ने कहा कि संघर्ष के बावजूद भारतीय शास्त्रीय संगीत बेहतर कर रहा है। साथ ही अफसोस जताते हुए कहा कि पुराने दिनों में शास्त्रीय संगीतकार खुद को पूरी तरह से गुरु को समर्पित कर देते थे और लंबे समय तक रियाज करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं, लेकिन आज अभिभावक बच्चों को स्टेज पर प्रस्तुति देने से ही खुश हो जाते हैं। उन्होंने कहा, युवा संगीतकार और नर्तक केवल प्रस्तुति देना चाहते हैं, रियलिटी शो को देखिए, यह अच्छा है कि वे युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रहे हैं, लेकिन उन बच्चों को क्या होता है जो जीतते हैं, बहुत कम कला को समझते हैं, वे सभी प्रस्तुति देना चाहते हैं, वे मंच चाहते हैं। बहुत सारे अप्रशिक्षित संगीतकार मंचों पर प्रस्तुति दे रहे हैं जो संगीत के प्रति अन्याय है। उल्लेखनीय है कि एचसीएल कंसर्ट 1988 से ही महान संगीतकारों और संभावित संगीतकारों को मंच उपलब्ध करा रहा है। अबतक करीब 600 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी है जिनमें प्रख्यात संगीतकार पंडित शिवशंकर शर्मा और पंडित हरीप्रसाद चौरसिया शामिल हैं।

इजराइल में अवैध रूप से रह रही केरल की महिला का किडनी की बीमारी से निधन

यरूशलम। इजराइल में अवैध रूप से रह रही केरल की एक भारतीय महिला का तेल अवीव के एक अस्पताल में निधन हो गया। केरल के कोल्लम जिले में वेलियम की रहने वाली जया विजयराजन (53) 2004 में नर्सिंग स्टाफ के तौर पर इजराइल आई थीं। उनका भारतीय पासपोर्ट (ई3879759) की वैधता 23 फरवरी 2013 को ही खत्म हो गई थी लेकिन उन्होंने उसका नवीकरण नहीं कराया और अवैध रूप से इजराइल में ही रहने लगीं। विजयराजन की फ्लैट में रहने वाली तिरुवनंतपुरम की लिली योहान्नन ने पीटीआई को बताया कि उन्हें तेलअवीव के इचिलोव अस्पताल से शुक्रवार को फोन आया था। उन्हें बताया गया कि विजयराजन की तबीयत ठीक नहीं है। योहान्नन अस्पताल में विजयराजन को देखने गईं और उन्हें बताया गया कि किडनी की बीमारी की वजह से उनकी मित्र की सुबह मौत हो गई।

योहान्नन ने कहा, विजयराजन की तबीयत कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी। चार महीने पहले उनकी दोनों आंखों का ऑपरेशन हुआ था। उन्हें मधुमेह भी था। योहान्नन ने कहा, वह केरल के एक गरीब परिवार से आती हैं। उनके पास फिलहाल कोई काम नहीं था और वह अपने दोस्तों के भरोसे थी जो उसका किराया और खाने का खर्च उठा रहे थे। केरल से उसके परिवार ने उसकी दोनों आंखों के ऑपरेशन के लिए जमीन बेचकर करीब छह हजार अमेरिकी डॉलर की रकम भेजी थी। विजयराजन को 11 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पाकिस्तान ने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता को जर्मनी का राजदूत बनाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बड़ा कूटनीतिक फेरबदल करते हुए विदेशों में स्थित अपने विभिन्न दूतावासों में 20 राजदूतों और माहवाणिज्यिक दूतों की नियुक्ति की है। इनमें विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मौहम्मद फैसल का भी नाम शामिल है जिन्हें जर्मनी में देश का नया राजदूत बनाया गया है। समाचारपत्र डॉन की खबर में बताया गया कि विदेश मंत्रालय की ओर से 13 दिसंबर को जारी एक अधिसूचना के मुताबिक प्रधानमंत्री इमरान खान ने 17 राजदूतों और तीन महावाणिज्यदूतों की नियुक्ति को स्वीकृति दी है।

दक्षिण एशिया और दक्षेस के लिए महानिदेशक के तौर पर भी सेवा दे रहे फैसल, जर्मनी में पाकिस्तान के राजदूत जौहर सलीम का स्थान लेंगे। सलीम अब इटली में अपनी सेवाएं देंगे। फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के तौर पर फैसल की जगह कौन लेंगे। पाकिस्तान ने सेना से सेवानिवृत्त कुछ अधिकारियों को भी कूटनीतिक पदों पर नियुक्त किया है।

ईरान ने एक हफ्ते के भीतर हुए दूसरे साइबर हमले को नाकाम किया

भाषा। तेहरान

ईरान के दूरसंचार मंत्री ने रविवार को घोषणा की कि देश ने एक हफ्ते के भीतर दूसरी बार किए गए साइबर हमले को नाकाम किया है। उन्होंने कहा कि इस दूसरे हमले का लक्ष्य सरकार की खुफिया जानकारियों में सेंध लगाना था।

दूर संचार मंत्री मोहम्मद जवाद अजारी जहरोमी ने ट्वीट किया कि साइबर सुरक्षा के लिए तैयार की गई एक ढाल ने कथित हमले की पहचान कर उसे नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जासूसी करने वाले सवंर्रों की पहचान के साथ ही हैकरों का भी पता लगा लिया गया है। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। जहरोमी ने बुधवार को आधिकारिक आईआरएनए संवाद समिति को बताया था कि ईरान के इलेक्ट्रॉनिक ढांचे पर एक बड़ा और सरकारी साइबर हमला किया गया है। उन्होंने इस कथित हमले के ब्यौरे नहीं दिए थे और बताया कि इस हमले को भी नाकाम कर दिया गया और इस संबंध में एक रिपोर्ट जारी की जाएगी। मंगलवार को, मंत्री ने ईरान के बैंकों को निशाना बना कर की गई हैकिंग की खबरों को खारिज कर दिया था। स्थानीय मीडिया ने ईरान के बैंकों के लाखों ग्राहकों के खाते हैक होने की खबर दी थी। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब ईरान ने किसी साइबर हमले को नाकाम करने की बात कही है। हालांकि स्टक्सनेट कंप्यूटर वायरस के हमले के बाद से उसने अपने ज्यादातर ढांचों को इंटरनेट मुक्त बना दिया था। इस वायरस के बारे में माना जाता है कि इसे अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त रूप से तैयार किया था जिसने देश के परमाणु ठिकानों में मौजूद हजारों ईरानी अपकेंद्रण यंत्रों (सेंट्रिफ्यूग) को बर्बाद कर दिया था।

नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ लंदन में प्रदर्शन

● उसे मोदी सरकार की विफलता बताया गया

लंदन। विभिन्न संगठनों के लोगों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ शनिवार को यहां भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया और उसे मोदी सरकार की विफलता करार दिया। अपने पारंपरिक परिधान और बच्चों के साथ आए ब्रिटिश असमी समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर असमी और अंग्रेजी में लिख था, लोकतंत्र बचाओ, कैब रोको। इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, असम एकजुट है और कैब विभाजनकारी है। विभाजन को ना कहिए और एकता को हां। इसके साथ ही इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की ब्रिटिश इकाई ने भी नई दुनिया और दुनियाभर की जैसी भारत बचाओ रैली भी आयोजित की। इंडियन ओवरसीज ब्रिटेन के एक प्रवक्ता ने कहा, यह रैली मोदी सरकार की विफलता के खिलाफ है जिनमें आर्थिक संकट, उच्च बेरोजगारी, किसान संकट और विभाजनकारी राजनीति शामिल हैं।

स्पेन के मैड्रिड में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता स्थल के बाहर प्रदर्शन करते लोग। यह वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गयी

वेस्टइंडीज ने जीता पहला वनडे मुकाबला, भारत की हार

- फार्म में लौटे पंत, वनडे करियर का पहला अर्धशतक जड़ा
- आठ विकेट से जीती विंडीज टीम

भाषा। चेन्नई

वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में रविवार को यहां भारत को आठ विकेट से हराया। शाई होप (नाबाद 102) और शिमरोन हेटमेयर (139) की शतकीय पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने 13 गेंद शेष रहते दो विकेट पर 291 रन बनाकर जीत दर्ज की।

इससे पहले ऋषभ पंत अपने वनडे करियर का पहला अर्धशतक जड़कर अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया जिससे भारत पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां शीर्ष क्रम लड़खड़ाने के बावजूद आठ विकेट पर 287 रन बनाने में सफल रहा। नंबर चार पर अपनी जगह स्थापित करने में लगे श्रेयस अय्यर (88 गेंदों पर 70) और पंत (69 गेंदों पर 71) ने चौथे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी करके भारत को शुरुआती झटकों से उबारा। भारत ने सातवें ओवर में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (छह) और कप्तान विराट कोहली (चार) के विकेट गंवा दिए थे। इन दोनों को शेल्डर कोटरेल ने पवेलियन भेजा। रोहित शर्मा (56 गेंदों पर 36) को भी धीमी पिच पर संघर्ष करना पड़ा जिसके बाद अय्यर और पंत ने पारी संवारी। अय्यर का यह लगातार तीसरा अर्धशतक है। अंतिम ओवरों में केदार जाधव (35 गेंदों पर 40) और रविंद्र जडेजा (21 गेंदों पर 21) ने भी अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। वेस्टइंडीज की तरफ से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज कोटरेल, कीमो पॉल और अलजारी जोसेफ ने दो . दो विकेट लिए। भारतीय टीम धीमी पिच पर 19वें ओवर में तीन विकेट पर 80 रन के स्कोर पर जूझ रही थी। इसके बाद पंत और अय्यर ने जिम्मा संभाला।शुरू में संभलकर खेलने के बाद उन्होंने हवा में शॉट खेलने से भी परहेज नहीं किया। पारी का पहला छक्का 28वें ओवर में लगा जब पंत ने रोस्टन चेज की गेंद मिडविकेट पर छह रन के लिए भेजी। दूसरी तरफ अय्यर ने स्पिनरों चेज और हेडन वॉल्श के खिलाफ कुछ खूबसूरत कट लगाए। इन दोनों बल्लेबाजों ने स्पिनरों को अच्छी तरह से खेला। टी20 श्रृंखला में प्रभावशाली गेंदबाजी करने वाले वॉल्श को पहले रोहित और बाद में अय्यर-पंत की जोड़ी ने लय हासिल नहीं करने दी। उन्होंने पांच ओवर में 31 रन दिए। अय्यर के आउट होने से पंत के साथ उनकी साझेदारी टूटी। पंत को जीवनदान भी मिला। उन्हें आखिर में कीरोन पोलार्ड ने सीमारेखा के पास कैच कराया। इसके बाद जडेजा और जाधव ने आईपीएल में अपने गृह मैदान पर जिम्मेदारी संभाली और छठे विकेट के लिए 59 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। जाधव ने कीमो पॉल को गेंद पर पोलार्ड को कैच दिया जबकि जडेजा को चेज ने रन आउट किया जिसका फैसला तीसरे अंपायर ने दिया।

पंत व अय्यर रन बनाते हुए

स्कोरबोर्ड

भारत : रोहित शर्मा का पोलार्ड बो जोसफ 36, केएल राहुल का हेटमेयर बो कोटरेल 06,विराट कोहली बो कोटरेल 04, श्रेयस अय्यर का पोलार्ड बो जोसेफ 70, ऋषभ पंत का हेटमेयर बो पोलार्ड 71,केदार जाधव का पोलार्ड बो कीमो पॉल 40, रविंद्र जडेजा रन आउट 21, शिवम दुबे का सेल्डर बो पॉल 09, दीपक चाहर नाबाद 06, मोहम्मद शमी नाबाद 00,

अतिरिक्त (बाई 05, लेग बाई 05, नोबाल 03, वाइड 11) 24, **कुल** (50 ओवर में, आठ विकेट पर) 287, **विकेट पतन** :1-21, 2-25, 3-80, 4-194, 5-210, 6-269, 7-269, 8-282, **गेंदबाजी :** कोटरेल 10-3-46-2, सेल्डर 8-0-45-0, वाल्श 5-0-31-0, कीमो पॉल 7-0-40-2, अलजारी जोसेफ 9-1-45-2, रोस्टन चेज 7-0-42-0, पोलार्ड 4-0-28-1

कोहली रन

रोहित रन 36

जडेजा को रन आउट देने के तरीके से कोहली खफा

चेन्नई। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में यहां रविंद्र जडेजा को टेट से रन आउट दिए जाने पर ड्रेसिंग रूम में नाराजगी दिखाई।

यह घटना 48वें ओवर की है जब जडेजा ने तेजी से दौड़कर रन लिया और क्षेत्ररक्षक रोस्टन चेज का थ्रो दूसरे छोर के विकेट पर जा लगा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने जोरदार अपील नहीं की और क्रीज से बाहर रहने के बाद भी मैदानी

अंपायर शान जार्ज ने जडेजा को आउट नहीं दिया। वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने मैदान में लगी बड़ी स्क्रीन पर रीप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर से संपर्क किया जिसके बाद उन्होंने तीसरे अंपायर की तरफ इशारा किया गया। तीसरे अंपायर ने जडेजा को आउट दे दिया जिस पर कोहली नाराज दिखे। उन्होंने इसके बाद चौथे अंपायर (अनिल चौधरी) से बात की। वह हालांकि मैदान पर नहीं गए।

स्टेडियम नहीं, प्रशिक्षण केंद्र जरूरी: संदीप सिंह

जींद। हरियाणा के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री और पूर्व हाकी खिलाड़ी संदीप सिंह ने रविवार को कहा कि देश को स्टेडियमों से ज्यादा प्रशिक्षण केंद्रों की जरूरत है जहां नए खिलाड़ी तैयार किए जा सके। संदीप ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, हमारा उद्देश्य खिलाडियों को अच्छी सुविधा देना और अच्छे खिलाड़ी तैयार करना है जो प्रदेश व देश का नाम अंतराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर कर सके। हर जगह से स्टेडियम निर्माण की मांग आती है जबकि इससे भी ज्यादा जरूरी प्रशिक्षण केंद्र है। स्टेडियम वहां बनाए जाते है जहां प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। हमें खिलाड़ी तैयार करने है, जिसके लिए प्रशिक्षण केंद्रों की जरूरत होती है। हमारा उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षण केंद्र तैयार करना है। उन्होने प्रतियोगियों को भी आमंत्रण दिया और कहा कि अगर वे अपने व्यक्तिगत का निर्णय सही ढंग से नहीं करते तो उनके खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी।

दिल्ली गोल्फ कोर्स की खूबसूरती ने लारा का दिल जीता

नई दिल्ली। अपनी टमाटर क्लाई से मेट को मैदान के किसी भी हिस्से में भेजने की क्षमता रखने वाले वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा का गोल्फ से लगाव किसी से छिपा नहीं है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए टी20 श्रृंखला के दौरान कमेंटेटर की भूमिका निभाने वाले लारा ने रविवार को यहां की खूबसूरत दिल्ली गोल्फ क्लब (डीजीसी) में हाथ आजमाया। उषा समूह के ब्रांड अंबेस्डर बने लारा से जब डीजीसी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह खूबसूरत है, मेरे लिए इसकी चौड़ाई थोड़ी कम है। लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि यहां आना मेरे लिए शानदार रहा। यहां लोगों से मिलकर अच्छा लगा। लारा ने कहा कि क्रिकेटरों ने किसी पोरिया शानदार गोल्फर है जबकि महान भारतीय स्पष्टनमौला कपिल देव भी अच्छे गोल्फर है। कपिल बहुत अच्छे है। किसी पोरिया भी शानदार गोल्फर है। मैंने मेरा ब्लेयेट के साथ नहीं खेला है लेकिन सुना है कि वह पैशियन गोल्फर है।

क्राफोर्ड ने डब्ल्यूबीओ खिताब बरकरार रखा

लास एंजिलिस। टेरेंस क्राफोर्ड ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए यहां मेडिसन स्क्वायर गार्डन में पूर्व ओलंपियन मुक्केबाज इमिटिजस कावालियासकस को नौवें दौर में नाकआउट करके अपना डब्ल्यूबीओ वेल्टरवेट खिताब बरकरार रखा है। क्राफोर्ड की 36 मुकाबलों में यह 36वीं जीत है जिसमें 27 नाकआउट शामिल है। यह स्टार मुक्केबाज तीसरे दौर में जूझ रहा था लेकिन अंततः लय हासिल करके जीत दर्ज करने में सफल रहा। अमेरिका के पेरोवर मुक्केबाज क्राफोर्ड ने लिथुआनिया के मुक्केबाज को सातवें दौर में एक बार जबकि नौवें दौर में दो बार कोर्ट पर धाराशाई किया। क्राफोर्ड ने जब नौवें दौर में तीसरी और आखिरी बार कावालियासकस को कोर्ट पर गिराया तो रेफरी ने मुकाबला तेक्नकर अमेरिकी मुक्केबाज को विजेता घोषित कर दिया। कावालियासकस 2008 और 2012 ओलंपिक में शिरकत कर चुके है। उनकी यह पहली हार है। उन्होने अब तक 23 मुकाबले लड़े जिसमें से 21 में उन्होने जीत दर्ज की जबकि एक ड्रा रहा। उन्होने 17 नाकआउट किए है।

डिविलियर्स को संन्यास से वापसी के लिए मनाने का प्रयास कर सकता हूं: बाउचर

भाषा। जोहानिसबर्ग

नव नियुक्त मुख्य कोच मार्क बाउचर ने कहा है कि वह एबी डिविलियर्स सहित हाल में संन्यास लेने वाले कुछ खिलाड़ियों को अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका की टीम में वापसी के लिए मनाने का प्रयास कर सकते हैं। बाउचर को शनिवार को 2023 तक दक्षिण अफ्रीका का मुख्य कोच नियुक्त किया गया और उनका पहला बड़ा टूर्नामेंट आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप होगा जिसमें अभी 10 महीने का समय है। ईएनपीएनक्रिकइंफो ने बाउचर के हवाले से कहा, जब आप विश्व कप में जाते हैं तो आप चाहते हैं कि आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आपके लिए खेलें। अगर मैं मानता हूं कि वह (डिविलियर्स) हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है तो मैं उसके साथ बात क्यों नहीं करना चाहूंगा। मैं अभी पद संभाला है, मैं कुछ खिलाड़ियों के साथ बात कर सकता हूं और देखूंगा कि वे किसी स्थिति में हैं। आप विश्व कप में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चाहते हैं और अगर इसके लिए आपको मीडिया, टीम के साथियों के साथ कुछ मुद्दों को सुलझाने की जरूरत पड़े और यह दक्षिण अफ्रीका के लिए अच्छा हो तो फिर ऐसा क्यो नहीं करें। दक्षिण अफ्रीका के महानतम खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले पूर्व कप्तान डिविलियर्स ने पिछले साल मार्च में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब दुनिया भर के फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं। बाउचर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को जरूरत है और वह कोलपैक करार करने वाले खिलाड़ियों की उपलब्धता का स्वागत करेंगे।

आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 296 रन से रौंदा

- पहला टेस्ट चौथे ही दिन मैच समाप्त

भाषा। पर्थ

ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को पर्थ स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट के चौथे दिन न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को 171 रन पर समेट कर 296 रन से जीत दर्ज की जो इस टीम के खिलाफ रनों के लिहाज से उसकी दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

पहली पारी में 250 रन से पिछड़ने वाली न्यूजीलैंड को दिन-रात्रि टेस्ट के चौथी पारी में जीत के लिए 468 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला था। चौथी पारी में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकार्ड वेस्टइंडीज के नाम है जिसने 2003 में सेंट जोंस में सात विकेट पर 418 रन बनाकर आस्ट्रेलिया को हराया था। आस्ट्रेलिया ने लंच से पहले ही सलामी बल्लेबाज जीत रावल और कप्तान केन विलियमसन का विकेट चटकाकर जीत की तरफ कदम बढ़ा दिए थे। न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद मैच को

पांचवें दिन तक खींचने की कोशिश की लेकिन मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस ने पर्थ के मैदान पर खेले गए पहले दिन-रात्रि टेस्ट में उनकी एक ना चलने दी। न्यूजीलैंड के अंतिम पांच विकेट 17 रन के अंदर गिर गए जिससे टीम 171 रन पर आउट हो गई। आस्ट्रेलिया ने इस मुकाबले को 296 रन से जीता जो रनों के हिसाब से न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी सबसे बड़ी जीत से सिर्फ एक रन कम है। आस्ट्रेलिया ने आकलैंड में 1974 में न्यूजीलैंड को 297 रन से हराया था। पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले स्टार्क ने दूसरी पारी में 45 रन देकर चार विकेट चटकाए। कमिंस ने दूधिया रोशनी में गुलाबी गेंद पर शानदार पकड़ दिखाते हुए 31 रन देकर दो विकेट लिए जबकि स्पिनर नाथन लियोन ने 63 रन देकर चार बल्लेबाजों को चलता किया। चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरे न्यूजीलैंड ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज जीत रावल और विलियमसन विकेट गंवा दिए। रावल एक रन बनाकर मैच में स्टार्क का छठा शिकार बने जबकि लियोन ने पारी की अपनी पहली गेंद पर ही विलियमसन को शार्ट लेग पर खड़े मैथ्यू वेड के हाथों कैच कराया। न्यूजीलैंड के कप्तान ने 14 रन बनाए। फार्म में चल रहे रास टेलर ने 40 रन बनाकर स्टार्क की गेंद को विकेट कीपर टिम पेन के दस्तानों में थमा दिया। सलामी बल्लेबाज टाम लैथम ने 68 गेंद की पारी में जुझारूपन दिखाई लेकिन लियोन ने 18 के स्कोर पर उन्हें पगबाधा कर दिया। वटलिंग ने उसे बार किस्मत का साथ मिला लेकिन वह भी अपनी पारी को 40 रन से आगे नहीं ले जा सके।

एम्मा राडुकानु एनईसीसी डेक्कन आईटीएफ की विजेता बनी

भाषा। पुणे

क्वालीफायर एम्मा राडुकानु ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां एनईसीसी डेक्कन आईटीएफ महिला टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में आस्ट्रेलियाई-ब्रिटिश खिलाड़ी निकिता बैंस को शिकस्त दी। ग्रेट ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने 25,000 डालर ईनामी राशि वाले टूर्नामेंट के एक घंटे 46 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय मूल की खिलाड़ी को 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। राडुकानु के लिए यह पहला 25के खिताब है जबकि निताका लगातार दूसरे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी।

- पाकिस्तान - श्रीलंका टेस्ट ड्रा

भाषा। रावलपिंडी

पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच बारिश से प्रभावित पहला टेस्ट क्रिकेट मैच रविवार को यहां अनिर्णीत समाप्त हुआ जिसका आकर्षण आबिद अली का शतक रहा जिससे वह वनडे और टेस्ट दोनों प्रारूपों में पदार्पण पर सैकड़ा जड़ने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। आबिद ने नाबाद 109 रन बनाए और बाबर आजम (नाबाद 102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन की अटूट साझेदारी की।

आबिद का रिकार्ड शतक

पाकिस्तान ने खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी पहली पारी में जब दो विकेट पर 252 रन बनाए थे तो अंपायरों ने मैच ड्रा समाप्त घोषित करने का फैसला किया। पाकिस्तान में पिछले दस साल में पहली बार खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले चार दिन का खेल बारिश से प्रभावित रहा। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 308 रन बनाकर घोषित की। उसकी तरफ से धनंजय डिसिल्वा ने शतक लगाया। उन्होंने रविवार को सुबह 87 रन से आगे खेलते हुए नाबाद 102 रन बनाए। डिसिल्वा ने पहले तीन दिन भी बल्लेबाजी की जबकि चौथे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया था। इसके बावजूद यह मैच पाकिस्तान में टेस्ट क्रिकेट की वापसी और आबिद के शतक के कारण यादगार बन गया। आबिद ने अपनी पारी में 201 गेंदें खेली तथा 11 चौके लगाए। यह 32 वर्षीय बल्लेबाज जब 95 रन पर था तब उन्होंने विश्व फनाँडो पर पहले चौका जड़ा और फिर कवर पर दो रन के लेकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने इस साल मार्च में आस्ट्रेलिया के खिलाफ दुबई में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण पर 112 रन की पारी खेली थी। बाबर आजम ने दिन के अंतिम क्षणों दिलरूवान परेरा पर चौका लगाकर घरेलू सरजमीं पर पदार्पण मैच में शतक पूरा किया। इसके कुछ देर बाद दोनों कप्तानों की सहमति से मैच ड्रा घोषित कर दिया गया। आजम ने 128 गेंदें खेली और 14 चौके लगाए। इससे पहले श्रीलंका के मध्यक्रम के बल्लेबाज धनंजय डिसिल्वा ने शतक जड़ा जिससे मेहमान टीम ने सुबह के सत्र में 20 मिनट बल्लेबाजी करने के बाद छह विकेट पर 308 रन पर पारी घोषित कर दी। दाएं हाथ के 28 साल के बल्लेबाज डिसिल्वा ने तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास पर कवर ड्राइव से अपने 15वें चौके के साथ छठा टेस्ट शतक पूरा किया। डिसिल्वा 102 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने 241 मिनट क्रीज पर बिताए। वह गुरुवार को चार विकेट पर 127 रन के स्कोर पर क्रीज पर उतरे थे। दिलरुवान परेरा 16 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान में हो रहे इस एतिहासिक टेस्ट में नतीजे की किसी भी संभावना को बारिश और खराब मौसम ने खत्म कर दी थी। बारिश के कारण पहले चार दिन में सिर्फ 91 .5 ओवर फेंके जा सके थे। पाकिस्तान की ओर से 16 साल के तेज गेंदबाज नसीम शाह ने 92 रन देकर दो जबकि शाहीन शाह अफरीदी ने 58 रन देकर दो विकेट चटकाए। मार्च 2009 में श्रीलंका की टीम पर आतंकी हमले के बाद यह पाकिस्तान की सरजमीं पर पहला टेस्ट है। दूसरा टेस्ट कराची में 19 दिसंबर से खेला जाएगा।

टेस्ट और वनडे में पदार्पण पर शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बने आबिद

रावलपिंडी। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज आबिद अली टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण पर शतक जड़ने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए है। उन्होने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में रविवार को यह उपलब्धि हासिल की। यह 32 वर्षीय बल्लेबाज जब 95 रन पर था तब उन्होने विश्व फनाँडो पर पहले चौका जड़ा और फिर कवर पर दो रन के लेकर अपना शतक पूरा किया। उन्होने इस साल मार्च में आस्ट्रेलिया के खिलाफ दुबई में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण पर 112 रन की पारी खेली थी। आबिद उन 15 बल्लेबाजो में शामिल है जिन्होने वनडे में पदार्पण पर सैकड़ा जड़ा लेकिन इनमे से कोई भी अन्य अपने पहले टेस्ट मैच में शतक नहीं लगा पाया। आबिद टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर शतक जड़ने वाले 18वें पाकिस्तान बल्लेबाज है।

पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार पर मारपीट का आरोप

भाषा। मेरठ

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी प्रवीण कुमार पर टीपीनगर थाना क्षेत्र के मुल्तानगर में एक फैक्ट्री मालिक के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। स्कूल बस से बच्चों को उतारने के दौरान कार निकालने के विवाद में यह घटना हुई। यह भी आरोप है कि प्रवीण कुमार ने बाइक पर बैठे बच्चे को उठाकर फेंक दिया। प्रवीण के खिलाफ टीपीनगर थाने में तहरीर दी गई है। हालांकि अभी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। टीपीनगर के थाना प्रभारी ने बताया कि मुल्तानगर में रहने वाले दीपक शर्मा ने प्रवीण पर आरोप लगाए हैं। दीपक की मूर्तियां बनाने की फैक्ट्री है। दीपक के अनुसार उनका बेटा यशवर्द्धन (छह साल) एमपीएस वेदव्यासपुरी में पहली कक्षा में पढ़ता है। शनिवार दोपहर वह मुल्तानगर में स्कूल बस से यशवर्द्धन को उतार रहे थे। इस दौरान प्रवीण कार लेकर उस तरफ से जा रहे थे। स्कूल बस से बच्चों को उतारने के दौरान रास्ता मामूली रूप से बाधित था। इसे लेकर प्रवीण और दीपक के बीच कहासुनी हो गई। दीपक का आरोप है कि प्रवीण ने उनके साथ मारपीट की। बाइक पर बैठे उनके बेटे यशवर्द्धन को नीचे फेंक दिया। सूचना मिलने पर दीपक के पिता जितेंद्र शर्मा मौके पर पहुंचे। उनके साथ भी अभद्रता और हाथापाई की गई। आसपास के लोगों के बीच-बचाव कराने पर मामला शांत हुआ। पीड़ित परिवार ने टीपीनगर थाने पहुंचकर प्रवीण के खिलाफ मारपीट की तहरीर दी। थाना प्रभारी के अनुसार प्रवीण के खिलाफ मारपीट की शिकायत आई है। घटना की जांच की जा रही है। इसके बाद ही आगे की कार्वाई की जाएगी। इस संबंध में प्रवीण से बातचीत का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

बार्सोटन, गुटेनी ने रिकार्ड के साथ 25-के दौड़ में खिताब जीते

भाषा। कोलकाता

कीनिया के लियोनार्ड बार्सोटन और इथोपिया की गुटेनी शोन ने कोर्स रिकार्ड के साथ रविवार को यहां टाटा स्टील कोलकाता 25के (25 किमी) दौड़ में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते। बार्सोटन ने 25 किमी दौड़ का खिताब एक घंटा 13 मिनट और पांच सेकेंड के समय के साथ जीता। उन्होंने केनेनिसा बेकेले के कोर्स रिकार्ड में 40 सेकेंड का सुधार किया। पुरुष और महिला दोनों वर्ग में शीर्ष तीन अंतरराष्ट्रीय एलीट धावकों ने पिछले कोर्स रिकार्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। पुरुष वर्ग में इथोपिया के बेतेस्फा गेताहुन (एक घंटा 13 मिनट और 33 सेकेंड) दूसरे जबकि उनके हमवतन बाएलिन एगसाव (एक घंटा 13 मिनट और 36 सेकेंड) तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में गुटेनी ने देगेतु अजिमेराव के कोर्स रिकार्ड में चार मिनट से अधिक

का सुधार किया। उन्होंने एक घंटा 22 मिनट और नौ सेकेंड के समय के साथ खिताब जीता। डेसी जिसा (एक घंटा 23 मिनट और 22 सेकेंड) ने रजत जबकि तेजिंतु डाबा (एक घंटा 24 मिनट और 32 सेकेंड) ने कांस्य पदक जीता। बार्सोटन अब दुबई में आरएके हाफ मैराथन में हिस्सा लेने की योजना बना रहे हैं जबकि वह यूरोपीय सर्किट पर भी खेलेंगे। भारतीय धावकों में श्रीनु बुगाथा एक घंटा 18 मिनट और 31 सेकेंड के समय के साथ पुरुष वर्ग में शीर्ष पर रहे जबकि महिला वर्ग में किरनजीत कौर ने एक घंटा 38 मिनट और 56 सेकेंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। भारतीय पुरुष धावकों में तीर्थ पुन (एक घंटा 18 मिनट और 39 सेकेंड) दूसरे जबकि हर्षद म्हात्रे (एक घंटा 20 मिनट और 30 सेकेंड) तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में श्यामली सिंह (एक घंटा 39 मिनट और दो सेकेंड) ने दूसरा जबकि आरती पाटिल (एक घंटा 39 मिनट और 40 सेकेंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

ट्यूमर के इलाज के बाद वापसी करने वाली बंगाल की श्यामली ने रजत जीता

कोलकाता। लंबी दूरी के धावको को वर्ड बाधाओ को तोड़ना होता है और पश्चिम बंगाल के मिदनापुर की श्यामली सिंह ने ऐसी ही वर्ड चुनौतियो से पार पाते हुए टाटा स्टील कोलकाता 25के (25 किमी) दौड़ में रविवार को यहां भारतीय महिला खिलाड़ियों के बीच रजत पदक हासिल किया। बेहद ही गरीब किसान परिवार से संबंध रखने वाली श्यामली को दो साल पहले ट्यूमर (कैंसर) का पता चला लेकिन इसको भी उनके हौसलो को पस्त नहीं होने दिया। अपने पति सह कोच संतोष की मदद से उन्होने 2017 में मुंबई मैराथन में भाग लिया और तीन घंटे आठ मिनट 41 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रही। इससे उन्हे पुरस्कार राशि के तौर पर चार लाख रुपए मिले जिसका इस्तेमाल उन्होने अपने इलाज के लिए किया। दो साल के बाद कैंसर पर जीत दर्ज कर उन्होने दमदार वापसी की और कोलकाता 25के में महिला वर्ग में किरनजीत कौर के बाद दूसरे स्थान (एक घंटा 39 मिनट और दो सेकेंड) पर रही। अपनी संघर्ष को याद करते हुए श्यामली ने कहा, हमारी स्थिति अच्छी नहीं थी। मेरे पति संतोष मेरे कोच भी है। हमे इलाज के लिए पैसे की जरूरत थी इसलिए हमने मिलकर संघर्ष करने का फैसला किया। मैंने मुंबई मैराथन में भाग लिया। मैं इसमे शीर्ष तीन में रहने को लेकर प्रतिबद्ध थी जिससे इलाज के लिए पैसे मिल सके। रविवार को वह यहां 17 किलोमीटर तक भारतीय महिला धावकों से शीर्ष पर थी लेकिन पेट की मांसपेशियो मे खिंचाव आने के कारण उन्हे अपनी गति धीमी करनी पड़ी। इस दौरान उनके शरीर मे पानी की कमी हो गई। उन्होने कहा, मुझे चिकित्सक से सलाह लेनी होगी लेकिन मै पांच हजार, 10 हजार मीटर के साथ 25के, हाफ और फुल मैराथन मे दौड़ना जारी रखूंगी।

लक्ष्य ने बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय का खिताब

भाषा। ढाका

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय चैलेंजर के पुरुष एकल फाइनल में मलेशिया के लेओंग जुन हाओ को हराकर सत्र का पांचवां खिताब जीता। अठारह साल के इस खिलाड़ी ने हाओ को सीधे गेम में 22-20, 21-18 से हराया। वह पिछले सात टूर्नामेंट में से पांचवीं बार चैम्पियन बने। इस जीत के बाद उन्होंने ट्वीट किया, अपने पांचवें खिताब के साथ यहां बांग्लादेश में साल का अंत जीत के साथ करके खुश हूं। उम्मीद है अगले साल भी अच्छी फार्म जारी रहेगी। अन्य भारतीयों में महिला युगल में मनीषा के और ऋतपर्णा पांडा की जोड़ी को शीर्ष वरीय तान पेअर्ल कोंग ली और धिनाह मुरलीधरन की मलेशियाई

जोड़ी से 20-22, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी को भी फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया की ई जुन चांग और काइ वुन ती की जोड़ी ने 21-19, 21-16 से हराया।

तस्नीम को एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण, तारा को रजत

सुराबाया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तस्नीम मीर ने रविवार को यहां हमवतन तारा शाह को हराकर अंडर-17 एवं अंडर-15 एशिया जूनियर चैंपियनशिप में अंडर-15 महिला एकल वर्ग का खिताब जीता। आल इंडिया खिताबी मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन अंततः शीर्ष वरीय तस्नीम 55 मिनट में 17-21 21-11 21-19 से जीत दर्ज करने में सफल रहीं। इस जीत के साथ तस्नीम को स्वर्ण पदक मिला जबकि तारा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इन दोनों लड़कियों ने हालांकि पिछले साल म्यामां में हुए पिछले टूर्नामेंट के अपने प्रदर्शन में सुधार किया जहां ए क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। दोनों खिलाड़ियों ने शनिवार को सेमीफाइनल में जापान की अपनी अपनी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ आसान जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई थी। तस्नीम ने सोग इशियोका को 21-16 21-11 से हराया था जबकि तारा ने काजुने इवातो को 21-18 21-14 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

कारपोव के तंज ने झकझोर दिया था आनंद को

नई दिल्ली। स्टार शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने बताया कि अनातोली कारपोव ने एक बार उन पर तंज कसते हुए कहा था कि इस भारतीय खिलाड़ी में बड़े मैच जीतने का जज्बा नहीं है जिसका उन पर गहरा असर पड़ा था और इसके बाद वह शतरंज की दुनिया में रूस के खिलाड़ी जितना ही बड़ा नाम बने। विश्व चैंपियनशिप 1998 के फाइनल में आनंद को हराने के बाद कारपोव ने कहा था, विशी (विश्वनाथन आनंद) अच्छा व्यक्ति है लेकिन उसमें बड़े मैच जीतने का जज्बा नहीं है। आनंद ने हाल में जारी अपनी आत्मकथा माइंड मास्टर- विनिंग लैसन फ्राम ए चैंपियन्स लाइफ में इस टिप्पणी का जिक्र किया है। कारपोव ने एक पत्रकार को यह टिप्पणी की थी जबकि आनंद और उनकी पत्नी फाइनल के साथ उनके

साथ वाली टेबल पर बैठे थे। आनंद ने किताब में लिखा, उनके शब्दों ने मुझे झकझोर दिया। यह अप्रिय अहसास था कि मुझे ऐसे खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है जो अच्छा है लेकिन जिसमें बड़े मैच जीतने के लिए दृढ़ विश्वास की कमी है। मैं अपनी क्षमता दिखाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था और इस तंज ने मेरे अंदर मौजूद उस दृढ़ विश्वास को और मजबूत कर दिया, अब कोई चीज मायने नहीं रखती थी, मुझे अब खिताब जीतना था। इस घटना के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अपने करियर को लेकर आत्ममंथन किया। आनंद ने लिखा, यह संभवतः सही था कि मेरे अंदर जज्बे की कमी थी और विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने के लिए मानसिक रूप से मजबूत नहीं था। अपने करियर में लंबे समय तक विश्व चैंपियन बनने की महत्वाकांक्षा को लेकर मेरे अंदर जुनून नहीं था। वर्ष 2000 में फिडे विश्व चैंपियनशिप का पहला चरण नई दिल्ली में खेला गया और आनंद ने घरेलू हालात का पूरा फायदा उठाते हुए फाइनल में जगह बनाई जो तेहरान में खेला जाना था। फाइनल में भी आनंद की राह आसान रही। पहली बाजी ड्रा खेलने के बाद आनंद ने अगली तीन बाजियां जीतकर खिताब अपने नाम किया। आनंद ने कहा, अंत में मैं विश्व चैंपियन बन गया था।

विश्व टूर फाइनल्स के साथ मोमोटा ने साल का 11वां खिताब जीता

शंघाई। विश्व नंबर एक खिलाड़ी केंटो मोमोटा ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में एथेंसी सिंगिसुका गिंटिंग को हराकर खिताब अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज 23 साल के गिंटिंग ने पहला गेम जीत कर मोमोटा को चुनौती दी लेकिन 87 मिनट तक चले पाइनल को नाघाम के खिलाड़ी ने 17-21, 21-17, 21-14 से अपने नाम किया। मोमोटा के लिए 2019 शानदार रहा जिनके लिए यह साल का चार्वा खिताब है। इंडोनेशिया के गिंटिंग इस साल पांच बार फाइनल में पहुंचे लेकिन एकभी खिताब नहीं जीत सके।

टीआरएयू एफसी को हराकर ईस्ट बंगाल शीर्ष पर पहुंचा

कश्वाणी (पश्चिम बंगाल)। मार्ति देश्वी के आखिरी पलों में दिश्व नांल की गटर से ईस्ट बंगाल ने शनिवार को यहां आईलीग फुटबाल टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे टीआरायू एफसी को 2-1 से हराया। इस जीत से ईस्ट बंगाल की टीम चार मैचों में आठ अंकों के साथ आई-लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई जबकि टीआरायू लगातार तीन हार के बाद सबसे नीचे है। मार्वोस इस्पाद के 17 मिनट में दिश्व नाए गोल से ईस्ट बंगाल की टीम ने मैच में बढ़त बना ली लेकिन मध्यांतर से ठीक पहले टीएक देवतनी ने गोलक्ष टीआरायू एफसी की वापसी कर दी। मैच जब ड्रा की तरफ बढ़ रहा था तभी 89वें मिनट में मार्वोस के हेड्र को देश्वी ने गोल में बदल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

एटीके को हराकर शीर्ष पर पहुंचा एफसी गोवा

पणजी (गोवा)। माउर्तोर फाल और फेरान कोरोमिनास के गोल के दम पर एफसी गोवा शनिवार को यहां इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबाल मुकाबले में दो बार की चैंपियन एटीके को 2-1 से हराकर तालिका के शीर्ष पर पहुंच गया। यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए छठे सत्र के इस मुकाबले के तीनों गोल सात मिनट के अंदर हुए। गोवा के लिए माउर्तोर फाल ने 60वें और फेरान कोरोमिनास ने 66वें मिनट में गोल दिए जबकि एटीके के लिए जॉनी जस्टिन ने 64वें मिनट में गोल किया। पिछले सत्र की उपविजेता गोवा को इस जीत से तीन अंक मिले जिससे टीम के आठ मैचों में 15 अंक हो गए और वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। इस मैच से पहले शीर्ष पर काबिज एटीके की टीम दूसरे स्थान पर खिसक गई। एटीके के आठ मैचों से 14 अंक है।

निकहत और मंदीप के दमदार पंच से नार्थईस्ट राइनोज की जीत

नई दिल्ली। कप्तान निकहत जरीन और मनदीप जांगड़ा के दमदार खेल के दम पर नार्थईस्ट राइनोज ने शनिवार को यहां बिग बाउट इंडियन बॉक्सिंग लीग में बाबे बुलेट्स पर 4-3 की करीबी जीत दर्ज की। इस जीत से नार्थईस्ट की टीम 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई। बाबे बुलेट्स के 14 अंक है। पदार्पण कर रही युवा मुक्केबाज अंबेसौरी देवी (युवा महिला 57 किग्रा) और अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को वेरल (75 किग्रा) ने भी नार्थईस्ट राइनोज के लिए महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए। मणिपुर की 16 साल की मुक्केबाज अंबेसौरी ने प्रिया कुश्वाल को हराया। देश के भारतीय मुक्केबाज प्रधान चौहान को पराजय मिला। राइनोज की कप्तान निकहत ने महिलाओं की 51 किग्रा भारत वर्ग ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता इबिट लोरेना चानेसिया को करीबी मुकाबले में हराया। इसी तरह जांगड़ा ने पुरुषों के 69 किग्रा वर्ग के करीबी मुकाबले में नवीन बोरा को शिकस्त दी।

कपूर आठवें, राशिद 10वें स्थान पर रहे

जकार्ता। भारतीय गोल्फर शिव कपूर ने रविवार को इंडोनेशिया मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट के चौथे दिन तीन अंडर 69 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर रहे जबकि राशिद खान संयुक्त रूप से 10वें पायदान पर रहे। कपूर दूसरे दौर के बाद खिताब की दौड़ में थे लेकिन तीसरे दौर में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वह पिछड़ गए। उन्होंने हालांकि चौथे दौर में कुछ वापसी की और कुछ 13 अंडर 275 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से आठवें स्थान के साथ अपने अभियान को खत्म किया। वह विजेता जैज जानेवतानानोंद से 10 शाट पीछे रहे। अन्य भारतीयों में, राशिद (68) संयुक्त 10वें , ज्योति रंधावा (67) संयुक्त 15वें पर, अजितेश संधु (71) संयुक्त 21वें स्थान जबकि अमन राज (68), विराज मडप्पा (73) और एसएसपी चौरसिया (67) संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर रहे। अर्जुन अटवाल (75) संयुक्त 66 वें स्थान पर रहे।

मुंबई ने बेंगलुरु का विजय अभियान रोका

● इंडियन सुपर लीग

भाषा। बेंगलुरु

रॉवलिन बोर्जेज के इंजुरी टाइम में किए गए गोल की मदद से मुम्बई सिटी एफसी ने रविवार को यहां इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मौजूदा सत्र में बेंगलुरू एफसी का अजेयक्रम रोक दिया। मुंबई ने श्रीकांतिरावा स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मैच में मौजूदा चैम्पियन बेंगलुरू एफसी को 3-2 से हराया। बेंगलुरू की आठ मैचों में यह पहली हार है। टीम 13 अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे नंबर पर हैं। वहीं, मुम्बई सिटी एफसी की आठ मैचों में यह दूसरी जीत है। टीम के अब 10 अंक हो गए हैं और वह छठे नंबर पर पहुंच गई है। मुम्बई सिटी ने शुरू से ही अपनी लय पकड़ ली और कुछ

अच्छे मौके बनाए और 12वें मिनट में सुभाशीष बोस के गोल की मदद से।-0 की बढ़त बना ली। बेंगलुरू नीशू की जगह राहुल भेके के साथ दूसरे हाफ में मैदान पर उतरी। इसके बाद मुम्बई के डिफेंडर माटो गर्गिक एक बड़ी गलती कर बैठे और बॉल को अपने ही गोल पोस्ट में मार बैठे। माटो के 58वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल ने बेंगलुरू को मुकाबले में।-। से बराबर पर ला दिया। कार्लोस ने मैदान पर कदम रखते हुए 77वें मिनट में रेनियर फर्नांडीज की मदद से गोल करके मुम्बई को मुकाबले में 2-। से आगे कर दिया। मैच के 88वें मिनट में बेंगलुरू को पेनाल्टी मिली और कप्तान सुनील छेत्री ने इसे गोल में तब्दील करके अपनी टीम को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मुकाबला इंजुरी टाइम में चला गया, जहां रॉवलिन बॉर्जेज ने गोल करके मुम्बई को अप्रत्याशित जीत दिला दी। रॉवलिन ने यह गोल सुभाशीष बोस के असिस्ट पर किया।

कोटिन्हो की हैट्रिक से बायर्न म्यूनिख की आसान जीत

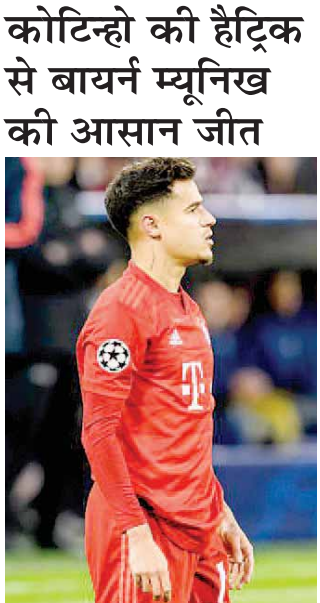

● बुंदेसलीगा फुटबाल टूर्नामेंट
● आरबी लेपजिग शीर्ष पर

भाषा। बर्लिन

फिलिप कोटिन्हो की हैट्रिक से बायर्न म्यूनिख ने बर्डेर ब्रेमेन के खिलाफ 6-। की आसान जीत दर्ज की जबकि आरबी लेपजिग बुंदेसलीगा फुटबाल टूर्नामेंट में शीर्ष पर पहुंच गया। बार्सीलोना से ऋण पर म्यूनिख आए कोटिन्हो एलियांज एरेना में छाए रहे। उन्होंने तीन गोल करने के अलावा दो गोल में मदद भी की। उन्होंने 45वें, 63वें और 78वें मिनट में गोल दागे। टीम की ओर से राबर्ट लेवनदोवस्की ने दो जबकि थामस म्यूलर ने भी एक गोल किया। ब्रेमन की ओर से एकमात्र गोल 24वें मिनट में मिलोट राशिका ने दागा। दूसरी तरफ आरबी लेपजिग की टीम फोर्च्यूना डसेलडोर्फ को 3-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गई है। लेपजिग के 15 मैचों में 33 अंक हैं। बोरूसिया मोशेनग्लाबाख 31 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन उसने लेपजिग से एक मैच कम खेला है। बायर्न म्यूनिख की टीम 15 मैचों में 27 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

नापोली के कोच के रूप में गातुसो की खराब शुरुआत

मिलान। नापोली के कोच के रूप में गेनारो गातुसो का पदार्पण निराशाजनक रहा जब उनकी टीम को पार्मा के खिलाफ सिरी ए फुटबाल मैच में।-2 से हार का सामना करना पड़ा। पिछले सत्र का उप विजेता नापोली पिछले आठ लीग मैच में जीत दर्ज करने में नाकाम रहा है। चैंपियन्स लीग में गेंक के खिलाफ 4-0 की जीत से अंतिम 16 में जगह बनाने के बावजूद कोच कार्लो एनकेलोती को बर्खास्त कर दिया गया था जिसके बाद गातुसो ने जिम्मेदारी संभाली। एसी मिलान के पूर्व कोच गातुसो की शुरुआत खराब रही और इस शिकस्त के साथ उनकी नई टीम 17 अंक के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई। देजान कुलुसेवस्की ने चौथे ही मिनट में पार्मा को बढ़त दिलाई जिसके बाद अर्कादीज मिलिक ने 64वें मिनट में स्कोर।-। कर दिया। पार्मा ने हालांकि इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में गेरवन्हो के गोल से जीत दर्ज की।

पनेसर क्रिकेट में वापसी को तैयार

● अवसाद से जूझने के बाद बाहर आए

भाषा। नई दिल्ली

लंबे समय तक अवसाद की चपेट में रहे इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर इससे उबरने के बाद एक बार फिर से मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। पनेसर अगले सत्र में इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलना चाहते हैं जबकि उनकी भविष्य की योजनाओं में लंदन का मेयर बनना और बालीवुड फिल्म में काम करना शामिल हैं। सैंतीस साल के इस क्रिकेटर ने ग्रीम स्वान के साथ मिलकर इंग्लैंड को 2012 में भारत में टेस्ट श्रृंखला में यादगार जीत दिलाने में अहम योगदान दिया था। इसके बाद हालांकि उनका करियर नीचे गिरने लगा और उन्होंने 2013 में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला। उन्होंने उस समय ब्राइटन नाइट क्लब में बाउंसरों के ऊपर पेशाब कर दिया था जिसने उनके करियर को काफी प्रभावित किया। पनेसर का मानसिक स्वास्थ्य तब गड़बड़ा गया था लेकिन वह इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। इंग्लैंड के लिए 50 टेस्ट खेलने वाले इस स्पिनर ने कहा, मैं काफी लंबे समय तक इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं था। यहां एकामरा खेल साहित्य उत्सव से इतर पनेसर ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं था क्योंकि मुझे डर था कि लोग कहेंगे कि मेरे जैसा क्रिकेटर अवसाद की चपेट में कैसे आ सकता है। इसके साथ ही मैं पंजाबी हूं, जट्ट हूं। मुझे लगा हर कोई कहेगा कि तुम्हारे साथ कुछ भी गलत नहीं हो रहा और तुम ठीक हो जाओगे। भारत के खिलाफ 2006 में करियर शुरू करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा, लेकिन बाद में, मुझे एहसास हुआ कि मैं कितना गलत था। अगर मैं अपने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को अपने दोस्तों और परिवार के साथ साझा करता तो मैं बहुत तेजी से ठीक हो जाता। पनेसर ने अवसाद से बाहर निकलने पर परिवार और दोस्तों का शुक्रिया करते हुए बताया कि उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया है और अब कीर्तन में जाते हैं जो उनके लिए अवसादरोधी की तरह है। ग्लेन मैक्सवेल के अलावा कई क्रिकेटरों ने हाल के दिनों में मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा उठाया है। पनेसर ने लंबे समय तक इसका सामना किया है और उन्होंने मौजूदा खिलाड़ियों को इससे निपटने की सलाह दी। अगर आप पेशेवर क्रिकेटर हैं और अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो इस बारे में बात करना काफी मुश्किल होता है। लेकिन आप किसी करीबी से इसे साझा कर सकते हैं। अगर क्रिकेट से ब्रेक लेने की जरूरत हो ब्रेक लेना चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य जरूरी है।

अंडर-17 फुटबाल : स्वीडन ने थाईलैंड को 3-। से हराया

भाषा। मुंबई

स्वीडन ने तीन देशों के अंडर 17 महिला फुटबाल टूर्नामेंट में रविवार को यहां थाईलैंड को 3-। से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। स्वीडन ने अपने पहले मैच में मेजबान भारत को 3-0 से हराया था और इस तरह से उसने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। थाईलैंड के खिलाफ मैच में स्वीडन की तरफ से मारवा सैद (26वें और 9Q4) ने दो गोल किए जबकि मोनिका बाह (70वें) ने एक गोल दागा। थाईलैंड के लिए एकमात्र गोल ख्वानजिरा लोंग (65वें) ने किया।

शिया और जेएनपीजी कालेज की जीत

घरेलू क्रिकेट खेलकर खुद को निखारें पंत : किरमानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ। खराब फार्म से जूझ रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम में बरकरार रखने को लेकर जारी चर्चाओं के बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर सैयद किरमानी का मानना है कि पंत को घरेलू क्रिकेट में लौट कर खुद को और निखारने की जरूरत है। शिया पीजीकालेज की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतर महाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन करने आए किरमानी ने रविवार को कहा कि पंत निश्चित रूप से बेहद प्रतिभाशाली है लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अभी घरेलू क्रिकेट में लौटकर खुद को निखारना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंत को अभी खाफी निखारे जाने की जरूरत है। उन्हें ज्यादा से ज्यादा घरेलू क्रिकेट खेलनी चाहिए ताकि उनका खेल निखर सके। किरमानी ने लोकेश राहुल का उदाहरण देते हुए कहा कि वह बल्लेबाज जब खराब दौर से गुजर रहा था तो उसने घरेलू क्रिकेट का रुख किया और रणजी ट्राफी तथा अन्य घरेलू टूर्नामेंटों में डेढ़ रन बनाकर टीम इंडिया में वापसी कर ली। पंत को भी ऐसा ही कुछ करना पड़ेगा।

शिया पीजी कालेज ने मौलाना मिर्जा मोहम्मद अतहर इंटर कॉलिजिएट क्रिकेट टूर्नामेंट में विद्यांत हिन्दू पीजी को छह विकेट से पराजित किया। शिया पीजी कालेज में खेले गए लीग मैच में विद्यान्त हिन्दू पीजी कालेज ने पहले बैटिंग करके 16.2 ओवर में 62 रन बनाए। विशाल भारद्वाज ने 22 और विशाल लाम्बा ने 19 रन का योगदान दिया। सैयद मुर्तजा और साद खान ने तीन-तीन विकेट लिए। जवाब में शिया पीजी कालेज ने 10 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 65 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। निखिल सिंह ने 21 और साद खान ने नाबाद 18 रन बनाए। उत्कर्ष अवस्थी और विशाल लाम्बा ने एक-एक विकेट लिए। दूसरे मैच में जेएनपीजी कालेज ने लखनऊ विवि को 111 रनों से मात दी। जेएनपीजी कालेज ने पहले बैटिंग करके 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाए। जवाब में लखनऊ विवि की टीम 13.1 ओवर में केवन 59 रन बनाकर आल आउट हो गयी। इससे पूर्व टूर्नामेंट का शुभारम्भ पूर्व क्रिकेटर सैयद किरमानी ने किया।

उत्तराखंड ने जीती ओवरआल चैंपियनशिप ट्राफी

● राष्ट्रीय जूनियर जूजुत्सू चैंपियनशिप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तराखंड की टीम ने प्रथम राष्ट्रीय जूनियर जूजुत्सू चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके 62 स्वर्ण, 29 रजत व 11 कांस्य सहित 92 पदक के साथ ओवरआल चैंपियनशिप जीत ली है। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में संपन्न चैंपियनशिप में यूपी अंतिम दिन पिछड़ गया और मेघालय 50 स्वर्ण, 17 रजत व 27 कांस्य पदक सहित 94 पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश की टीम 32 स्वर्ण, सात रजत व 29 कांस्य सहित 68 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रही। मुख्य अतिथि डीजीपी ओपी सिंह ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर जुजुत्सू एसोसिएशन आफ इंडिया के अध्यक्ष सुरेश गोपी, सचिव अमित अरोड़ा, अध्यक्ष अमित गुप्ता, कोआर्डिनेटर सैयद रफत जुबैर रिजवी व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

नौमान का हरफनमौला खेल

लखनऊ। नौमान के हरफनमौला खेल के सहारे सीआईडी क्लब ने सरदार पटेल कार्पोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में केएन इंफ्रा को छह विकेट से हराया। एनईआर में केएन इंफ्रा ने पहले बैटिंग करके 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाए। अभिषेक ने 59 और शुभांकर ने 15 रन का योगदान दिया। नौमान ने तीन और देवेन्द्र ने दो विकेट लिए। जवाब में सीआईडी क्लब ने 19.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 123 रन बनाकर छह विकेट से जीत हासिल की। नौमान ने नाबाद 47 और सामी ने 44 रन बनाए। शुभांकर ने दो विकेट लिए। दूसरे लीग मैच में रेनू ब्राडबैंड ने अवध स्ट्राइकर्स को आठ विकेट से हरा दिया। अवध स्ट्राइकर्स ने पहले बैटिंग करके 19.5 ओवर में 126 रन बनाए। जवाब में रेनू ब्राडबैंड ने 17.1 ओवर में दो विकेट पर 127 रन बनाकर आठ विकेट से मैच जीत लिया।

रवि शंकर ओपन वर्ग के चैंपियन बने

लखनऊ। रवि शंकर ने शिवानी कप संडे ओपन चेस टूर्नामेंट में ओपन वर्ग का खिताब सर्वाधिक पांच अंक अर्जित कर अपने नाम कर लिया। वहीं आयु वर्गों में स्वेतम अवस्थी, लक्ष्य श्रीवास्तव व जयदीप राय चैंपियन बने। शिवानी पब्लिक स्कूल में आयोजित टूर्नामेंट में पांचवें व अंतिम राउंड में रवि शंकर ने आकाश त्रिपाठी को मात देकर पूरे अंक जुटाए। कपिल कुमार खरे ने युंग डेविड के खिलाफ ड्रा खेलकर अंक बांटे। ओपन वर्ग के पांचवें व अंतिम राउंड के बाद रवि शंकर सर्वाधिक पांच अंक के साथ शीर्ष पर रहे। आधे अंक से पिछड़े कपिल कुमार खरे साढ़े चार अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। युंग डेविड तीसरेए अनुज यादव चौथे व कमलेश पांचवें स्थान पर रहे। अंडर-16 में स्वेतम अवस्थी शीर्ष पर रहे। मृत्युंजय पाठक दूसरे व विशाल कुमार यादव तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-14 में लक्ष्य श्रीवास्तव पहल, टी. कृष्णा दूसरे व राजनंदिनी तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-10 में जयदीप राय पहले, कार्तिकेय दूसरे व उज्जवल तीसरे स्थान पर रहे।

बडीज नौ विकेट से जीता

लखनऊ। क्रिकेट बडीज ने नीलम टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में जेनिथ क्रिकेट क्लब को नौ विकेट से हराया। चौक स्टेडियम में जेनिथ क्रिकेट क्लब ने पहले बैटिंग करके 18.3 ओवर में सभी विकेट के नुकसान पर 70 रन बनाए। अरुण राना ने 12 और राशिद ने 11 रन बनाए। कपिल शर्मा और अरविंद मिश्रा ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में क्रिकेट बडीज ने 10.5 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 76 रन बनाकर नौ विकेट से मैच जीत लिया। अमिताभ पाठक ने नाबाद 27 और अजय लाल ने नाबाद 27 रन बनाए। मुदित मिश्रा को एक विकेट मिले।

भारत को बड़े मैचों को जीत में बदलने का तरीका ढूंढना होगा: लारा

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व विकेटर ब्रायन लारा का मानना है कि विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम को आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट के नाकआउट मैचों को जीतने का तरीका ढूंढना होगा। इस दिग्गज खिलाड़ी ने पहले दृष्टिबाधित महिलाओं के लिए पहली राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट समर्थनम की घोषणा के इतर शनिवार शाम में कहा, यह उस चीजों में से एक है जिसे आपको समझना होगा। हर कोई भारत को दावेदार बताता है। सभी को पता होता है कि भारतीय टीम सेमीफाइनल या नाकआउट चरण में जगह बनाने वाली है। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाच्च व्यक्तिगत स्कोर के विश्व रिकॉर्डधारी को लगता है कि भारत को 70 के दशक की वेस्टइंडीज या पिछले दशक की ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरह लगातार जीतने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने इनमेंस में इस साल खेले गए विश्व कप का जिक्र करते हुए कहा, हर टीम ऐसे मैच के लिए तैयार रहती है, चाहे वह क्वार्टर फाइनल हो या सेमीफाइनल। टेस्टिए न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ कैसे खेला, उन्हें पता था कि किसे निशाना बनाना है और क्या करना है। इसलिए भारत को इसकी सराहना करनी चाहिए। लारा ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे बल्लेबाज टेस्ट में उनके 400 रन के रिकार्ड को तोड़ सकते है। उन्होंने कहा, विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी है जो यदि पूरे दिन या डेढ़ दिन बल्लेबाजी करें तो निश्चित रूप से इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते है। उम्मीद है, मैं इसे देखने के लिए रहूंगा।

गौतम बावा का कहना है कि इस परीक्षा ने कुछ हिस्सों को आसानी तथा कुछ अन्य को मध्यम से कठिन बनाते हुए प्रारूप में कुछ खास चौंकाया नहीं है –

कैट विश्लेषण-2019

कैट 2019 ने पेपर फार्मेट में कुछ अचंभित नहीं किया है। कठिनाई के स्तर के संदर्भ में, इस साल वीए/आरसी थोड़ा ज्यादा जटिल रहा, जिसमें दो उद्धरण कठिन रहे। वीए/आरसी में कटआफ में लगभग छह से आठ अंक घटने की अपेक्षा करें। डीआईएलआर तथा क्वांट दोनों पिछले साल की तुलना में कुछ आसान रहे। कुल मिलाकर, पेपर कैट 2018 की तुलना में थोड़ा कम कठिन रहा। लगभग कैट 2019 में कुल मिलाकर 157- 160 का कुल योगांक नब्बे फीसदी होना चाहिए।

कैट पेपर का समग्र प्रारूप कुछ इस प्रकार था:

वीए/आरसी: प्रश्नों की संख्या: 34, गैर एमसीक्यू प्रश्नों की संख्या: 7। मध्यम से कठिन के लिए (95 प्रतिशत) 23-25, 99 प्रतिशत के लिए: 26-28।

डीआईएलआर: प्रश्नों की संख्या: 32, गैर एमसीक्यू प्रश्नों की संख्या-8। आसान से मध्यम: 95 प्रतिशत प्रयास के लिए: 14-16 , जबकि 99 फीसदी प्रयास के लिए 18-20।

क्यूए: प्रश्नों की संख्या :34। एमसीक्यू प्रश्नों की संख्या:11। आसान से मध्यम: 95 प्रतिशत प्रयास के लिए 18-20। 99 फीसदी प्रयास के लिए: 24-26।

पूर्णांक: 100। गैर एमसीक्यू की संख्या: 26। 95 प्रतिशत के लिए प्रयास:60, 99 प्रतिशत प्रयास के लिए : 65।

वीए/आरसी खंड मध्यम से कठिन स्तर का था। हालांकि, पैटर्न पिछले साल जैसा ही था। इसमें 34 प्रश्न थे, जिसमें गैर एमसीक्यू प्रश्नों की संख्या 10 थी।

पांच पैसेज थे। एक पैसेज (इंपरर पैंग्विंस पर आधारित पैसेज) में चार प्रश्न थे जब कि शेष प्रत्येक पैसेज में पांच प्रश्न थे। शेष आरसी अंशों के विषय विभिन्न क्षेत्रों से थे। हालांकि कुछ को पढ़ना आसान था, जबकि कुछ ऐसे थे जो बोझिल थे और उनके उत्तर विकल्प भ्रमित करने वाले थे। कुछ तो अत्यंत हस्तक्षेप आधारित प्रश्न थे और इनमें से अधिकांश के जटिल उत्तर विकल्प थे। हालांकि, छात्र को सहज सटीक दर हासिल करने में सक्षम होने के लिए प्रोसेस आफ एलिमिनेशन का पालन करना चाहिए था, क्योंकि विकल्प सीधे सपाट नहीं थे। द 10 टाईप इन द आंसर (टीटा) वाले प्रश्न भी पिछले साल की तुलना में थोड़ा कठिन स्तर के थे।

पारा जंबल क्वेश्चन मध्यम कठिन स्तर के थे, जिनमें कुछ शुरुआती पंक्तियों के अनुक्रम संबंधी कुछ कठिनाइयां थीं। संक्षिप्त प्रश्न तुलनात्मक रूप से आसान थे, और मार्केटिंग-एडवरटाइजिंग व एकेडमिक्स पर केन्द्रित थे।

हालांकि, विकल्प असलिय में कठिन नहीं थे, और उत्तरदाता आसानी से एक-दो विकल्पों का चुनाव कर सकता था। ऑड-वन-आऊट पर आधारित प्रश्न तुलनात्मक रूप से आसान थे।

आरसी पैसेजेज निसंदेह पिछले साल के कैट पेवर की तुलना में ज्यादा जटिल थे, जिसके कारण निम्न हैं:

> आरसी अंशों के विषय विभिन्न क्षेत्रों से थे। हालांकि कुछ को पढ़ना आसान था, जबकि कुछ ऐसे थे जो बोझिल थे और उनके उत्तर विकल्प भ्रमित करने वाले थे। कुछ तो अत्यंत हस्तक्षेप आधारित प्रश्न थे और इनमें से अधिकांश के जटिल उत्तर विकल्प थे।

अधिक जटिल प्रश्न प्रारूप: ऐसे प्रश्नों का सामना हुआ होगा मसलन यदि यह सच है तो निम्न में से कौन, लेखक के तर्क को न्यूनतम पुख्ता करेगा और निम्न में से कौन कथा बदलने के संदर्भ में इनवर्जन का कारण नहीं होगा। छात्रों ने कुछ समय उस चीज को समझने की कोशिश में बिताया होगा कि किस पर उन्हें सोचने की आवश्यकता है।

करीबी विकल्प: आरसी पैसेजेज, मसलन अलादीन कथा की उत्पत्तियों तथा लोक संस्कृति संबंधी पैसेजेज के विकल्प थे जो एक दूसरे के अत्यंत करीबी थे। इसने निश्चित रूप से छात्र की प्रश्न हल करने की गति घटायी होगी। वीए/आरसी की कटआफ लगभग आठ से दस अंक गिरने की संभावना है जो पिछले साल की तुलना में दो-तीन प्रश्न कम होना है।

सरप्राइजेज: आम पूर्वानुमानों के विपरीत, पेपर का ढांचा पिछले साल की नकल था। 95 प्रतिशत के लिए इस खंड के 23-25 प्रश्नों के प्रयास को अच्छा माना जाएगा। हालांकि सटीकता का स्तर एक मसला होगा।

डीआईएलआर पिछले साल की तुलना में अधिक आसान था। लगभग तीन सेट, विशेष रूप से सी बाक्स में विभिन्न प्रकार के उपहार, 12 विभिन्न जंक्श ंशंस, और दो छह अंकीय संख्याओं का योग से संबंधी प्रश्न आसान थे, और उन्हें हल करने का प्रयास निश्चित रूप से होना चाहिए।

प्रश्नों का एक और सेट, जो विभिन्न राज्यों में विभिन्न प्रकार के अपराधों पर आधारित क्षितिजीय तालिका थी, भी आसान था और उसे हल करने में अधिकतम पांच से दस मिनट लगे होंगे।

कैट 2019 स्लॉट पेपर-1 में संभवत: स्थान हासिल करते, नये तालिका प्रारूप-रडार ग्राफ को देखना अच्छा है।

इस सेट में, विभिन्न विक्रेता कस्टमर सर्विस, लागत और विश्वसनीयता जैसी विशेषताओं पर दर्जाबद्ध थे। यह सीधा सपाट सेट आपसे मांग करता था कि आप प्रत्येक विशिष्टता पर औसत अंकों के आधार पर सर्वोत्तम वेंडर का पता लगाते हुए आसानी से प्रश्नों को हल करें।

डीआइएलआर की कटआफ पिछले साल की तुलना में लगभग सात से नौ अंक बढ़ने की संभावना है जो कैट 2018 से लगभग दो-तीन प्रश्न अतिरिक्त है।

क्यूए भी पिछले साल की तुलना में थोड़ा आसान था। आपको कैट 2018 की तुलना में इस बार अधिक सिटर्स प्राप्त हो सकते थे। पेपर में गणित विषय के अंतर्गत पर्सेंटेज, टीएसडी, टाईम एंड वर्क आदि अध्यायों पर अच्छी संख्या में प्रश्न थे। अल्जेब्रा, जोमेट्री एवं नंबर्स में में पेपर में नंबर्स की तुलना में ज्यादा प्रश्न अल्जेब्रा और ज्योमेट्री से संबंधित थे।

क्यूए की कटआफ पिछले साल की तुलना में पांच से सात अंक बढ़ने की संभावना है जो कैट 2018 से लगभग एक-दो प्रश्न अतिरिक्त है।

– (लेखक करियर लांचर के वाइस प्रेसिडेंट हैं।)

एडमिशन ओपेन

बैचलर आफ डिजाइन

जेके लक्ष्मीपत युनिवर्सिटी साल 2020-2021 के लिए अपने बैचलर आफ डिजाइन प्रोग्राम में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

इस कोर्स को हायर एजूकेशन, मैनेजमेंट स्टडीज, बिजनेस व इंडस्ट्री के विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन एजूकेशन का एक नया नजरिया प्रस्तुत के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है जो कि प्रकृति में साझीदारीपूर्ण व प्रक्रिया में समावेशी है। यह कोर्स उस नए डिजाइनर के लिए अनोखा तथा प्रासंगिक दोनों है जिसे स्टूडियों में काम करने, लैब में प्रयोग करने, तथा बोर्डरूम में प्रस्तुतियां देने में सहज आसानी हो।

कोर्स की अवधि: चार साल

योग्यता: भारत में या किसी बाहरी देश के मान्यता प्राप्त केन्द्रीय या राज्य बोर्ड या विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत (एससी एसटी आवेदकों के लिए 45 प्रतिशत) पूर्णांक हों जो ऐसोसिएशन आफ इंडियन युनिवर्सिटी (एआईयू) की कक्षा 12वीं प्रणाली के समकक्ष हों।

कक्षा 12वीं की अंतिम परीक्षा में भाग ले रहे विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को 2019 में होने वाली यूसीड या एनआईडी डाट जैसी नेशनल लेवेल डिजाइन एडमिशन परीक्षाओं में से किसी एक में भाग लिया हो। अगर आवेदक ने किसी राष्ट्र स्तरीय डिजाइन परीक्षाओं में भाग नहीं लिया है तो उन्हे कोर्स में प्रवेश की योग्यता पाने हेतु जेकेएलयू डिजाइन इंट्रेंस टेस्ट (डीईटी) में भाग लेना होगा।

बैंकिंग एंड फाइनेंस

टीकेडब्लू इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनेंस बैंकिंग व फाइनेंस में आगामी सत्र में पीजी डिप्लोमा के लिए अपने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए आवेदन आमंत्रित करता है यह बैंकिंग व फाइनेंस प्रोग्राम में केवल पीजी डिप्लोमा में एक दुनिया निर्मित करता है जो उम्मीदवारों को पब्लिक सेक्टर या प्राइवेट सेक्ट बैंकों के लिए एक साथ तैयार करता है।

कोर्स की अवधि: एक साल।

योग्यता: कोर्स में प्रवेश सुनिश्चित करने की न्यूनतम योग्यता है पचास प्रतिशत अंकों के साथ किसी भी वर्ग में स्नातक किया हो, स्नातक अंतिम वर्ष के परीक्षा में भाग लेने वाले छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। यह कोर्स मूल स्पष्टता प्रदान करते हुए आरंभ होता है और फिर बैंकिंग व फाइनेंस की सभी अत्यावश्यक जानकारियों से भागीदारों को परिचित कराता है।

आवेदन कैसे करें: www.tkwsibf.edu.in पर लागइन करें या टीकेडब्लू देलही के पक्ष में रु. 1000 के डिमांड ड्राफ्ट का भुगतान कर प्राप्त संस्थान का एडमिशन फार्म हासिल किया जा सकता है। आवेदन की अंतिम तिथि: 22 दिसंबर, 2019।

एमएससी प्रोग्राम

द युनिवर्सिटी आफ शेफील्ड, यूके अपने नए एमएससी सिविल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कोर्स में प्रवेश के लिए आमंत्रित करता है।

कोर्स की अवधि: एक साल।

योग्यता: किसी प्रतिष्ठित संस्थान से सिविल या स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग या अन्य उचित इंजीनियरिंग या विज्ञान विषयों के साथ न्यूनतम साठ प्रतिशत या प्रथम श्रेणी (बी इंजी, एमईजी बीएससी) के साथ धारकों की तीन वर्षीय स्नातक डिग्री। प्रत्येक घटक में न्यूनतम 6 के स्कोर के साथ समग्र आईईएलटीएस स्कोर 6.5 हो या समकक्ष।

फीस: अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 23,750 पाऊंड।

आवेदन कैसे करें: https://www.sheffield.ac.uk/postgraduate/taught/courses/2020/civil-engineering-and-management-msc पर लॉगइन करें।

यूपीएससी भी एक प्रतियोगी परीक्षा है

सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित अनेक मिथक प्रचलित हैं। उनमें से पांच को खारिज करते हैं **अखंड स्वरूप पंडित** –

सिविल सेवाओं में नौकरी पाना आईएएस, आईपीएस या आईएफएस अधिकारी बनने के इच्छुक अनेक महत्वाकांक्षी व प्रतिभाशाली व्यक्तियों द्वारा स्वप्निल करियर माना जाता है। ये प्रतिष्ठित नौकरियां रोजगार सुरक्षा, वेतन पैकेज और विदेश यात्रा का अवसर, रोजगार संतुष्टि आदि के साथ भारत में सत्ता व अधिकार चिन्हित करती हैं। इसके अलावा, सिविल अधिकारी वे हैं जो समस्त विकासकारी व अन्य सरकारी नीतियों के क्रियान्वयन के अर्थों में देश के भाग्य का फैसला करते हैं।

हालांकि, इन तीन पदों में से एक में नौकरी प्राप्त करना एक दुष्कर, तीन स्तरीय यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा से होकर गुजरने की मांग करता है जिसे सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक माना जाता है। हर साल लाखों उम्मीदवार यूपीएससी परीक्षा में बैठते हैं लेकिन कुछ ही का चयन होता है।

यद्यपि इस परीक्षा में सफल होने के लिए उचित तैयारी अनिवार्य है, मगर प्रतियोगितयों के लिए यह भी जरूरी है कि वे परीक्षा से जुड़ी कहानियों व दबाव को झेलने में सक्षम हों जो उनके भय को बढ़ा देते हैं, उन्हें ऐसे क्षेत्र में आगे बढ़ने को लेकर नर्वस बना देते है। इसलिए परीक्षा के आकांक्षियों, यह समय है कि इन सुनते आए आम मिथकों को खारिज किया जाए और अपने स्वप्निल करियर की यात्रा करने के लिए कमर कस ली जाए:

मिथ-1 : सालों की तैयारी करनी पड़ती है

वास्तविकता: यूपीएससी पूर्ण समर्पण की मांग करने वाली एक कठिन परीक्षा हो सकती है लेकिन इसका अनिवार्य अर्थ यह नहीं होता कि व्यक्ति शुरुआत दौर से ही तैयारी शुरू करने की जरूरत होगी। परीक्षा में सफल होने के लिए एक साल की तैयारी भी अच्छी हो सकती है यदि उम्मीदवार गंभीरतापूर्वक पढ़ाई कर रहे हैं। उम्मीदवारों की ऐसी अनेक सफल कहानियां हैं जिन्होंने एक साल से भी कम समय की तैयारी में या सिर्फ एक साल में पहली बार में ही परीक्षा में सफलता पाई है।

अखंड स्वरूप पंडित
फाउंडर-सीईओ, कैटलिस्ट ग्रुप

मिथ-2: आईएएस उम्मीदवारों को हर विषय या मुद्दे का जानकार बनना होगा

वास्तविकता: यह सच नहीं है। चूंकि यह एक सामान्य परीक्षा है, इसलिए व्यक्ति को मुद्दों के प्रति एक संतुलित नजरिया रखने के साथ बेहतर जानकार होने की जरूरत होती है। इसके अलावा, जैसा कि सिलेबस अपने आपमें इतना बड़ा है जिसमें अनेक विषय सम्मिलित होते हैं, ऐसे में उम्मीदवार पहले से दूसरों की तुलना में अधिक जानकार होते हैं। विशेषज्ञ बनने या मुद्दे का विस्तृत जानकार होने की कोई आवश्यकता नहीं है।

बल्कि, सिर्फ एनसीईआरटी किताबों, वर्तमान परिघटनाओं, तथा कुछ प्रतिष्ठित लेखकों की किताबों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। परीक्षा अपने उम्मीदवारों से सामान्य जागरुकता व विश्लेषणकारी योग्यताएं रखने की मांग करती है।

मिथ-3: उम्मीदवारों को कम से कम दो-तीन प्रयास करने चाहिए

वास्तविकता: यह बिलकुल गलत अवधारणा है। अनेक ऐसे उम्मीदवार हुए हैं जिन्होंने अपने पहले ही प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण की है। आवश्यकता इस बात की है कि खुद को एकाग्र रखा जाए और अपनी तैयारी पर ध्यान दिया जाए। जो विषय आपने तैयार कर लिया है उसे पुन: दोहरा लें और अपनी कमजोरियों का आंकलन करने के लिए अनेक कृत्रिम परीक्षाएं दें और सुधार लाएं। यदि आपने मन लगाकर सिलेबस में हर विषय को दोहरा लिया है और आप परीक्षा देने के लिए बिलकुल तैयार हैं तो आपको कोई भी एक ही बार में यूपीएससी आरम्भिक परीक्षा में सफल होने से नहीं रोक सकता।

मिथ-4: उम्मीदवारों को टापर्स की रणनीतियों का पालन करना चाहिए

वास्तविकता: यूपीएससी परीक्षा में सफलता पाने का कोई संक्षिप्त रास्ता नहीं है। अगर आप टापर्स को अपनी रणनीतियों व अध्ययन पद्धतियों के बारे में बताते हुए सुन भी लें, तो भी यह आपकी कड़ी मेहनत है जो अंतिम परिणाम देगी। इस कारण, उम्मीदवारों के लिए यह अत्यावश्यक है कि अपनी खुद की लय व दिनचर्या का पालन करें और तैयारी रणनीति गढ़ने के मामले में एक सजगतापूर्ण चयन करें।

मिथ-5: साक्षात्कार में सफलता के लिए अंग्रेजी भाषा की अच्छी समझ होना अनिवार्य है

वास्तविकता: यह एक गलत समझ है, खासतौर पर क्षेत्रीय भाषा बोलने वाले उम्मीदवारों में। यूपीएससी परीक्षा आपकी जागरुकता व विश्लेषणकारी योग्यताओं का आंकलन करती है, न कि आप जिस भाषा में लिखते हैं, उस माध्यम की। उम्मीदवारों को उनकी सुविधा के अनुसार, लगभग 22 क्षेत्रीय भाषाओं में पेपर में लिखने व साक्षात्कार देने के अवसर मिलते हैं। इसलिए अपना सर्वोत्तम कदम आगे बढ़ाएं।

हालांकि यह परीक्षा थोड़ी आनंदकारी हो सकती है, मगर यूपीएससी एक बड़े सिलेबस वाली सिर्फ एक और प्रतियोगी परीक्षा है। इसलिए कुछ निराधार मिथकों के आधार पर अपना आत्मविश्वास खोने के बजाय सहजतापूर्वक इस यात्रा में सफलता पाने के लिए अनुशासित रहें, दृढ़ रहें, और अपनी कड़ी मेहनत पर भरोसा रखें।

वंचित बच्चों को शिक्षित करना जरूरी

माइंड इट

सुविधा अधिकार है या एक लाभ है, और जो लोग सुविधाहीन हैं वे ऐसे अधिकारों व लाभों से वंचित हैं। सालों से, शिक्षा लोगों के लिए अपनी सीमाओं के पार जाने का आधारबिन्दू बनी है। भारत में अनेक बच्चे उचित शिक्षा नहीं पा रहे हैं, उनमें प्रत्येक व्यक्ति की मूल अनिवार्यता की कमी है और ऐसे अनेक लोग हैं जो असहाय की सहायता करना चाहते हैं। महान कल्याणकारी संगठन व स्वयंसेवी संस्थाएं का उभरना ऐसा ही एक माध्यम है। इन संगठनों ने प्रतिभाशाली व मेहनती बच्चों के लिए यह संभव बनाया है कि वे इन अवसरों तक पहुंच बना सकें।

आइए समझते हैं कि क्या चीज शिक्षा को परिभाषित करती है। शिक्षा का अर्थ ज्ञान प्राप्त करना है। विराट अर्थों में, शिक्षा उन विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न योग्यताएं हासिल करने का माध्यम है जो हमारे जीवन व हमारे अस्तित्व तक के लिए अत्यावश्यक हैं। ये योग्यताएं हमारे जीवन के विकास के दौरान एवं क्लासरूम प्रशिक्षण के जरिए हासिल की जा सकती हैं।

इन बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर हम न केवल उनकी सहायता करेंगे बल्कि उनके माता पिता का जीवन व उनके भविष्य को सुरक्षित भी कर सकते हैं, वे माता पिता जो अपने बच्चों को शिक्षा व उज्जवल जीवन देने में पर्याप्त सक्षम नहीं हैं। ऐसे अनेक कारण हैं कि उन्हें क्यों शिक्षा की जरूरत है और यह उनके लिए किस प्रकार जरूरी है। यह खुद को बेहतर बनाने व नयी चीजें सीखने, अच्छे अवसर पाने, अच्छा इंसान बनने व समाज में सिर उठाकर सम्मानित जीवन पाने में उनकी सहायता करेगी। ये बच्चे जितना अधिक शिक्षा प्राप्त करेंगे, इनके परिवार के लिए अच्छा जीवन गढ़ने के उतने ही अधिक अवसर होंगे। पांच में से एक बालिग में लेखन संवाद योग्यताएं की कमी है जो कि जीवन में उनकी प्रगति के लिए आवश्यक है, और 57 मिलियन बच्चे नहीं जानते हैं कि कक्षा में कदम रखना कैसा अनुभव होता है। अनेक लाखों बच्चे शिक्षा में हैं लेकिन उचित शिक्षण नहीं पा रहे हैं। शिक्षा की वैश्विक चुनौती सिर्फ पहुंच उपलब्ध कराना भर नहीं है, बल्कि प्रगति को सुनिश्चित करना भी है। उचित व बेहतर शिक्षा हम सभी के लिए जरूरी है। इससे लोगों में समूचे जीवन के दौरान गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पाना आसान होता है। भारत में, पितृसत्तात्मक समाज होने के कारण लड़कियां खासतौर पर शिक्षा से वंचित हैं।

शिक्षित होना महिलाओं को कर्मचारी व कुशल श्रमिक बनने का समान अवसर देता है जो अपनी शिक्षा को वरदान के रूप में उपयोग करती हैं जो उनके परिवारों के भविष्य को बेहतर बनाने में सहायता करेगा। शिक्षित लड़कियां बाल विवाह व दहेज जैसी पूर्वाग्रहग्रस्त सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने में भी सहायता करती हैं जो आज भी समाज में आम प्रचलित हैं। ये सामाजिक बुराइयां केवल एक जेंडर तक सीमित नहीं हैं। बहुत छोटी उम्र से ये बच्चे कारखानों, होटलों में या सड़कों पर भिखारी के रूप में काम करने लगते हैं। इनमें से अधिकांश चोरी, जेब काटने जैसी अनेक गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त हो जाते हैं, यहां तक कि नशों के आदी हो जाते हैं। जिसके कारण, एक ऐसी उम्र में जब उन्हें अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए और अपने बचपन का आनंद लेना चाहिए, ये बच्चे अपने परिवारों के लिए पेट पालक के रूप में काम करने लगते हैं। सरकार ने भी अनेक कदम उठाए हैं और बाल श्रम रोकने के लिए अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। समाज के वंचित समुदायों के बच्चों व उनके माता पिता को प्रेरित व उत्साहित करने के लिए मिडडे मील और स्कूल चले हम जैसे अभियान शुरू हुए हैं।

अच्छी शिक्षा से हम अच्छा करियर व अच्छा पैसा कमा सकते हैं। शिक्षा केवल ज्ञान का साधन नहीं होती, जिसे व्यक्ति किताबों से हासिल करता है बल्कि ऐसे जीवन उपदेश हैं जो व्यक्ति को अधिक मानवीय बनाती है। शिक्षा व्यक्ति को अनेक रूपों में पूर्ण बना सकती है। लेकिन आज की आर्थिक दुनिया में जहां हर चीज बहुत धनकेन्द्रित है। आज, शिक्षा इतनी महंगी हो गयी है कि अनेक लोग, जो समाज के निचले वर्ग से आते हैं, इसका खर्च वहन नहीं कर सकते। इन कारणों से हर साल अनेक बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं। इस परिदृश्य में, सस्ती दरों पर कर्जे स्कूल छोड़ने वालों के जीवन को बेहतर बनाने में अत्यधिक सहायता कर सकते हैं। सरकारी अभियान और अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं हैं जो इन वंचित बच्चों की सहायता कर रहे हैं। क्योंकि ये अधिकांश बच्चे ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं जिनके परिवार की आर्थिक स्थितियां कमजोर हैं या जिनके कोई परिवार नहीं हैं। केवल शिक्षा प्रदान करने से उनकी सहायता नहीं होने वाली है। हमें भी आसरा, भोजन व कपड़े के जरिए उनकी सहायता करने की जरूरत है। हमें इस समस्या का हल निकालने के लिए व्यवहारिक व वैज्ञानिक नजरिया अपनाना होगा।

– लेखक रिचा प्रशांत, सुनाय की संस्थापक हैं।